- डिजिटल लुटेरा : यूपीआई सुरक्षा को चकमा दे रहे साइबर ठग
- 12

- कच्चा तेल उछलने से फिसला बाजार सेंसेक्स 1,342 अंक टूटा, 5.14 लाख करोड़ डूबे
- 12

- विपक्ष अब ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए देगा नोटिस
- 13

- टीम भावना ने पर्दे के पीछे निभाई अहम भूमिका : सूर्यकुमार
- 14


आज का मौसम

36.0⁰ अधिकतम तापमान

19.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.22

सूर्यास्त 06.16

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

# अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष नवमी 06:29 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2083

गुरुवार, 12 मार्च 2026, वर्ष 4, अंक 200, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये


# एलपीजी सिलेंडर किल्लत की अफवाह फैलाने वालों की खैर नहीं : मुख्यमंत्री

लखनऊ में एजेंसी पर गैस की किल्लत से जूझते लोगों की लगी कतार।

- सीएम ने जिलाधिकारियों व पुलिस अफसरों को कार्रवाई के दिए निर्देश
- सिलेंडर की कालाबाजारी व कृत्रिम कमी दिखाने वालों पर भी शिकंजा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार:** पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच उप्र में तेल व गैस की कमी को लेकर फैल रही अफवाहों पर मुख्यमंत्री योगी ने सख्त रुख अपनाया है। कहा कि गैस और तेल की कालाबाजारी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अफवाह फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों और पुलिस प्रमुखों को निर्देश दिया है कि एलपीजी सिलेंडर, पेट्रोल या डीजल की कालाबाजारी करने या कृत्रिम कमी दिखाने वालों पर भी बेहद कड़ी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा करते हुए कहा कि आपदा की स्थिति में अवसर तलाशने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि गैस और पेट्रोल-डीजल की कालाबाजारी, अवैध भंडारण या कृत्रिम कमी दिखाकर कीमत बढ़ाने की कोशिश करने वालों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद पुलिस मुख्यालय से लेकर जिला स्तर तक निगरानी तेज कर दी गई है। सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर नजर रखी जा रही है। जिलों की पुलिस को पेट्रोल पंपों के आसपास निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

### प्रशासन ने शुरू किया सख्त निरीक्षण

● जिलों में पेट्रोल पंप और गैस गोदामों का औचक निरीक्षण ● कालाबाजारी और अवैध भंडारण की जांच ● सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर निगरानी ● घरेलू सिलेंडर के कमर्शियल इस्तेमाल पर कार्रवाई

### गैस कंपनियों के हेल्पलाइन नंबर

● भारत गैस : 1800-22-4344 ● इंडेन गैस : 1800-2333-555 ● एचपी गैस : 1800-2333-555

(उपभोक्ता डीलर द्वारा गैस न देने या शिकायत होने पर इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं।)

### कई जिलों में फील्ड में उतरीं प्रशासनिक टीमें

सीएम की सख्ती के बाद कई जिलों में प्रशासनिक टीमें फील्ड पर उतर आई हैं। लखनऊ, नोएडा, कानपुर और प्रयागराज समेत कई शहरों में पेट्रोल पंपों, गैस गोदामों और वितरण केंद्रों पर निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों को घरेलू गैस सिलेंडर के कमर्शियल इस्तेमाल और अवैध भंडारण की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन के अनुसार प्रदेश में गैस या पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। गैस वितरण में कुछ स्थानों पर तकनीकी कारणों से देरी की शिकायतें सामने आई हैं, जिसकी वजह गैस कंपनियों का सर्वर डाउन होना बताया गया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी तरह की गड़बड़ी की जानकारी तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें।

### पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा- लोग घबराहट में न करें सिलेंडर बुकिंग

**नई दिल्ली।** पेट्रोलियम मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि एलपीजी सिलेंडर की घबराहट में बुकिंग करने की जरूरत नहीं है और घरेलू उपभोक्ताओं के लिए करीब 2.5 दिन का सामान्य आपूर्ति चक्र बरकरार है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि भारत की कच्चे तेल की आपूर्ति सुरक्षित है और तेल को होर्मुज जलडमरूमध्य से इतर मार्गों के जरिए भी मंगाया जा रहा है। सरकार की तरफ से उठाए गए कदमों के चलते देश में एलपीजी उत्पादन में 25% की वृद्धि हुई है। भारत करीब 40 देशों से कच्चा तेल आयात करता है। इसकी कच्चे तेल की दैनिक खपत करीब 55 लाख बैरल है। विविध स्रोतों से खरीद किए जाने से अब देश का लगभग 70 प्रतिशत कच्चा तेल आयात ऐसे मार्गों से हो रहा है जो होर्मुज जलडमरूमध्य से बाहर हैं, जबकि पहले यह अनुपात करीब 55 प्रतिशत था। शर्मा ने कहा कि फिलहाल तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के दो जहाज भारत की तरफ आ रहे हैं और अगले कुछ दिन में इनके पहुंच जाने से देश में ऊर्जा आपूर्ति की स्थिति और मजबूत होगी।

## ब्रीफ न्यूज

### गेन बिटकॉइन घोटाला मामले में आयुष वार्ष्णेय को किया गया गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** सीबीआई ने 20,000 करोड़ रुपये के गेन बिटकॉइन मुद्रा घोटाले के मुख्य आरोपियों में शामिल एवं डार्विन लैब्स के सह-संस्थापक आयुष वार्ष्णेय को गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई ने वार्ष्णेय के खिलाफ 'लुकआउट सर्कुलर' जारी किया था। वार्ष्णेय को सोमवार को देश से भागने की कोशिश करते समय मुंबई हवाई अड्डे से हिरासत में लिया गया। उसे मंगलवार को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। सीबीआई के अनुसार, डार्विन लैब्स ने उस डिजिटल बुनियादी ढांचे को डिजाइन और विकसित किया था जो कथित फर्जी उद्यम गेन बिटकॉइन के परिचालन की रीढ़ था।

### जयशंकर और लावरोव ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की

**मॉस्को।** भारत और रूस के विदेश मंत्रियों, क्रमशः एस. जयशंकर एवं सर्गेई लावरोव ने बुधवार को टेलीफोन पर बातचीत की और पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। रूस के विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा, दोनों मंत्रियों ने ईरान को लेकर स्थिति पर अपने विचार साझा किए और इसे शीघ्र ही स्थिति सामान्य होने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने स्थिति को शांत करने और सभी पक्षों के वैध हितों के संतुलन पर आधारित स्थायी समाधान प्राप्त करने की परिस्थितियों के निर्माण में एससीओ और ब्रिक्स की भूमिका का समर्थन करने पर भी जोर दिया।

### टेलीग्राम को 3,100 से अधिक चैनल निष्क्रिय करने के निर्देश

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने बुधवार को त्वरित संदेश मंच टेलीग्राम को कॉपीराइट कानून का उल्लंघन करने वाले 3,100 से अधिक चैनल को तीन घंटे के भीतर निष्क्रिय करने का निर्देश दिया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यह पाया था कि इन चैनल पर कुछ सामग्री मालिकों, ओटीटी मंचों और निर्माताओं के स्वामित्व वाले या उनके लाइसेंस-प्राप्त कार्यक्रमों को बिना कानूनी अनुमति के साझा और वितरित की जा रही थीं।

# ईरान का बड़ा वार, होर्मुज में समुद्री पोतों व खाड़ी में हवाई अड्डे व तेल क्षेत्र पर दागे ड्रोन

## ट्रंप बोले- ईरान से जंग जल्द खत्म होगी, हमने सब तबाह कर दिया, हमले के लिए कुछ नहीं बचा

दुबई, एजेंसी

ईरान ने वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट बढ़ने और तेल-समृद्ध क्षेत्र पर दबाव बनाने के अपने अभियान को तेज करते हुए फारस की खाड़ी में वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया व दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाने के साथ खाड़ी देशों के तेल क्षेत्र को निशाना बनाया। ईरान के दो ड्रोन दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास गिरे। इस हमले में चार लोग घायल हुए हालांकि उड़ान परिचालन जारी रहा। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ जंग बेहतरीन चल रही है और यह जंग जल्द खत्म होगी क्योंकि हमने सब तबाह कर दिया है। अब वहां हमला करने के लिए कुछ भी नहीं बचा है।

ईरान के संयुक्त सैन्य कमान ने पश्चिम एशिया में बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निशाना बनाने की कवायद शुरू करने की घोषणा की। इससे विशेष रूप से दुबई, सऊदी अरब और बहरीन द्वीप समूह खतरे में पड़ सकते हैं। ईरान ने इजराइल पर सबसे बड़ा हमला कर अमेरिकी ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। साथ ही धमकी दी है कि वह अमेरिकी टेक कंपनियों के दफ्तरों और डेटा सेंटर्स को भी निशाना बनाएगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री पोत में लगी आग।

इससे पहले, होर्मुज जलडमरूमध्य में ओमान के तट पर थाइलैंड के एक मालवाहक जहाज पर एक मिसाइल गिरी, जिससे पोत में आग लग गई। बताया जा रहा है कि यह पोत भारत आ रहा था। थाइलैंड के समुद्री विभाग के अनुसार, ओमान की नौसेना द्वारा 20 लोगों को बचाए जाने के बाद अधिकारी मयूरी नारी जहाज पर तैनात चालक दल के तीन लापता सदस्यों की तलाश कर रहे हैं। ईरान ने इस संकरे जलडमरूमध्य में माल ढुलाई को लगभग पूरी तरह रोक दिया है।

- भारत आ रहे थाई पोत पर हमला, ओमान की नौसेना ने 20 क्रू मेंबर का रेस्क्यू किया, 3 लापता
- ईरान ने इजराइल पर किए बड़े हमले, अमेरिकी ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं
- ईरान इजराइल में स्थित अमेरिकी टेक कंपनियों के दफ्तरों और डेटा सेंटर्स को भी बना सकता है निशाना

### चीन बोला- हम खाड़ी देशों पर हो रहे हमलों से सहमत नहीं

चीन ने कहा है कि वह खाड़ी देशों पर हो रहे हमलों से सहमत नहीं है। ऐसे हमलों में आम लोगों और गैर-सैन्य जगहों को नुकसान पहुंच रहा है, जो ठीक नहीं है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बात कही। उन्होंने कहा कि नागरिकों और जरूरी इमारतों को निशाना बनाना गलत है और इससे इलाके में तनाव और बढ़ सकता है। हालांकि चीन ने अपने बयान में किसी देश का नाम नहीं लिया।

### 778 नाविकों के साथ 28 भारतीय जहाज फंसे

**नई दिल्ली।** फारस की खाड़ी में 28 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं, जिन पर 778 नाविक सवार हैं। पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि इनमें से 24 जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिमी भाग में 677 नाविकों के साथ मौजूद हैं, जबकि चार जहाज चालक दल के 101 सदस्यों के साथ पूर्वी भाग में हैं। सिन्हा ने कहा, हम सभी जहाजों की सुरक्षा के लिए सक्रिय रूप से निगरानी कर रहे हैं। पोत परिवहन महानिदेशालय ने भारतीय ध्वज वाले सभी जहाजों और नाविकों की सुरक्षा उपायों को अपनाने सहित 'रिपोर्टिंग प्रोटोकॉल' का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है।

### दो भारतीयों की मौत एक लापता : जायसवाल

**नई दिल्ली।** युद्ध के दौरान वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हमले में दो भारतीयों की मौत हो गई और एक लापता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को यह जानकारी दी। कहा कि भारत खाड़ी क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है।

## बिरला के खिलाफ प्रस्ताव ध्वनिमत से खारिज

# सदन में शाह बोले- राहुल गांधी सदन में बोलना नहीं चाहते या उन्हें नियमानुसार बोलना नहीं आता

नई दिल्ली, एजेंसी

- कहा- जो नियम से नहीं चलेंगे, उनका माइक बंद होगा, ये सदन मेला नहीं
- लोकसभा में विपक्ष पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह का जोरदार प्रहार

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आचरण और सदन की कार्यवाही में उनकी भागीदारी पर तीखी टिप्पणियां करते हुए बुधवार को विपक्ष के इस आरोप को खारिज कर दिया कि उन्हें निचले सदन में बोलने नहीं दिया जाता। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए संकल्प पर चर्चा का जवाब देते हुए शाह ने यह भी कहा, आप प्रधानमंत्री के खिलाफ प्रस्ताव लाइए। हम मुद्दों पर जवाब देंगे। लेकिन लोकसभा अध्यक्ष को पद से हटाने के प्रस्ताव को मैं सामान्य बात नहीं मानता।

शाह के भाषण के बाद, सदन ने ध्वनिमत से विपक्ष के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, विपक्ष के नेता का यह आरोप सही नहीं है कि उन्हें बोलने नहीं दिया जाता। नेता प्रतिपक्ष की पार्टी लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव लाई, उस पर भी वह नहीं बोले। वह बोलना ही नहीं चाहते। बोलना चाहते हैं तो नियमानुसार बोलना नहीं आता। यह कोई सभा (रैली) नहीं है, यहां नियमानुसार बोलना होता है। गृह मंत्री ने बिरला के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि यह बहुत अफसोसजनक घटनाक्रम है। उन्होंने कहा, जब सदन के मुखिया की निष्ठा पर सवाल उठाया जाता है तो दुनिया में भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया की साख पर सवाल खड़े हो जाते हैं। उन्होंने कांग्रेस सदस्यों को आड़े हाथ लेते हुए कहा, जब आप सदन के संचालन के नियमों को नजरअंदाज करेंगे तो अध्यक्ष का दायित्व है कि ऐसे सदस्य को रोकें, टोकें और बाहर निकाल दें। शाह ने कहा कि भाजपा और राजग के विपक्ष में रहते अध्यक्ष के खिलाफ कभी अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया गया और हमने हमेशा रचनात्मक विपक्ष के रूप में काम किया। शाह ने कहा, जो नियमानुसार नहीं चलेगा, उसका माइक बंद हो ही जाएगा, बंद हो ही जाना चाहिए।

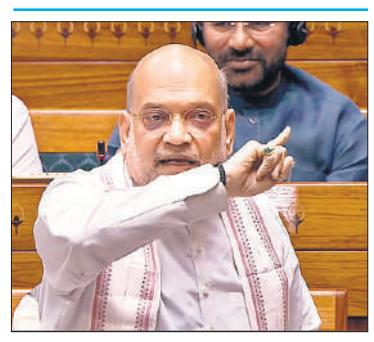

# थाइलैंड में एअर इंडिया एक्सप्रेस का लैंडिंग के दौरान पहिया निकला, नोज गियर टूटा

**मुंबई।** एयर इंडिया एक्सप्रेस के बोइंग 737 मैक्स विमान ने बुधवार को थाईलैंड के फुकेट हवाई अड्डे पर हार्ड लैंडिंग की जिससे उसके आगे के दोनों पहिए अलग हो गए और नोज गियर टूट गया। विमान ने हैदराबाद से फुकेट के लिए उड़ान भरी थी।

एक अधिकारी ने बताया कि यात्रियों को विमान से उतारकर टर्मिनल भवन ले जाया गया और कोई घायल नहीं हुआ है। बोइंग 737-मैक्स 8 में सवार यात्रियों की संख्या का तुरंत पता नहीं लगाया जा सका। रनवे पर विमान के फंसे होने के कारण हवाई अड्डे का संचालन अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है और विमान को खींचकर बे (हवाई अड्डे का वह हिस्सा जहां विमान को खड़ा किया जाता है) की ओर ले जाया गया है। प्रवक्ता ने कहा कि फुकेट हवाई अड्डे पर विमान के आगे के पहिए में खराबी आ गई थी और चालक दल ने सभी मानक प्रोटोकॉल का पालन किया व यात्रियों को विमान से उतार लिया गया।

- फुकेट हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में कराई गई हार्ड लैंडिंग 133 लोग थे सवार

# ऊर्जा संकट पर मोदी बोले- अफवाहों पर मत दें ध्यान

तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु), एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को लोगों से अपील की कि वे पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण रसाई गैस आपूर्ति में आई बाधा के मद्देनजर अफवाहों पर ध्यान न दें और आग्रह किया कि केवल सत्यापित जानकारी ही प्रसारित की जाए।

प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी देशभर में होटल उद्योग को प्रभावित करने वाली व्यावसायिक एलपीजी की कमी और इस मुद्दे पर विपक्ष की आलोचना के साथ-साथ आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल की संभावित किल्लत या कीमतों में उछाल की आशंकाओं के बीच आई है। मोदी ने यहां राजग की एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तमिलनाडु में द्रमुक शासन की भी आलोचना की और कहा कि लोग ऐसी सरकार चाहते हैं जो हर परिवार के लिए काम करे, न कि केवल एक परिवार के लिए।

- पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण रसाई गैस आपूर्ति में आई बाधा पर प्रधानमंत्री ने की अपील

उन्होंने कहा, मैं लोगों से अपील करना चाहूंगा कि हम केवल सही और सत्यापित जानकारी ही फैलाएं। जाहिर तौर पर उनका इशारा खाड़ी क्षेत्र को प्रभावित करने वाले अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष के कारण आपूर्ति में व्यवधान से उत्पन्न एलपीजी संकट की ओर था। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस संघर्ष ने पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा, हमने देखा है कि हमारी सरकार हमेशा भारत के हितों को सर्वोपरि रखती है। मोदी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि एक राष्ट्र के रूप में हम हर परिस्थिति का सफलतापूर्वक सामना करेंगे।

# मुख्यमंत्री से मिले नोबेल पुरस्कार विजेता कॉन्स्टेंटिन नोवोसेलोव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार:** नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक कॉन्स्टेंटिन नोवोसेलोव ने बुधवार सुबह मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात की। इस दौरान लोहम कंपनी के सीईओ रजत वर्मा और कंपनी के चीफ ऑफ स्टाफ आयुष सबात भी मौजूद रहे। बैठक में उत्तर प्रदेश को एडवांस्ड मटेरियल रिसर्च और इंजीनियरिंग का प्रमुख केंद्र बनाने की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

अतिथियों ने प्रदेश में निवेश के लिए तैयार हो रहे सकारात्मक औद्योगिक वातावरण की सराहना की। बैठक में लोहम कंपनी द्वारा प्रदेश में भारत की पहली 'रेयर अर्थ टू मैग्नेट' इंटीग्रेटेड फैसिलिटी स्थापित करने की योजना पर भी चर्चा हुई। यह भी चर्चा हुई कि उन्नत मटेरियल साइंस के क्षेत्र में अनुसंधान और औद्योगिक उत्पादन को जोड़कर प्रदेश को एक नए तकनीकी केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। लोहम और नोवोसेलोव के सहयोग का मुख्य फोकस दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर है। पहला, टू-डी मटेरियल (जैसे ग्रैफीन) का उपयोग कर अगली पीढ़ी की लिथियम-आयन बैटरियों की क्षमता, सुरक्षा और आयु बढ़ाना।

### कौन हैं नोवोसेलोव

● विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक और नोबेल पुरस्कार विजेता ● ग्रैफीन की खोज के लिए मिला नोबेल पुरस्कार ● उन्नत मटेरियल साइंस और नैनो टेक्नोलॉजी के विशेषज्ञ ● वर्तमान में लोहम कंपनी के साथ स्ट्रैटेजिक एडवाइजर

## एनसीईआरटी पुस्तक विवाद | सुप्रीम कोर्ट ने 8वीं की सामाजिक विज्ञान की किताब में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पाठ्यक्रम शामिल करने के मामले में दिए सख्त निर्देश

# संबंधित लेखकों से खुद को अलग करें केंद्र और राज्य

- विवादित चैप्टर बनाने वाली प्रो. मिशेल को बैन करने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने बुधवार को निर्देश दिया कि केंद्र व राज्य सरकारें एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की किताब में विवादास्पद अध्याय तैयार करने में शामिल तीन विशेषज्ञों से अपना संबंध तोड़ लें।

कोर्ट ने इस अध्याय में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को लेकर आपत्तिजनक सामग्री शामिल किए जाने को लेकर यह सख्ती बरती है। न्यायालय ने केंद्र सरकार को एक सप्ताह के भीतर विषय-विशेषज्ञों की एक समिति गठित करने का निर्देश दिया, ताकि एनसीईआरटी की कानूनी अध्ययन की पाठ्यचर्या को अंतिम रूप दिया जा सके, जो केवल आठवीं कक्षा ही नहीं, बल्कि उच्च कक्षाओं के लिए भी लागू होगी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया गया कि यह अध्याय प्रोफेसर मिशेल डैनिनो की अध्यक्षता में बनी पाठ्यपुस्तक विकास टीम द्वारा तैयार किया गया था, जिसमें सुपर्णा दिवाकर और आलोक प्रसन्न कुमार सदस्य के रूप में शामिल थे। इस पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली शामिल हैं। पीठ ने कहा, प्रारंभ में हमारे पास यह संदेह करने का कोई कारण नहीं है कि प्रोफेसर मिशेल व उनके सहयोगी सुपर्णा तथा आलोक को भारतीय न्यायपालिका के बारे में उचित और पर्याप्त जानकारी नहीं है और/या उन्होंने जानबूझकर तथा सोच-समझकर तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया है, ताकि छात्रों के सामने कोर्ट की नकारात्मक छवि पेश की जा सके। विवादित चैप्टर बनाने वाली प्रो. मिशेल को बैन करने के निर्देश दिए।

### पीठ ने सरकार से ऐसे वेबसाइट व उन्हें चलाने वाले व्यक्तियों का विवरण मांगा

पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार को राष्ट्रीय पाठ्यक्रम एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री समिति (एनएसटीसी) की संरचना पर भी फिर से विचार करना चाहिए, विशेष रूप से उन लोगों के संबंध में, जिनके साथ पाठ्यपुस्तक विकास टीम के सदस्यों द्वारा विवादित अध्याय को डिजिटल रूप से साझा किया गया था। अदालत ने इस बात का भी संज्ञान लिया कि 26 फरवरी को इस मामले में आदेश पारित करने के बाद तथाकथित सोशल मीडिया पर कुछ तत्वों ने गैर-जिम्मेदाराना ढंग से कार्रवाई और प्रतिक्रियाएं दीं। पीठ ने कहा, हम दृढ़ता से मानते हैं कि समस्या का सीधे सामना किया जाना चाहिए। इसलिए हम भारत सरकार को निर्देश देते हैं कि ऐसे वेबसाइट और उन्हें चलाने वाले व्यक्तियों की पहचान करे और उनका पूरा विवरण हमें उपलब्ध कराए, ताकि हम उचित कार्रवाई कर सकें।

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 12 मार्च 2026



# समाज कल्याण विभाग में 'घोटाला सिंडिकेट' से लड़ना आसान नहीं

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

- वर्षों पुराने फर्जीवाड़े पर कार्रवाई में हुई देर, नेता-लिपिक और दलालों का भंडाफोड़ मुश्किल
- पांच महीने में छह समाज कल्याण अधिकारी हुए बर्खास्त, अभी कार्रवाई की जद में दर्जनों

**अमृत विचार:** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सालों पुराने समाज कल्याण विभाग के 'घोटाला सिंडिकेट' कार्रवाई तेजी से आगे बढ़ रही है। पांच माह में छह समाज कल्याण अधिकारियों की बर्खास्तगी के बाद अभी दर्जनों कतार में हैं। हालांकि तत्कालीन मंत्री-शासन-प्रशासन से लेकर रातोंरात करोड़पति बनने वाले लिपिकों और दलालों को अंजाम तक पहुंचाना सपने जैसा है।

समाज कल्याण विभाग की कई योजनाओं में लंबे समय से फर्जीवाड़े के आरोप सामने आते रहे हैं। जांच में छात्रवृत्ति, शुल्क प्रतिपूर्ति, वृद्धावस्था पेंशन और आर्थिक सहायता योजनाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं उजागर हुई हैं। कई मामलों में करोड़ों रुपये की वसूली और सेवानिवृत्त अधिकारियों की पेंशन में कटौती तक के आदेश दिए गए हैं। ताजा कार्रवाई में अमेठी के तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी मनोज कुमार शुक्ला और हरदोई के तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी हर्ष मवार को सेवा से बर्खास्त किया गया है। अमेठी में विभाग के ही प्रधान लिपिक गोकुल प्रसाद जायसवाल ने आरोप लगाया कि अधिकारी ने उन्हें चैंबर में बुलाकर धमकाया और मोबाइल छीनकर फोन-पे के जरिए उनकी पत्नी के खाते में 40 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। विभागीय जांच में आरोप सही पाए गए। हरदोई में तत्कालीन अधिकारी हर्ष मवार पर भुगतान और खरीद में टेंडर प्रक्रिया को दरकिनार कर वित्तीय नियमों के विपरीत काम कराने के आरोप सिद्ध हुए। जांच में पाया गया कि कोटेशन के आधार पर भुगतान कर सरकारी धन के उपयोग में गंभीर अनियमितताएं की गईं।

इससे पहले श्रावस्ती की तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी मीना श्रीवास्तव को भी सेवा से बर्खास्त किया जा चुका है। उन पर मुख्यमंत्री महामाया गरीब आर्थिक मदद योजना और छात्रवृत्ति योजनाओं में लाभार्थियों के खातों में हेरफेर कर सरकारी धन का गबन कराने के आरोप सिद्ध हुए। मथुरा के तत्कालीन अधिकारी करुणेश त्रिपाठी के मामले में जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। 11 मान्यता विहीन संस्थानों को 2.53 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति जारी कर दी गई और फर्जी छात्रों के नाम पर भुगतान हुआ। यहां तक कि 2 साल से 51 साल तक की उम्र के लोगों को आईटीआई छात्र दिखाया गया। हापुड़ के संजय कुमार ब्यास और शाहजहांपुर के राजेश कुमार के खिलाफ भी करोड़ों रुपये की अनियमितताओं के बाद बर्खास्तगी और वसूली की कार्रवाई हो चुकी है। वहीं औरैया के श्रीभगवान, मथुरा के विनोद शंकर तिवारी और उमा शंकर शर्मा जैसे सेवानिवृत्त अधिकारियों की पेंशन में स्थायी कटौती के आदेश दिए गए हैं।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, विभाग में घोटालों का नेटवर्क सिर्फ जिलों तक सीमित नहीं था। योजनाओं के नाम पर फर्जी लाभार्थी जोड़ना, रिकॉर्ड में हेरफेर और मान्यता विहीन संस्थानों को भुगतान कर करोड़ों रुपये का खेल चलता रहा। अब जांच की आंच कई अन्य अधिकारियों, लिपिकों और कथित दलालों तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

### जिम्मेदारों तक कार्रवाई पहुंचेगी : असीम अरुण

समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण का कहना है कि कई ऐसे मामले सामने आए हैं जो वर्षों से दबे पड़े थे। अब सभी मामलों में जांच कर एफआईआर दर्ज कराई जा रही है। दोषी पाए जाने पर किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

### ऐसे चलता था घोटाले का खेल

- योजनाओं में फर्जी लाभार्थी जोड़कर भुगतान
- छात्रवृत्ति के नाम पर मान्यता विहीन संस्थानों को धनराशि
- रिकॉर्ड में हेरफेर कर खातों में बदलाव
- टेंडर प्रक्रिया को दरकिनार कर भुगतान
- कर्मचारियों पर दबाव और वसूली के आरोप

### अब तक की बड़ी कार्रवाई

- पांच माह में 6 जिला समाज कल्याण अधिकारी बर्खास्त
- कई मामलों में करोड़ों रुपये की वसूली के आदेश
- 3 सेवानिवृत्त अधिकारियों की पेंशन में स्थायी कटौती
- कई अन्य अधिकारी-कर्मचारी अभी जांच के दायरे में

# कृषि क्षेत्र के लिए 31.43 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार :** प्रदेश सरकार ने कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में करीब 31.43 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृतियां जारी की हैं। यह धनराशि बीज स्वावलंबन, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, मुख्यमंत्री खेत सुरक्षा योजना और कृषि विश्वविद्यालयों के सुदृढ़ीकरण पर खर्च की जाएगी।

सरकारी जानकारी के अनुसार बीज स्वावलंबन नीति के तहत खाद्यान्न, दलहन और तिलहन के बीज उत्पादन के लिए 10 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वहीं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और मृदा स्वास्थ्य कार्ड कार्यक्रम के लिए 12.26 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इसके अलावा सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ में शिक्षकों व कर्मचारियों के वेतन और एरियर के भुगतान के लिए 8.79 करोड़ रुपये दिए गए हैं। वहीं कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अंतर्गत इटावा स्थित कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के कार्मिकों के वेतन-भत्तों के लिए 3.47 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि इन योजनाओं से कृषि अनुसंधान, बीज उत्पादन और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा।

## न्यूज ब्रीफ

### प्रयागराज में दो मंदिरों के विकास पर खर्च होंगे 3.46 करोड़ रुपये

**अमृत विचार, लखनऊ/प्रयागराज :** संगम नगरी प्रयागराज में पर्यटन विभाग करछना स्थित फलाहिरी बाबा मंदिर और सोरांव तहसील के दुर्गा मंदिर देवी धाम पचदेवा के विकास पर कुल 3 .46 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करेगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि फलाहिरी बाबा मंदिर के विकास के लिए 1.64 करोड़ रुपये और दुर्गा मंदिर देवी धाम पचदेवा के सौंदर्यीकरण व पर्यटन सुविधाओं के लिए लगभग 1.82 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। परियोजना के तहत फलाहिरी बाबा मंदिर के लिए 40 लाख रुपये और दुर्गा मंदिर के लिए 45 लाख रुपये की पहली किस्त भी जारी कर दी गई है।

### अभ्यर्थियों को नहीं मिलेगी नि:शुल्क बस यात्रा

**अमृत विचार, लखनऊ :** उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों के लिए 14 व 15 मार्च 2026 को प्रस्तावित लिखित परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों को परिवहन बस की निशुल्क यात्रा की सुविधा नहीं मिलेगी। विभागीय अधिकारी ने सोशल मीडिया पर प्रसारित उक्त सूचना को भ्रामक बताया है, जिसमें बताया गया है कि परिवहन निगम की बसों में एडमिट कार्ड दिखाकर नि :शुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। परिवहन निगम में प्रधान प्रबंधक (संचालन) अनिल कुमार ने बुधवार को समस्त क्षेत्रीय-सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को निर्देश दिए हैं कि सोशल मीडिया पर प्रसारित उक्त भ्रामक सूचना के खंडन के सम्बन्ध में बस अड्डों पर हेल्प डेस्क के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करना सुनिश्चित करें।

### सभी जिलों में राष्ट्रीय लोक अदालत 14 को

**अमृत विचार, लखनऊ :** मुख्य सचिव एसपी गोयल ने कहा कि 14 मार्च को प्रदेश के सभी जिलों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा, जिसके लिए विभागवार नोडल अधिकारी नामित किए जाएं और अधिक से अधिक प्री-लिटिगेशन मामलों की पहचान कर उनका निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव बुधवार को मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाए और आमजन को इसके लाभों के बारे में जागरूक किया जाए। बैंक रिकवरी, बिजली कंपाउंडिंग, मोटर वाहन अधिनियम के लंबित चालान, राजस्व, नगर निगम कर, अतिक्रमण और अन्य विभागीय मामलों के निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया।

# रेसिपी आधारित पुष्टाहार लागू करने वाला पहला राज्य बनेगा यूपी

## अप्रैल से आंगनबाड़ी केंद्रों में शुरू होगी नई पौष्टिक भोजन व्यवस्था

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कुपोषण के खिलाफ प्रदेश सरकार के अभियान को मिलेगी मजबूती

**अमृत विचार:** प्रदेश में बच्चों, गर्भवती और धात्री महिलाओं के बेहतर पोषण के लिए योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। अप्रैल से प्रदेश के आंगनबाड़ी केंद्रों में रेसिपी आधारित अनुपूरक पुष्टाहार व्यवस्था लागू की जाएगी। भारत सरकार की गाइडलाइन और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत लागू होने वाली इस व्यवस्था के साथ उत्तर प्रदेश ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा।

नई व्यवस्था के तहत लाभार्थियों को तय पोषण मानकों के अनुरूप भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एसआरएलएम) के माध्यम से रेसिपी आधारित पुष्टाहार तैयार

कर सीधे आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचाया जाएगा। जिन जिलों या परियोजनाओं में इसकी व्यवस्था उपलब्ध नहीं होगी, वहां नैफेड के माध्यम से आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। पुष्टाहार वितरण में पारदर्शिता और निगरानी सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने चेहरा पहचान प्रणाली (फेस रिकग्निशन सिस्टम) लागू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अनुपूरक पुष्टाहार का ऑफलाइन वितरण अमान्य होगा और केवल एफआरएस प्रणाली के माध्यम से ही वितरण मान्य माना जाएगा। इससे लाभार्थियों तक सही तरीके से पोषण सामग्री पहुंचाने और धांधली पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

सरकार का मानना है कि रेसिपी आधारित पुष्टाहार व्यवस्था लागू होने से प्रदेश में कुपोषण के खिलाफ चल रही लड़ाई को नई ताकत मिलेगी और आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों तथा महिलाओं को बेहतर पोषण उपलब्ध कराया जा सकेगा।

### किसे क्या मिलेगा

- 6 माह–1 वर्ष : आटा-बेसन हलवा
- 1–3 वर्ष : आटा-बेसन हलवा
- 3–6 वर्ष : आटा-बेसन बर्फी व दलिया-मूंग-सोया खिचड़ी
- गर्भवती व धात्री महिलाएं : आटा-बेसन-सोया बर्फी व दलिया-मूंग-दाल खिचड़ी

### अतिकुपोषित बच्चों के लिए विशेष व्यवस्था

- 6 माह–1 वर्ष : पौष्टिक हलवा
- 1–3 वर्ष : 'बाल संजीवनी' पौष्टिक हलवा
- 3–6 वर्ष : पौष्टिक हलवा और पौष्टिक दलिया

### व्यवस्था की खास बातें

- आंगनबाड़ी केंद्रों में रेसिपी आधारित पुष्टाहार
- फेस रिकग्निशन सिस्टम से वितरण
- 301.19 करोड़ रुपये का फंड मंजूर
- पोषण मानकों में 11 माइक्रोन्यूट्रिएंट शामिल

मुख्यमंत्री योगी की मां पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर लखनऊ के हजरतगंज चौराहे पर मौलाना सलीम का पुतला जलाते लोग।

## भाजपा के 'अच्छे दिनों' का सिलेंडर अब खाली हो चुका है : अखिलेश यादव

**अमृत विचार, लखनऊ :** सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने रसोई गैस सिलेंडर वितरण व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के "अच्छे दिनों" का सिलेंडर अब खाली हो चुका है और आम जनता गैस सिलेंडर के लिए परेशान हो रही

है। सपा प्रमुख ने कहा कि कई जगह उपभोक्ताओं को घंटों लाइन में लगने के बाद बताया जा रहा है कि बिना डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) के सिलेंडर नहीं मिलेगा। ऐसे में अगर गैस कंपनियों का सर्वर डाउन है तो इसके लिए जनता जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने कहा कि सर्वर चलाना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन उसकी खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भोजन बनाने के संकट से जूझ रहे परिवारों की मजबूरी का फायदा उठाकर ब्लैक मार्केट में सिलेंडर कई गुना अधिक कीमत पर बेचे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले कोरोना काल में लोग ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए भटकते रहे और अब रसोई गैस के सिलेंडर के लिए भटक रहे हैं।

## प्रधानमंत्री 14 को जारी करेंगे किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त

**अमृत विचार, लखनऊ :** प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 13 मार्च को असम के गुवाहाटी में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी योजना की 22वीं किस्त जारी करेंगे। इस अवसर को पूरे देश में 'पीएम किसान उत्सव दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। यूपी सरकार ने इस संबंध में सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और कृषि विभाग के अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। शासनादेश के अनुसार कार्यक्रम का सीधा प्रसारण pmindiawebcast.nic.in पर होगा। प्रदेश के सभी जिलों, विकासखंडों और ग्राम पंचायतों में किसानों को इस कार्यक्रम से वर्चुअल रूप से जोड़ने के लिए आयोजन किए जाएंगे।

# जिलों में बनेंगे मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कार्यदायी संस्थाओं को धनराशि जारी की गई

**अमृत विचार :** प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए योगी सरकार विभिन्न जिलों में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय स्थापित करने जा रही है। इन विद्यालयों में प्री-प्राइमरी से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों को एक ही परिसर में आधुनिक सुविधाओं के साथ शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी।

यह जानकारी बुधवार को बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि लखनऊ के मलिहाबाद सहित बहराइच, चंदौली, मिर्जापुर, लखीमपुर खीरी, फतेहपुर, गाजियाबाद, कानपुर देहात, वाराणसी, कौशांबी, फर्रुखाबाद, अमेठी और उन्नाव समेत कई जिलों में विकसित करने की योजना है। परियोजना के पूर्ण होने पर यहां कुल पांच रनवे होंगे और एयरपोर्ट का क्षेत्रफल लगभग 11,750 एकड़ तक पहुंच जाएगा। अंतिम रूप से तैयार होने के बाद इसकी वार्षिक यात्री क्षमता 30 करोड़ यात्रियों तक पहुंचने का अनुमान है, जिससे यह दुनिया के सबसे बड़े हवाई अड्डों में शामिल हो सकता है।

# नगर निकायों को 1350 करोड़ मंजूर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुति के तहत मार्च माह के लिए स्वीकृति

**अमृत विचार:** प्रदेश सरकार ने पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में मार्च 2026 के लिए नगरीय निकायों को 1350 करोड़ रुपये की सामान्य समनुदेशन राशि जारी करने की स्वीकृति दे दी है। यह धनराशि नगर निगम, नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों को निर्धारित नियमों के तहत उपलब्ध कराई जाएगी।

वित्त विभाग के आय-व्ययक अनुभाग-2 की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार यह राशि लेखा शीर्ष 3604 (स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन) के अंतर्गत जारी की जाएगी। कुल स्वीकृत धनराशि निदेशक, स्थानीय निकाय के निवर्तन पर रखी जाएगी और वहीं से विभिन्न नगरीय निकायों में आवंटित की जाएगी। शासनादेश में कहा गया है कि धनराशि का आवंटन पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर राज्य सरकार द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार किया जाएगा। संबंधित निकायों को कोषागार के माध्यम से धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। यदि किसी निकाय पर पहले से कोई समायोजन या कटौती लंबित है तो पहले उसका समायोजन किया जाएगा, उसके बाद ही शेष राशि जारी की जाएगी। इसके साथ ही निदेशक, स्थानीय निकाय को निर्देश दिया गया है कि निकायों द्वारा धनराशि के आहरण की सूचना वाउचर संख्या और तिथि सहित प्राप्त कर वित्त विभाग और नगर विकास विभाग को उपलब्ध कराएं। शासन स्तर पर धनराशि के उपयोग की समीक्षा भी की जाएगी।

### स्वीकृत राशि

- कुल स्वीकृति : 1350 करोड़ रुपये
- नगर निगम : 607 .50 करोड़ रुपये
- नगर पालिका/नगर पालिका परिषद : 472 .50 करोड़ रुपये
- नगर पंचायत : 270 .00 करोड़ रुपये

# एक रनवे के साथ शुरू होगा नोएडा एयरपोर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पहले चरण का 95 प्रतिशत निर्माण पूरा, प्रतिदिन औसतन 150 उड़ानों का अनुमान

**अमृत विचार:** गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर क्षेत्र में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तेजी से संचालन की ओर बढ़ रहा है। प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पहले चरण का करीब 95 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष कार्य 10 नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। पहले चरण में एयरपोर्ट एक रनवे के साथ संचालित होगा और इसकी वार्षिक यात्री क्षमता करीब 1 करोड़ 20 लाख यात्रियों की होगी।

अधिकारियों के अनुसार, एयरपोर्ट से प्रतिदिन औसतन 150 उड़ानों के संचालन का अनुमान है। जैसे ही यात्रियों की संख्या एक

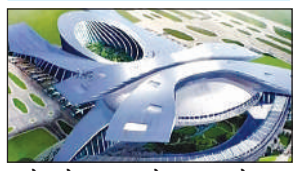

करोड़ के पार पहुंचेगी, एयरपोर्ट पर दूसरे रनवे के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। दो रनवे के साथ यह एयरपोर्ट लगभग 7 करोड़ यात्रियों को सेवा देने में सक्षम होगा। एयरपोर्ट के पहले चरण में करीब 3,300 एकड़ क्षेत्र में विकसित किए जा रहे हिस्से का लोकार्पण किया जाएगा। परियोजना के लिए कुल 6,700 एकड़ भूमि का अधिग्रहण पहले ही किया जा चुका है, जबकि अतिरिक्त 5,100 एकड़ भूमि अगले तीन महीनों में अधिग्रहित करने की योजना है। एयरपोर्ट के लिए भूमि खरीद पर लगभग 5,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जबकि निर्माण कार्य पर करीब 7,000 करोड़ रुपये की लागत आ रही है।

जेवर एयरपोर्ट को देश के सबसे बड़े और आधुनिक हवाई अड्डों में विकसित करने की योजना है। परियोजना के पूर्ण होने पर यहां कुल पांच रनवे होंगे और एयरपोर्ट का क्षेत्रफल लगभग 11,750 एकड़ तक पहुंच जाएगा। अंतिम रूप से तैयार होने के बाद इसकी वार्षिक यात्री क्षमता 30 करोड़ यात्रियों तक पहुंचने का अनुमान है, जिससे यह दुनिया के सबसे बड़े हवाई अड्डों में शामिल हो सकता है।

### पहले चरण के मुख्य बिंदु

- एक रनवे के साथ होगा संचालन
- सालाना 1 .20 करोड़ यात्रियों की क्षमता
- प्रतिदिन औसतन 150 उड़ानें
- 95% निर्माण कार्य पूरा

### पूरी परियोजना की रूपरेखा

- कुल क्षेत्रफल 11,750 एकड़
- पांच रनवे विकसित किए जाएंगे
- 30 करोड़ यात्री प्रतिवर्ष
- लॉजिस्टिक्स, उद्योग और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

बढ़ते कदम | यूपी में 20 हजार से अधिक स्टार्टअप इंडिया मान्यता प्राप्त इकाइयां सक्रिय

# स्टार्टअप इंडिया से युवाओं की उद्यमिता को नई रफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्टार्टअप हब बन रहा यूपी, नवाचार को मिल रहा संस्थागत समर्थन

**अमृत विचार:** प्रदेश तेजी से देश के उभरते हुए स्टार्टअप हब के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। प्रदेश सरकार की नीतियों, संस्थागत ढांचे और वित्तीय प्रोत्साहन के चलते नवाचार और उद्यमिता को नई गति मिली है। प्रदेश में अब 20 हजार से अधिक स्टार्टअप "स्टार्टअप इंडिया" के तहत मान्यता प्राप्त कर चुके हैं, जो तेजी से विकसित हो रहे स्टार्टअप इकोसिस्टम का संकेत है।

योगी सरकार की स्टार्टअप नीति और प्रोत्साहन योजनाओं के चलते युवाओं को अपने विचारों को

व्यवसाय में बदलने का अवसर मिल रहा है। इससे न केवल नवाचार को बढ़ावा मिला है बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं। प्रदेश में स्टार्ट इन यूपी पहल के अंतर्गत भी उद्यमिता को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इसके तहत अब तक तीन हजार से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता मिल चुकी है। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देना और युवाओं को उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है।

स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाने में इन्क्यूबेशन नेटवर्क की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रदेश में वर्तमान में 76 मान्यता प्राप्त इन्क्यूबेटर कार्यरत हैं, जो नए उद्यमियों को तकनीकी सहयोग, मार्गदर्शन और संसाधन उपलब्ध करा रहे हैं। ये इन्क्यूबेटर विश्वविद्यालयों, तकनीकी संस्थानों और निजी संगठनों के साथ मिलकर स्टार्टअप्स को शुरुआती चरण से ही सही दिशा देने का काम कर रहे हैं।

### स्टार्टअप इकोसिस्टम की तस्वीर

- 20 हजार से अधिक स्टार्टअप इंडिया मान्यता प्राप्त स्टार्टअप
- 3 हजार से अधिक स्टार्ट इन यूपी मान्यता प्राप्त स्टार्टअप
- 76 मान्यता प्राप्त इन्क्यूबेटर सक्रिय
- 7 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को मंजूरी

### वित्तीय प्रोत्साहन

- 146 करोड़ रुपये के इंसेंटिव स्वीकृत
- 58 करोड़ रुपये की राशि स्टार्टअप्स को वितरित
- उत्पाद विकास, तकनीकी उन्नयन और बाजार विस्तार में मदद

### इन क्षेत्रों में बढ़ रहा नवाचार

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
- डेटा एनालिटिक्स
- एग्रीटेक
- टेक्नोलॉजी आधारित सेवाएं
- डिजिटल और इनोवेशन आधारित समाधान

# आत्मनिर्भरता की मिसाल बनीं वंदना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

### सीएम युवा योजना से ऑयल मिल शुरू कर बनीं आत्मनिर्भर

**अमृत विचार:** प्रदेश में 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन रहा है। इस योजना का लाभ उठाकर राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज की वंदना यादव ने ऑयल मिल स्थापित कर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है।

वंदना यादव ने बताया कि उन्हें मुख्यमंत्री युवा योजना के तहत बैंक ऑफ इंडिया से ऋण प्राप्त हुआ, जिसके बाद उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर गांव मजरा खुजेहटा में सरसों तेल की ऑयल मिल शुरू की। इस इकाई में शुद्ध सरसों के तेल का उत्पादन किया जा रहा है और उन्होंने अपने उत्पाद का एक स्थानीय ब्रांड भी शुरू किया है।

आज उनकी मिल से तैयार तेल आसपास के कई गांवों में आपूर्ति किया जा रहा है। इस उद्यम से न केवल वंदना आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनी हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा हुए हैं। उनके प्रयास से क्षेत्र की अन्य महिलाओं को भी स्वरोजगार के लिए प्रेरणा मिल रही है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत 21 से 40 वर्ष की आयु के युवाओं को व्यवसाय शुरू करने के लिए पहले चरण में 5 लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण दिया जाता है। समय पर भुगतान करने पर दूसरे चरण में 10 लाख रुपये तक ऋण की सुविधा भी उपलब्ध है। सरकार का लक्ष्य हर वर्ष एक लाख नए उद्यमी तैयार करना है।

## न्यूज ब्रीफ

### किसानों के खाते में 22वीं किश्त कल

**कानपुर देहात।** शुक्रवार को किसान सम्मान निधि की 22वीं किश्त जारी होगी। गुवाहटी, असम में आयोजित होने वाले पीएम किसान उत्सव का सजीव प्रसारण दिखाया जाएगा। जनपद एवं विकास खंड स्तर पर कार्यक्रम की व्यवस्था की जा रही है। इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे। कार्यक्रम शाम पांच बजे से किया जाएगा। इसमें ग्राम प्रधान, कृषक, सम्मानित कृषकगण, बीमा, ड्रोन सखी, पशु सखी, बैंक सखी एवं विभिन्न गतिविधियों से सम्बन्धित औसतन 50 कृषक प्रतिभाग करेंगे।

### एसटीएफ ने ठगी केस में युवक को उठाया

**रसूलाबाद।** अयोध्या में प्रॉपर्टी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये ठगी के केस में एसटीएफ की टीम क्षेत्र के एक गांव से एक युवक को गिरफ्तार कर ले गई। थाना प्रभारी शिवनारायण सिंह ने बताया कि अयोध्या में प्रॉपर्टी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये ठगी के मामले में एसटीएफ ने विजय प्रताप यादव नामक युवक को ले गई है। चर्चा है कि ठगी के मामले में कई अन्य लोग भी फरार हैं। विजय प्रताप यादव से पूछताछ के बाद अन्य लोगों की गिरफ्तारी की जा सकती है।

### तंबाकू और धूम्रपान के दुष्प्रभाव बताए

**कानपुर देहात।** सीएमओ डॉ एके सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को नो स्मोकिंग डे पर जागरुकता कार्यक्रम हुआ। संचालन डिप्टी सीएमओ डॉ. डीके सिंह ने किया। कार्यक्रम में तंबाकू व धूम्रपान के सेवन से होने वाली हानियों व दुष्प्रभावों के साथ बचाव एवं रोकथाम पर चर्चा हुई। कैंसर व अन्य रोगों के विषय में जागरूक किया गया। कोटपा अधिनियम 2003 एवं पेका अधिनियम 2019 की चर्चा की गई। ऐरो मानसिक रोग के चिकित्सीय परामर्श हेतु टेली मानस हेल्प लाइन नंबर 14416 एवं 1800-891-4416 के बारे में भी बताया गया।

### लाभार्थियों को बांटे बिजली वाले चॉक

**कानपुर देहात।** राष्ट्रीय अलंकृत उद्यान आलमचंद्रपुर माती में विद्युत चालित कुम्हारी चॉक का वितरण किया गया। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला मुख्य अतिथि थीं। राज्यमंत्री ने 50 लाभार्थियों को निःशुल्क चॉक एवं दो पगमिल मशीन बांटी। कार्यक्रम में राकेश कुमार अग्रणी जिला प्रबंधक बैंक ऑफ बड़ौदा, बलदेव प्रसाद जिला उद्यान अधिकारी, उप निदेशक कृषि विभाग, प्राची शुक्ला वरिष्ठ सहायक, अंकिता वरिष्ठ सहायक शिवेंद्र सिंह आदि रहे।

### राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर हुई बैठक

**कानपुर देहात।** 14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर बुधवार को माती में तैयारी बैठक हुई। जिला जज रवींद्र सिंह ने विभागाध्यक्षों को पूर्व लोक अदालत में निस्तारित वादों की अपेक्षा अधिक वादों के निस्तारण के निर्देश दिए। बैठक में समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष मौजूद रहे। यहां जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नूपुर श्रीवास्तव, एएसपी राजेश पांडेय, डिप्टी सीएमओ डा आदित्य सचान उपस्थित रहे।

### अनुमति से अधिक खनन पर नोटिस

**कानपुर देहात।** खनन अधिकारी ने बताया कि सिकंदरा तहसील क्षेत्र के गौहारी कछार में तय सीमा से अधिक मिट्टी खनन और परिवहन पर नोटिस जारी की गई है। उन्होंने बताया कि औरैया जिले के शहबदिया (इकौरापुर) की शालिनी तिवारी पत्नी राहुल तिवारी को 10240 घनमीटर खनन की अनुमति थी। संयुक्त जांच टीम ने 27 फरवरी को पाया कि 14268 .29 घनमीटर मिट्टी का खनन और परिवहन किया गया है। इस प्रकार 4028 .29 घनमीटर अतिरिक्त मिट्टी का खनन पाया गया। कुछ स्थानों पर अधिक गहराई में खनन किया गया। 2 लाख 51 हजार 414 रुपये का नोटिस दिया गया है।

### दहेज, घरेलू हिंसा के 14 मामले सामने आए

**कानपुर देहात।** राज्य महिला आयोग की सदस्य अर्चना पटेल ने बुधवार को माती सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक व जनसुनवाई की। इस दौरान घरेलू हिंसा, दहेज, मार-पीट आदि से संबन्धित 14 शिकायतें प्राप्त हुई। निस्तारण के निर्देश दिए। बैठक में एएसपी राजेश पांडेय, भोगनीपुर सीओ, एसीएमओ,जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, स्वतः रोजगार उपायुक्त, सहायक श्रमायुक्त, सहायक जिला पंचायत अधिकारी आदि रहे।

# अध्यक्ष के लिए जितेंद्र, महामंत्री के लिए दुर्गेश और नरेंद्र ने भरा पर्चा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

**अमृत विचारः** माती कचहरी में जिला बार एसोसिएशन के चुनावों का बुधवार को नामांकनों के साथ आगाज हो गया। अधिवक्ताओं ने अलग-अलग पदों के लिए पर्चे दाखिल किए। नामांकन पत्र दाखिल करने का गुरुवार को अंतिम दिन है।

अध्यक्ष पद पर वरिष्ठ अधिवक्ता जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान ने जुलूस के साथ नामांकन पत्र दाखिल किया। महामंत्री पद पर दुर्गेश चंद्र यादव ने जुलूस के साथ पर्चा भरा। महामंत्री पद के लिए ही नरेंद्र सिंह सेंगर ने भी नामांकन किया। अन्य पदों पर भी नामांकन पत्र दाखिल किए गए। 12 मार्च को शाम 4 बजे तक पर्चे दाखिल कर सकेंगे। 13 मार्च को नामांकन पत्रों की जांच के बाद उसी दिन नाम वापसी की प्रक्रिया भी होगी। मतदान 25 मार्च को सुबह 10 बजे से शाम 4 तक चलेगा। उसी दिन नतीजे घोषित किए जाएंगे। नामांकन प्रक्रिया के पहले दिन न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं के बीच उत्साह दिखा। नामांकन प्रक्रिया के दौरान चुनाव समिति के चेयरमैन संपत लाल तथा सदस्य रमेश चन्द्र सिंह गौड़, जयगोविंद सिंह, रहीश अहमद कुरैशी, रविशंकर वर्मा एवं हिमांशु गुप्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव एवं महामंत्री घनश्याम सिंह राठौर भी मौजूद रहे।

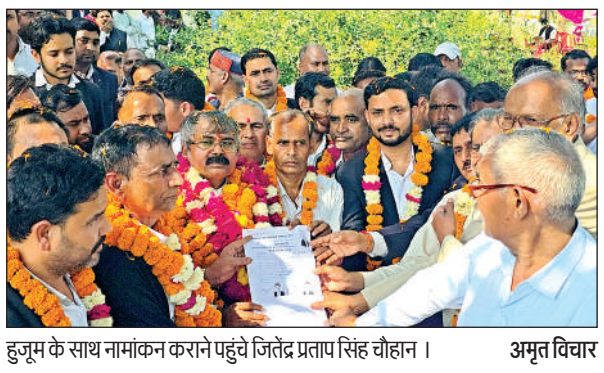

हुजूम के साथ नामांकन कराने पहुंचे जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान। अमृत विचार

# ईरान-अमेरिका जंग की आंच रसोई तक पहुंची

संवाददाता, शिवली

- कतारें देख याद आने लगे पुराने दिन, कालाबाजारी की अटकलें
- हारसोई छोड़ सिलेंडर के लिए गैस एजेंसी पहुंच रहीं महिलाएं

**अमृत विचारः** ईरान और अमेरिका के बीच छिड़ी जंग ने यहां किचन की हालत खराब करनी शुरू कर दी है। आपूर्ति में बाधा के बाद से गैस सिलेंडरों के लिए लोगों को पसीना बहाना पड़ रहा है। जगह-जगह लंबी कतारें लग रहीं। घंटों इंतजार के बाद सिलेंडर मिल पा रहा। मांग के अनुरूप सप्लाई नहीं होने से सिलेंडर लेकर आतीं गाड़ियां चुटकी में खाली हो रही हैं। व्यवस्था दुरूस्त करने को प्रशासन की ओर से अभी कोई कदम नहीं उठाया गया है।

दावा था कि युद्ध के हालात कैसे भी हों, पेट्रोलियम पदार्थों, खास कर घरेलू गैस की कोई दिक्कत नहीं आएगी मगर धरातल पर ऐसा नहीं दिख रहा। पंपों पर पेट्रोल और डीजल की दिक्कत आ रही। आगे बड़ी समस्या न आ जाए, इससे संशकित लोग जरूरत से अधिक डीजल-पेट्रोल वाहनों में डलवा रहे। इससे पंपों पर अव्यवस्था का आलम है। अफरा-तफरी जैसा माहौल दिख रहा है। इसी तरह, कुकिंग गैस के सिलेंडर मिलने में भी दिक्कत आनी शुरू हो गई है। अब तक बुकिंग के बाद आसानी से गैस मिल रही थी। हाल के तीन-चार दिनों से स्थिति उलट हो गई है। सिलेंडर के लिए लोग कतार में लगे दिख रहे। आगे-पीछे होने की बात पर कहा-सुनी और मारपीट की नौबत आ रही।

मैथा तहसील क्षेत्र में गैस की चार एजेंसियां हैं। इनमे गैस की किल्लत शुरू हो गई है। शिवली की गैस एजेंसी में दोपहर तक सिलेंडर खत्म हो गए। ग्रामीण काफी देर इंतजार कर वापस लौट गए। होम डिलीवरी भी समय से नही हो पा रही है। बाघपुर, मड़ौली, परसौली की गैस एजेंसियों में भी सिलेंडर लेने के लिए उमड़ पड़े।

हालांकि मैथा तहसील के राशनिंग इंस्पेक्टर सत्येंद्र यादव ने बताया कि गैस एजेंसियों का निरीक्षण किया जा रहा है। कोई शिकायत भी नहीं आई है। एजेंसियों से सिलेंडर न मिलने की समस्या होने पर ग्रामीण तहसील में उनसे शिकायत कर सकते है। फिलहाल कोई समस्या नही है।

शिवली में बुधवार को सिलेंडर की आस में खड़ी महिलाएं और लोग। अमृत विचार

# रजिस्ट्री दफ्तर में आयकर टीम का सर्वे, खंगाले गए दस्तावेज

## टीम ने बैनामों में इस्तेमाल किए गए पैन कार्ड और फार्म-60 की मांगी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

**02** बजे के करीब रजिस्ट्री कार्यालय पहुंची टीम | **2021** से अब तक रजिस्ट्री के अहम दस्तावेज मांगे | **18** मार्च तक सभी दस्तावेज उपलब्ध कराने के निर्देश

**अमृत विचारः** आयकर विभाग की टीम ने बुधवार की दोपहर सदर तहसील में संचालित सब रजिस्ट्री कार्यालय में सर्वे किया। करीब डेढ़ घंटे तक अभिलेख खंगाले। जमीनों की खरीद-फरोख्त में इस्तेमाल पैन कार्ड और फार्म 60 की जानकारी मांगी। बड़ी मालियत के बैनामों के साथ-साथ टीम ने इंडेक्स का भी ब्यौरा मांगा। हालांकि सारा विवरण उन्हें नहीं मिल सका। टीम के अधिकारियों ने चाही गई रिपोर्ट एक सप्ताह में मुहैया कराने को कहा है। टीम की कार्रवाई को लेकर कार्यालय में हड़कंप की स्थिति रही।

कानपुर शहर के रजिस्ट्रेशन नंबर वाली कार से आई टीम के सदस्य दोपहर करीब पौने दो बजे तहसील पहुंचे। रजिस्ट्री दफ्तर जाने के पहले अधिकारी नीचे रुके। करीब पंद्रह मिनट तक गुफ्तगू की। इसके बाद एक अधिकारी ने किसी से फोन पर बात की, फिर टीम के लोग तहसील के प्रथम तल पर संचालित रजिस्ट्री कार्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने प्रभारी सब रजिस्ट्रार प्रतिपाल सिंह यादव को परिचय दिया और उनसे सर्वे कार्य में सहयोग करने को कहा। टीम के अधिकारियों ने कई बिंदुओं पर सवाल पूछे।

इसके बाद वर्ष 2021 से लेकर अब तक पंजीकृत दस्तावेजों के साथ संलग्न पैन कार्ड और फार्म 60 के बारे में जानकारी जुटाई। इंडेक्स बुक और बड़ी मालियत वाले दस्तावेज भी मांगे। एक साथ इतना ब्यौरा दे पाने में कार्यालय स्टाफ ने असमर्थता जताई तो टीम के अधिकारियों ने 18 मार्च तक का समय दिया और कहा कि एक सप्ताह में सारी जानकारी एकत्र कर उसे आयकर विभाग को भेजना सुनिश्चित करें। करीब डेढ़ घंटे की छानबीन के बाद टीम चली गई। इस दौरान कार्यालय परिसर में हड़कंप की स्थिति बनी रही।

बुधवार को आयकर टीम के सर्वे के दौरान दफ्तर में भीड़ रही। अमृत विचार

- बड़ी मालियत के दस्तावेजों के साथ इंडेक्स भी किया तलब
- टीम की कार्रवाई से रजिस्ट्री दफ्तर में हड़कंप की स्थिति

तहसील के मेन गेट पर खड़ी कार।

### 500 करोड़ की प्रॉपर्टी पर कर चोरी का शक

- **कानपुर देहात।** कार्रवाई के बारे में टीम के अधिकारियों ने किसी भी तरह की जानकारी नहीं दी। एक अधिकारी ने बताया कि सर्वे के लिए आए थे। हालांकि सूत्रों ने बताया कि दस्तावेजों में पैन कार्ड और फार्म 60 नहीं लिए जाने की जानकारी पर टीम यहां आई। बताया गया कि करीब पांच सौ करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी के ऐसे दस्तावेजों का पंजीकरण किया गया, जिनके बारे में आयकर विभाग को जानकारी नहीं मिली। ऐसे मामलों का पता लगाकर नोटिसें जारी की जाएंगी।

### 'भोले' का मतलब साहब भक्त हैं

- इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से आई टीम ने ऐसा रुख अपनाया कि सरगर्मी बढ़ गई। रजिस्ट्री दफ्तर पहुंचने तक टीम ने पूरी गोपनीयता रखी। कार से अधिकारी उतरे। इसके बाद दो बार कार को एक जगह से दूसरी जगह खड़ा कराया गया। टीम के एक अधिकारी ने दूर जाकर किसी से बात की। इसके बाद वह रजिस्ट्री दफ्तर की ओर बढ़े। दूसरी तरफ, कार के आगे और पीछे, दोनों तरफ के शीशों पर 'भोले' लिखा स्टिकर लगा था। कार चालक ने बताया कि साहब शंकर जी के भक्त हैं। आनंदेश्वर मंदिर जाते हैं। इसी कारण 'भोले' लिखाया है।

# दफ्तरों में फाइलें दुरुस्त रखने पर खास ध्यान दें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

**अमृत विचारः** बुधवार को डीएम कपिल सिंह ने कलेक्ट्रेट के पटलों एवं विभिन्न कार्यालयों की कार्यप्रणाली, अभिलेख संधारण, जनसुनवाई व्यवस्था तथा लंबित प्रकरणों की स्थिति जांची। राजस्व एवं जन सेवाओं की प्रगति परखी। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यों को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से संपादित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि आमजन को सरकारी सेवाएं सरल, सुगम और त्वरित रूप से उपलब्ध हों। इसके लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता के साथ करें। जनहित से जुड़े मामलों में अनावश्यक विलंब न हो। शिकायतों एवं प्रार्थना पत्रों का निस्तारण निर्धारित समयावधि में किया जाए। डीएम ने राजस्व अभिलेखागार, संयुक्त कार्यालय, नजारत शाखा, डीएलआरसी, आईजीआरएस सेल, आबकारी अधिकारी कार्यालय, निबंधक कार्यालय, खाद्य सुरक्षा तथा निर्वाचन कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने अभिलेखों के रखरखाव, फाइलों के समुचित संधारण तथा आवश्यक अभिलेखों के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने आईजीआरएस सेल में प्राप्त शिकायतों की स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि शिकायतों का निस्तारण पूरी गंभीरता के साथ किया जाए तथा शिकायतकर्ता को संतुष्टिपरक समाधान उपलब्ध कराया जाए। इसके साथ ही उन्होंने सभी कार्यालयों में डिजिटल रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली को प्रभावी बनाने पर बल दिया, जिससे अभिलेखों का संरक्षण एवं उपयोग सुगम हो सके। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था का भी अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यालय परिसर में स्वच्छता की समुचित व्यवस्था बनाए रखी जाए।

जरूरी दिशा-निर्देश देते डीएम।

# रफ्तार की मार से अधेड़ की मौत

संवाददाता, शिवली

- रामगंगा नहर के पटरी मार्ग पर मक्कापुरवा के पास हुआ हादसा

**अमृत विचारः** बुधवार की दोपहर रामगंगा नहर पटरी मार्ग पर मक्कापुरवा गांव के पास अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से बाइक सवार अधेड़ व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस घायल व्यक्ति को शिवली अस्पताल लेकर पहुंची। अस्पताल में मौजूद डॉक्टर ने उसको मृत घोषित कर दिया। मजदूर की मौत की खबर लगते ही उसके परिजनों के बीच कोहराम मच गया। पुलिस ने घटना की सूचना दर्ज कर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

शिवली कोतवाली क्षेत्र के गांव सभा काशीरामपुरवा के जोगीडेरा गांव निवासी बंगालीनाथ ठेकेदार की देखरेख में अपनी पत्नी एवं दो बेटियों के साथ सड़क के निर्माण में मजदूरी करता है। होली के पर्व पर बंगाली नाथ अपने परिवार के साथ त्योहार मनाने के लिए गांव आया था। काम पर वापस जाने के लिए बुधवार की दोपहर बंगाली नाथ अपनी दो पुत्रियों भवानी एवं पूनम को छोड़ने के लिए किसान नगर गया था बेटियों को छोड़ने के बाद वह बाइक द्वारा वापस अपने घर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में रामगंगा नहर पटरी मार्ग पर मक्कापुरवा गांव के सामने मजार के पास अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस उसको गम्भीर हालत में शिवली सीएचसी अस्पताल लेकर पहुंची जहां पर मौजूद डॉक्टर अंकिता ने उसको मृत घोषित कर दिया। मजदूर की मौत से उसके परिजनों के बीच कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी ओमवती देवी पुत्र विक्की नाथ,अरुण नाथ,शनि नाथ,खलनायक नाथ एवं पुत्रियों भवानी पूनम शिवानी ज्योति किरन का रो रो कर बुरा हाल था। अपराध निरीक्षक शीलेंद्र सिंह ने बताया कि घटना की सूचना दर्ज कर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

रोती-बिलखतीं परिवार की महिलाएं।

# डंपर की टक्कर से नहर में गिरी कार

संवाददाता, शिवली

- कल्यानपुर क्षेत्र के प्रेमपुर कछार से रसूलाबाद जा रहे थे युवक
- पानी में कार डूबने से तीनों युवक अंदर फंसे, ग्रामीणों ने बचाया

**अमृत विचारः** कोतवाली क्षेत्र के खखरा गांव के सामने मंगलवार की रात राम गंगा नहर मार्ग पर तेज रफ्तार डंपर ने कार में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे कार उछल कर राम गंगा नहर में जा गिरी। इससे हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कार में फंसे लोगों को पानी से सकुशल बाहर निकलवाया। इसके बाद सीएचसी भिजवाया, जहां मौजूद डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी कर घर भेज दिया।

कानपुर नगर जनपद के कल्यानपुर थाना क्षेत्र के प्रेमपुर कछार गांव निवासी शंकर पुत्र कन्हैया लाल मंगलवार की रात गांव के शिवम पुत्र मलखान और शिवम कुमार के साथ क्विड कार पर सवार होकर रिश्तेदारी में रसूलाबाद एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। अभी वह तीनों कार सवार लोग शिवली कोतवाली क्षेत्र के खखरा गांव के सामने पहुंचे थे तभी विपरीत दिशा से चले आ रहे तेज रफ्तार अनियंत्रित डंपर ने उनकी कार में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे कार उछलकर राम गंगा नहर में जा गिरी। इससे अफरा-तफरी मच गई। पानी में कार डूबने से तीनों अंदर ही फंस गए। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी, जिस पर मौके पर पहुंचे चौकी प्रभारी नरेंद्र सिंह ने ग्रामीणों की मदद से कार में फंसे तीनों लोगों को पानी से सकुशल बाहर निकलवाया।

जेसीबी से कार को भी राम गंगा नहर से बाहर निकलवाया गया और घायल कार सवार शिवम, शंकर, शिवम तीनों लोगों उपचार के लिए सीएचसी भिजवाया। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार करने के बाद तीनों लोगों की छुट्टी कर घर भेज दिया। चौकी प्रभारी नरेंद्र सिंह ने बताया डंफर की चपेट में आकर रामगंगा नहर में गिरी कार सवारों को उपचार के बाद सुरक्षित घर भेज दिया गया है। इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि डंपर पुलिस के कब्जे में है। तहरीर मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

डंपर की तेज टक्कर से राम गंगा नहर में गिरी कार। अमृत विचार

होली की उमंग | होली मिलन समारोह में अबीर-गुलाल की फुहार, प्रेम के रंग में डूबे लोग

# आपस में प्यार बढ़ाते होली जैसे त्योहार

संवाददाता, रसूलाबाद

**अमृत विचारः** होली का पर्व प्रेम, एकता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। ऐसे पर्व समाज में भाई-चारा बढ़ाने और लोगों को जोड़ने में सहायक होते हैं। होली का पर्व प्रेम, एकता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है।

यह बात क्षेत्रीय भाजपा विधायक पूनम संखवार ने कानपुर के होली मेला के पश्चात क्षेत्र में आकर अपने कार्यालय व गेस्ट हाउस में आयोजित मिलन समारोह में कहीं। इसके साथ उन्होंने सिसाही क्षेत्र में भी कार्यकर्ताओं से मिलकर यही उद्गार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों का स्नेह, आशीर्वाद और सहयोग ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। जिससे क्षेत्र के विकास कार्य निरंतर आगे बढ़ेंगे। इसके पूर्व उन्होंने शुभ लगन पैलेस में होली मिलन समारोह आयोजित किया। जिसमें क्षेत्र के नागरिक, कार्यकर्ता, महिलाएं, युवा और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी और आपसी प्रेम तथा सौहार्द का संदेश दिया। विधायक ने कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने में क्षेत्र के कार्यकर्ताओं, महिलाओं और युवा साथियों का विशेष योगदान रहा। सभी के सहयोग से यह होली मिलन समारोह सफल रहा। विधायिका ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने उनके प्रेम और सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए सभी के सुख, शांति व समृद्धि और खुशहाली की कामना की। शुभ लगन पैलेस में आयोजित इस कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख किशन द्विवेदी, तिस्ती मंडल अध्यक्ष रंजना द्विवेदी , गौरव सिंह गौर, अटल वाजपेई आदि अनेक लोग शामिल हुए।

होली मिलन समारोह में महिलाओं के साथ विधायक पूनम संखवार। अमृत विचार

# बाल श्रम में लगे बच्चों को स्कूल लाएं

संवाददाता, रसूलाबाद

**अमृत विचारः** आउट ऑफ़ स्कूल बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए पाल नगर स्थित माँ वैष्णों देवी डिग्री कॉलेज में शिक्षकों का तीन दिवसीय शारदा प्रशिक्षण बुधवार को संपन्न हुआ। अंतिम दिन प्रशिक्षकों ने शिक्षकों को इस संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

इस प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर विनीत कुमार मिश्रा ने शिक्षकों से अपील की कि वह अभिभावकों को बाल श्रम के विरुद्ध जागरूक करें। उन्होंने जोर दिया कि बच्चों को काम पर भेजने के बजाय उन्हें विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया जाए। एआरपी सोनू सिंह ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि जो बच्चे किसी कारणवश विद्यालय छोड़ चुके हैं, उन्हें उनकी आयु के अनुसार कक्षा में नामांकित किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि ऐसे बच्चों को उनके शैक्षणिक स्तर के अनुरूप विशेष प्रशिक्षण प्रदान कर पढ़ाई में आगे बढ़ाया जाए जब कि एआरपी पारुल निरंजन ने शिक्षकों से अभिभावकों के साथ नियमित संपर्क स्थापित करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि शिक्षकों को अभिभावकों को शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करना चाहिए और उन्हें अपने बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित करना चाहिए। मास्टर ट्रेनर त्रिलोकचंद्र ने बताया कि बच्चों को वापस स्कूल लाने के लिए उन्हें सरकार द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न सुविधाओं की जानकारी दी जाए। साथ ही, यह सुनिश्चित किया जाए कि वे इन सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

शारदा प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक। अमृत विचार

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 12 मार्च 2026



न्यूज ब्रीफ

## दो भैंसों की अचानक मौत से बैरागपुर में मची दहशत

**छिबरामऊ।** ग्राम पंचायत मिघौली के मजरा बैरागपुर गांव में एक दिन में दो भैंसों की अचानक मौत हो गई, जिससे पशुपालकों में भय और चिंता का माहौल है। सिद्धश्री पत्नी मुकेश कुमार ने बताया कि उन्होंने दो साल पहले 1 लाख रुपये में भैंस खरीदी थी, जो अचानक मर गई। बेटे सुधीश ने बैंक लोन लेकर खरीदा था। कर्ज चुकाने से पहले ही भैंस की मौत ने परिवार की कमर तोड़ दी। इसी तरह ज्ञानदेवी पत्नी वीरेंद्र ने डेढ़ साल पहले 75 हजार रुपये की बचत से भैंस खरीदी थी, उसकी भी जान चली गई। पीड़ित किसानों ने प्रशासन से तत्काल मुआवजे की मांग की है। पशु चिकित्सा विभाग से अपील की है कि जांच टीम भेजकर पोस्टमार्टम कराया जाए और बाकी पशुओं के लिए तुरंत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए।

## महिला से छेड़छाड़ व जानलेवा हमला

**छिबरामऊ।** विशुनगढ़ थाना क्षेत्र के सरदामई गांव में खेत पर काम कर रही एक महिला के साथ छेड़छाड़ और जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। पीड़िता के अनुसार वह खेत में काम कर रही थी, तभी गांव के कुछ लोगों ने वहां पहुंचकर उसके साथ छेड़छाड़ की। जब उसने विरोध किया तो आरोपियों ने पति और बेटे पर लाठी-डंडों तथा धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इस हमले में महिला, उसका पति और पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र सौंपकर आरोपियों के खिलाफ़ सख्त कार्रवाई की गुहार लगाई है।

## कूड़ा हटाने को लेकर मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

**सौरिख।** दरवाजे पर रखा कूड़ा हटाने से मना किया तो दबंगों ने युवक को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पीड़ित के पिता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना क्षेत्र की चौकी भावलपुर के गांव उड़ेलापुर निवासी विश्वनाथ थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि 13 फरवरी की शाम लगभग 6 बजे पड़ोस के ही अतर सिंह पुत्र छोटेलाल, मुवीस देवी पत्नी अतर सिंह ने अपने गोबर का तसला उसके दरवाजे पर रख दिया। उसके पुत्र दीपू उर्फ विजेंद्र ने तसला हटाने के लिए कहा तो उक्त लोग गाली देने लगे। जब गाली देने से मना किया तो लाठी डंडों से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया

## कल आएंगी महिला आयोग की सदस्य

**कन्नौज।** जिला प्रोबेशन अधिकारी महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि महिलाओं के प्रति होने वाले उत्पीड़न की रोकथाम तथा पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से उ.प्र. राज्य महिला आयोग द्वारा जनपद में महिला जन सुनवाई का आयोजन किया जा रहा है। उ.प्र. राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती पुष्पा पांडेय की अध्यक्षता में शुक्रवार 13 मार्च को प्रातः 10:30 बजे सखी वन स्टॉप सेंटर के सभागार, विनोद दीक्षित, मकरंद नगर, कन्नौज में महिला जन सुनवाई एवं समीक्षा बैठक होगी। अपील की कि यदि कोई महिला घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, उत्पीड़न या किसी भी प्रकार से पीड़ित है, तो वह उक्त तिथि व समय पर उपस्थित होकर सदस्य महोदया के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर अपनी समस्या का त्वरित निस्तारण करा सकती है।

# बंद पड़ी सीएनजी बसों को लेकर सपा ने दी आंदोलन की चेतावनी

### तहसील पहुंचकर उपजिलाधिकारी संजीव दीक्षित को सीएम के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा

संवाददाता, बिल्हौर

- सरकार की नीतियों पर किया कड़ा प्रहार
- कहा, बिना किसी ठोस कारण के इन्हें बंद कर दिया

ज्ञापन देते सपा के पदाधिकारी। अमृत विचार

**अमृत विचार।** क्षेत्रीय जनता की परिवहन समस्याओं और बंद पड़ी सीएनजी बसों के संचालन को लेकर बुधवार को समाजवादी पार्टी ने हुंकार भरी। बिल्हौर विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी रचना सिंह गौतम, विधानसभा क्षेत्र के विनय यादव के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने तहसील मुख्यालय पहुंचकर उपजिलाधिकारी संजीव दीक्षित को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा।

सपा नेत्री ने दो टूक शब्दों में प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि जनता की मांगें पूरी नहीं हुईं, तो समाजवादी साथी सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे। ज्ञापन सौंपने के दौरान रचना सिंह गौतम ने वर्तमान सरकार की नीतियों पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा बिल्हौर और आसपास के क्षेत्रों से रोजाना हजारों छात्र, नौजवान और महिलाएं अपने भविष्य को संवारने के लिए कानपुर जाते हैं। इन लोगों के लिए किफायती सीएनजी बसें ही एकमात्र सहारा थीं। सरकार ने बिना किसी ठोस कारण के इन्हें बंद कर दिया है, जो सीधे तौर पर आम जनता की जेब पर डाका डालने जैसा है। सपा के विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष विनय यादव ने उपजिलाधिकारी के समक्ष चार प्रमुख मांगें रखी हैं, जो क्षेत्र के विकास और सुगम यात्रा के लिए अनिवार्य हैं जिसमें कानपुर-बिल्हौर मार्ग पर बंद की गई सीएनजी बसों का तत्काल पुनः संचालन, सीएनजी बस सेवा का दायरा बढ़ाकर उसे कानपुर से अरौल तक किया जाए, अरौल में बंद पड़े बस स्टॉप को सक्रिय कर वहां बसों का ठहराव सुनिश्चित हो, हाईवे बाईपास से निकलने वाली रोडवेज बसों को कस्बे के अंदर से ले जाया जाए।

### 30 दिन का अल्टीमेटम और उग्र आंदोलन की चेतावनी

- समाजवादी पार्टी ने प्रशासन को स्पष्ट संदेश दिया है कि यह ज्ञापन केवल एक शुरुआत है। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि इन मांगों पर 30 दिन के भीतर कोई सकारात्मक कार्यवाही नहीं की गई, तो पार्टी गांधीवादी तरीके से उग्र आंदोलन छेड़ने के लिए विवश होगी।

### इनकी रही उपस्थिति

- इस प्रदर्शन और ज्ञापन के दौरान मुख्य रूप से लोकेश अवस्थी, शशिकांत पाल, राम किशोर पाल, नीलेश यादव, सुनील शर्मा सहित भारी संख्या में क्षेत्रीय जनता और समाजवादी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में सरकार विरोधी नारे लगाए और परिवहन व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की।

## ब्लाक प्रमुख पहाड़ी सहित सात लोगों पर एफआईआर दर्ज

**चित्रकूट।** मूल रूप से गोसाईंपुर बछरन और वर्तमान में शंकर बाजार में रहने वाले एक युवा प्रियांशु मिश्रा ने ब्लाक प्रमुख पहाड़ी सुशील द्विवेदी और कई अज्ञात लोगों पर मारपीट और गालीगलौज कर धमकी देने की तहरीर दी है इस पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रियांशु का कहना है कि वह पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर ब्लाक प्रमुख सुशील द्विवेदी की आय से ज्यादा संपत्ति की जांच की मांग कर रहा है। इसे लेकर सुशील द्विवेदी ने उससे रंजिश मान ली है। आरोप लगाया कि रास्ता रोककर मुंह बांधे छह अज्ञात व्यक्तियों ने उसके पास आकर मारपीट की और गालीगलौज करते हुए धमकाया कि सुशील द्विवेदी की पोस्ट डिलीट कर दो और फेसबुक में माफी मांगों नहीं तो तुम्हें और तुम्हारे परिवार को जान से मार देंगे। कोतवाली में सुशील द्विवेदी और छह अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ दंगा, चोट पहुंचाने, शांति भंग, गंभीर आपराधिक धमकी की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हालांकि ब्लॉक प्रमुख ने आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया है।

बिल्हौर को जिला बनाने की मांग को लेकर ज्ञापन देते हुए। अमृत विचार

## बिल्हौर को जिला बनाने की मांग, दिया ज्ञापन

संवाददाता, बिल्हौर

**अमृत विचार।** बिल्हौर तहसील को जिला बनाने के लिए लंबे समय से अपनी लड़ाई लड़ रहे महान सियाराम कठेरिया ने बुधवार को 329वां राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार दिव्या को सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से बिल्हौर को जिला बनाए जाने की मांग की। साथ ही कहा कि बिल्हौर से लेकर मंधना तक भारी मात्रा में आलू उत्पादन होता है लेकिन यहां कोई भी वेयरहाउस या फैक्ट्री नहीं है। इसके चलते किसानों को भारी नुकसान होता है। इस वर्ष किसानों को लागत के अनुरूप आलू के दाम न मिल पाने पर सरकार से उचित सहयोग की मांग की। बिल्हौर क्षेत्र में राजकीय कन्या महाविद्यालय बनाए जाने के लिए भी मांग करते हुए बताया कि पूरे क्षेत्र में राजकीय कन्या महाविद्यालय नहीं है जिसके चलते छात्र छात्राएं अपनी पढ़ाई भी पूरी नहीं कर पा रहे हैं।

ककवन रोड क्रॉसिंग पर ओवर ब्रिज की भी मांग की। कहा इससे आम जनमानस को जाम की झंझट से निदान दिलाया जा सकता है। इस मौके पर महंत सियाराम कठेरिया के साथ बिल्हौर तहसील के सभी बार एसोसिएशन के लोगों ने भी उनका साथ दिया है।

## शादी के पहले ही युवती ने छोड़ा घर

**बिवांर (हमीरपुर)।** शादी के एक दिन पहले युवती रुपये लेकर प्रेमी के साथ चली गई। पिता ने दो युवकों के खिलाफ थाने में तहरीर दी है।

तहरीर में पिता ने बताया कि पुत्री की शादी छतरपुर जनपद के सचिन पुत्र पप्पू के साथ तय की थी। 12 मार्च को बारात आनी थी। 10 मार्च को मंडप का कार्यक्रम था। बेटी शादी के एक दिन पहले दोपहर करीब 1:30 बजे शौच की बात कह चली गई। गांव के बाहर बाइक लिए मौजूद राठ निवासी अरुण व वीरेंद्र ने फोन कर उसे बुलाया। बेटी 60 हजार रुपये लेकर चली गई। उसके वापस न आने पर परिजनों को चिंता हुई। परिजनों ने चित्रकूट में होने की जानकारी पुलिस को दी है। फिलहाल शादी लटक गई है। थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने बताया कि तहरीर मिली है।युवती की तलाश कर दोनों युवकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

विकास कार्यों का लोकार्पण करतीं ब्लॉक प्रमुख अनुराधा अवस्थी। अमृत विचार

## कल्याणपुर परिसर में जीर्णोद्धार व सुंदरीकरण कार्यों का लोकार्पण

संवाददाता, बिठूर

**अमृत विचार।** विकास खंड कल्याणपुर परिसर में कराए गए जीर्णोद्धार एवं सुंदरीकरण कार्यों का लोकार्पण बुधवार को ब्लॉक प्रमुख अनुराधा अवस्थी द्वारा किया गया।

ब्लॉक प्रमुख अनुराधा अवस्थी ने कहा कि विकास खंड परिसर को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और आकर्षक बनाने के उद्देश्य से जीर्णोद्धार एवं सुंदरीकरण के कार्य कराए गए हैं जिससे यहां आने वाले ग्रामीणों और कर्मचारियों को बेहतर वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस मौके पर वरिष्ठ बीजेपी नेता दिनेश अवस्थी, खंड विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी व क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

## पत्नी के मायके जाने पर युवक ने दी जान

**सुमेरपुर (हमीरपुर)।** पत्नी के नाराज होकर मायके जाने से क्षुब्ध युवक ने घर के अंदर बिजली की केबल से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

ग्राम पंचायत पत्योरा के मजरा शिवरामपुर डेरा निवासी अमित निषाद (26) ने पत्नी के नाराज होकर मायके चले जाने से क्षुब्ध होकर दोपहर में सूना घर पाकर बिजली की केबल से छत के कुंडे में लगे पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पत्नी जूली को मायके से बुलाया गया है। बड़े भाई अनिल निषाद ने पुलिस को सूचना दी है। पत्योरा पुलिस चौकी इंचार्ज निशांत दुबे मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतक अपने पीछे पत्नी जूली, डेढ़ वर्ष की पुत्री आरोही को रोता बिलखता छोड़ गया है।

## यूजीसी के विरोध में किया प्रदर्शन

संवाददाता, राठ (हमीरपर)

**अमृत विचार।** तहसील में बुधवार को सवर्ण समाज के सैकड़ों लोगों ने यूजीसी के विरोध में प्रदर्शन किया। करणी सेना के तत्वावधान में मख्य मार्ग से जुलूस निकाला गया। जिसके बाद तहसील परिसर में उप जिलाधिकारी को राष्टपति के नाम संबोधित एक ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शनकारियों ने यूजीसी का पुतला भी दहन किया।

यूजीसी अधिनियम 2026 को सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए 'घातक' बताया। करणी सेना के पदाधिकारी धर्मेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि यूजीसी अधिनियम 15 जनवरी, 2026 को लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि यह कानून सामान्य वर्ग के छात्रों को शिक्षा से वंचित कर सकता है क्योंकि उन्हें अधिक मेरिट की आवश्यकता होती है, जबकि अन्य वर्ग के छात्र झठी शिकायतें कर सकते हैं। इस मौके पर जगदीश चंचौदिया, अवधेश पाठक, ज्ञानेंद्र परिहार, बबलू मुकेश सिंह परिहार, शिवमंगल सिंह, नरेश, दीपक और विवेक आदि मौजूद रहे।

यूजीसी के विरोध में प्रदर्शन करते करणी सेना के लोग। अमृत विचार

## सांस्कृतिक कार्यक्रम ने लोगों का मन मोहा

**चौबेपुर।** अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बुधवार को क्षेत्र के अमिलिहा गांव स्थित लोहिया कॉर्प लिमिटेड में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस दौरान महिलाओं की उपलब्धियां का सम्मान करने व उनके सशक्तिकरण को बढ़ावा देने पर चर्चा के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित हुए। लोहिया कॉर्प लिमिटेड परिसर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सिटी हेड कानपुर ऑपरेशन वसुधा खेमका ने दीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनने व अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान समाज में महिलाओं की समानता, सुरक्षा, वित्तीय साक्षरता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता के लिए एक नाटिका प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में मौजूद लोहिया कॉर्प लिमिटेड की चीफ पीपल ऑफिसर माधवी गोलाश ने महिला सशक्तिकरण के महत्व पर विचार साझा करते हुए कहा कि संगठन में महिलाओं की भागीदारी व नेतृत्व को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। इससे न केवल कार्यस्थल बल्कि समाज में भी सकारात्मक बदलाव आता है। कार्यक्रम में लोहिया कॉर्प लिमिटेड की शॉप फ्लोर महिला कर्मचारियों द्वारा तैयार किए गए मनोरंजन खेल, विभिन्न गतिविधियों व सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में मौजूद संस्थान की महिला कर्मचारी। अमृत विचार

## कल जारी होगी किसान सम्मान निधि की किस्त

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

**अमृत विचार।** असम के गुवाहाटी में कल यानी शुक्रवार को आयोजित होने वाले "पीएम किसान उत्सव दिवस" कार्यक्रम के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किस्त जारी की जाएगी।

उप कृषि निदेशक संतोष कुमार ने बताया कि कार्यक्रम का वर्चुअल प्रसारण https://pmindiawebcast.nic.in लिंक के माध्यम से किया जाएगा। इस कार्यक्रम को से संचालित करने के लिए विकासखण्ड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर कृषि विभाग तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अलावा प्रगतिशील किसान एवं अन्य किसान हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत स्तर के कार्मिक विभिन्न सरकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करेंगे। ग्राम पंचायत स्तर पर पंचायत भवन में किसान सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें स्थानीय कृषि एवं राजस्व विभाग के कर्मचारी ग्राम प्रधान के सहयोग से प्रगतिशील एवं सम्मानित कृषकों को आमंत्रित कर कार्यक्रम आयोजित करेंगे।


# अमृत विचार

## क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

**सूचना**

मैं संजय कुमार पुत्र श्री देव प्रकाश गुप्ता निवासी–एन–427, केशवपुरम आवास विकास–I कानपुर नगर उ0प्र0–208017, मेरे शैक्षिक दस्तावेजों एवं पासपोर्ट पर मेरा नाम SANJAY KUMAR GUPTA अंकित है जब कि मेरे आधार कार्ड पैन कार्ड, बैंक एवं ड्राईविंग लायसेन्स में SANJAY KUMAR दर्ज है। SANJAY KUMAR एवं SANJAY KUMAR GUPTA दोनो नाम मेरे है। अब मेरा नाम SANJAY KUMAR ही सही एवं सत्य है ।

**सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल वर्ष 1998 अनुक्रमांक 0605885 का अंक पत्र वास्तव में कहीं खो गया है। कु. पुष्पा देवी पुत्री रामदास निवासी ग्राम मुरार नगर , सोम, पोस्ट सण्डीला जिला हरदोई

**सूचना**

मैं NAZNI ALI पत्नी श्री SHAUKAT ALI निवासी–429/87, मो अज्जमनगर, पो0–चौक, जिला–लखनऊ, उ0प्र0, सबको सूचित करती हूँ कि मैंने अपना नाम बदलकर NAJANI कर लिया है, अतः आज से मुझे NAJANI W/O SHAUKAT ALI के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाये।

**सूचना**

मैने अपना नाम RESHMA KHATOON से बदलकर RESHMA BANO रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-KHATEEB AHMAD ADD-VILL/POST-ANWARI DIST-BARABANKI-225302 (U.P.)

**सूचना**

मैं इन्द्र प्रकाश पुत्र बच्चाराम निवासी मोहल्ला–मीरानपुर, थाना–को0 अकबरपुर, तहसील–अकबरपुर, जनपद– अम्बेडकरनगर उ0प्र0 आधार नं0–5914 8342 5942, मेरा पुत्र अभिषेक सोनी (आधार नं0–2235 4786 4943) मेरे कहने में नहीं है और मेरा घर छोड़कर कई दिनों से लापता है। अभिषेक सोनी द्वारा कोई भी नैतिक – अनैतिक कार्य किया जाता है तो उसकी सारी जिम्मेदारी स्वयं की होगी। मैं अपनी सम्पत्ति से अपने पुत्र अभिषेक सोनी को बेदखल करता हूँ और मेरी सम्पत्ति में अभिषेक सोनी का कोई अंश नहीं होगा।

**सूचना**

यह कि मेरा साजिशन वैवाहिक अनुबंध ग्राम बजरंगपुर मजरे बंडई तहसील लालगंज जिला रायबरेली की रिंकी पुत्री रमेश कुमार के साथ हुआ था। लेकिन रिंकी कभी भी उसके संपर्क में नहीं आई। अतएव मैने जरिये डाक से नोटिस भेज कर 15 दिन के अंदर रिंकी से उक्त संबंध में स्पष्टीकरण मांगा है। अन्यथा वैवाहिक संबंध विच्छेद माना जाएगा। मैं/अंकित प्रसाद पुत्र रामचंद्र निवासी ग्राम बरभन खेड़ा खीरो तहसील लालगंज जिला रायबरेली।

**सूचना**

मैं रजनीश कुमार पाण्डेय पुत्र श्री प्रभु प्रकाश निवासी–ग्राम, पोस्ट व तहसील सवायजपुर जनपद हरदोई, मेरे पुत्र का नाम विट्ठल पाण्डेय पुत्र रजनीश कुमार पाण्डेय है जिसकी जन्मतिथि 23.07.2019 है। अब मेरे पुत्र विट्ठल पाण्डेय पुत्र रजनीश कुमार पाण्डेय को 11 मार्च 2026 से अव्यांश पाण्डेय पुत्र श्री रजनीश कुमार पाण्डेय के नाम से जाना व पहचाना जायेगा।

**सूचना**

मैं अपने पुत्र शहजाद पुत्र जैनुल आब्दीन तथा बहू आयशा पत्नी शहजाद को गलत चाल चलन के कारण अपनी चल अचल संपत्ति व संबंधों से बेदखल करती हूं। भविष्य में इनके द्वारा किए गए कृत्यों से मेरा कोई लेना–देना नहीं होगा। तसब्बर जहां पत्नी जैनुल आब्दीन ग्राम सिसहना, मशमूले जानकी नगर,पोस्ट गोदहना,थाना गौरा चौराहा जनपद बलरामपुर

**सूचना**

मैं नफीसा पत्नी अबरार हसन निवासिनी–गढ़ी मोहल्ला, ग्राम व पोस्ट बिजनौर, जिला लखनऊ, उ0प्र0, मेरा सही नाम नफीसा (NAFEESA) है। जबकि आधार कार्ड व पैन कार्ड बनवाते समय गलती से नफीसा (NAFEESA) के स्थान पर नफीसन (NAFISAN) अंकित हो गया है। जो कि गलत है। मैं अपना नाम नफीसन (NAFISAN) के स्थान पर नफीसा (NAFEESA) करवाना चाहती हूँ। जो कि सत्य व सही है। अतः मेरा नाम जहाँ–जहाँ पर नफीसन (NAFISAN) है उसके स्थान पर नफीसा (NAFEESA) पढ़ा व समझा जाएं।


खेल के मैदान से

नौ मार्च से 11 तक चली प्रतियोगिता में झटके 7 स्वर्ण, 6 रजत, 4 कांस्य पदक

# राज्यस्तरीय जूडो प्रतियोगिता में कन्नौज को 17 पदक

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

**अमृत विचार।** 36वीं राज्य स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता के तहत जूडो में कन्नौज के होनहारों ने सात स्वर्ण पदकों समेत कुल 17 पदक झटककर जनपद का मान बढ़ाया।

राजीव कुमार शुक्ल, जिला व्यायाम शिक्षक ने बताया कि डॉ. भीमराव अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम अयोध्या में 9 से 11 मार्च तक चली प्रतियोगिता में जनपद कन्नौज ने कानपुर मंडल का नेतृत्व किया। इसमें उच्च प्राथमिक विद्यालय तहसीपुर की टीम से बालिका वर्ग में 18 से 20 किलोग्राम भार में सना, 24 से 26 किग्रा भार वर्ग में हुमैरा, 29 से 32 किग्रा भार वर्ग में काजल और 35 से 38 किग्रा भार वर्ग में अवंतिका ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए। 22-24 किग्रा भार वर्ग में सानू, 26-29 किग्रा भार वर्ग में अलका, 32-35 किग्रा भार वर्ग में ज्योति ने रजत पदक प्राप्त किए। इसी तरह 38 + किग्रा भार वर्ग में अंशिका ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

मेडल के साथ विजेता छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

**36** वीं राज्य स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता

उन्होंने बताया कि बालक वर्ग में 18-21 किग्रा भार वर्ग में गोपाल, 21-32 किग्रा भार वर्ग में अमन, 41 + किलोग्राम भार वर्ग में शोभित ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए। 21 से 23 किग्रा भार वर्ग में प्रांशु, 32-35 किग्रा भार वर्ग में अर्जुन, 35-38 किलोग्राम भार वर्ग में शिवा ने रजत पदक प्राप्त किए। 25 से 27 किलोग्राम भार वर्ग में अर्पित ने कांस्य पदक, 27 से 29 किलोग्राम भार वर्ग में रौनक ने कांस्य पदक प्राप्त किया। जूडो प्रतियोगिता में 40 से 44 किलोग्राम भार वर्ग में शोभित ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

इस प्रकार जनपद ने 7 स्वर्ण पदक, 6 रजत पदक, 4 कांस्य पदक सहित कुल 17 पदक प्राप्त कर कानपुर मंडल व जनपद कन्नौज का नाम राज्य में रोशन किया। पिछले वर्ष केवल 1 स्वर्ण, 4 रजत सहित कुल 05 पदक प्राप्त हुए थे।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार ने विजेता छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं। कहा कि सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही मार्गदर्शक शिक्षकों को भी सम्मानित किया जाएगा। श्रद्धा चौहान जिला व्यायाम शिक्षिका, रजनीश कुमार ब्लॉक व्यायाम शिक्षक, श्याम बाबू ब्लॉक व्यायाम शिक्षक, विपिन देव, शैलेन्द्र राणा अनुदेशक उपस्थित रहे।

## सड़क हादसा तीन की मौत

**कन्नौज।** मंगलवार की देर रात सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव इनायतपुर निवासी अरवाज अली (18) पुत्र जुल्फिकार अली व अब्दुल अहत (13) पुत्र मोहम्मद खुदूस एक ही बाइक पर सवार होकर गांव से गुरसहायगंज की ओर जा रहे थे। दूसरी बाइक से अमित सिंह (36) पुत्र कश्मीर सिंह निवासी छिबरामऊ अपनी बाइक से घर जा रहा था। जैसे ही दोनों बाइकें गोवर्धनी तिराहे के निकट पहुंची उसी समय कोल्ड स्टोरेज में आलू डाल कर लौट रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर चालक राजू ने दोनों बाइकों में टक्कर मार दी। इससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं ट्रैक्टर चालक राजू गंभीर रुप से घायल हो गया।

# अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, गुरुवार, 12 मार्च 2026


## सुविचार

हमारे कार्यों का परिमाण मायने नहीं रखता, बल्कि उनमें निहित प्रेम की मात्रा मायने रखती है।

- मदर टेरेसा

## कानपुर के प्रमुख समाचार


- गले में फंदा लगा पहली मंजिल से कूदा बुजुर्ग-II
- ट्रांसगंगा पुल पर खर्च होंगे 293 करोड़-III
- आईआईटी में कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम -IV



**अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.**

•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

**इफ्तार**
गुरुवार शाम
सुन्नी: 6:19
शिया: 6:28

**सहरी**
शुक्रवार सुबह
सुन्नी: 4:58
शिया: 4:51

पैग़म्बर मोहम्मद साहब ने फ़रमाया : जब तुम में से कोई रोजा इफ्तार कराए तो खजूर या छुहारे से इफ्तार कराए क्योंकि वह पाक करने वाला है।

### सिलेंडर मिलने में समस्या हो तो कॉल सेंटर को बताएं

- अपर जिलाधिकारी (सिविल सप्लाई) राजेश कुमार ने बताया कि एलपीजी गैस आपूर्ति से संबंधित समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए एक कॉल सेंटर स्थापित किया गया है। परेशान लोग फोन नंबर 0512-2988763 या 6394616122 व्हाट्सएप पर न सिर्फ एलपीजी आपूर्ति से जुड़ी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं, बल्कि कालाबाजारी से संबंधित सूचनाएं भी उपलब्ध करा सकते हैं। सभी शिकायतों एवं सूचनाओं पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

### 24 घंटे खुली रहेगी हेल्पलाइन

- पूर्ति निरीक्षकों से संपर्क करें

**नाम व मोबाइल**

**प्रात: 7 से 3 बजे तक ड्यूटी**

- राजेंद्र रंजन 9956471749
- सुधा सिंह 9415475572
- मोनिका यादव 8737062811

**दोपहर 3 बजे से रात 11 बजे तक**

- सचिन श्रीवास्तव 7499728292
- आशुतोष अवस्थी 8318899106

**रात 11 बजे से प्रात: 7 बजे तक**

- राकेश मौर्या 9140832585
- गिरजेश कुमार सोनी 6387573824

## किल्लत की बात फैलने से गैस एजेंसियों लगीं लंबी लाइनें, मारामारी व कालाबाजारी तेज

# अफवाह से शहर में छिड़ा सिलेंडर 'युद्ध'

कानपुर। रसोई ठंडी होने की चिंता और गैस संकट गहराने की अफवाह ने बुधवार को लोगों को एजेंसियों और गोदामों के बाहर लंबी लाइनों में लगने के लिए मजबूर कर दिया। सिलेंडर की ऑनलाइन बुकिंग में दिक्कत, सर्वर डाउन और 25 दिन बाद ही गैस बुक होने की खबरों ने ऐसी परेशानी बढ़ाई कि पूरे शहर हालात 'पैनिक' होते नजर आए। कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति लगभग ठप होने से बड़ी संख्या में छोटे होटल, रेस्टोरेंट, स्ट्रीट फूड वेंडर और चाय-पान की दुकानें बंद होने या कारोबार सीमित करने के माहौल के बीच तमाम लोग हीटर और इलेक्ट्रिक इंडक्शन खरीदने दौड़ पड़े। गृहणियों का दर्द गैस की कीमतें बढ़ने से और बढ़ गया। कई जगह सिलेंडर ब्लैक में बेचे जाते रहे। एजेंसी वाले मनमानी कर रहे हैं।

## घरेलू सिलेंडर का भी हाहाकार, लगीं लाइनें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध के असर की आंच बुधवार को शहर में चारों तरफ नजर आई। गैस सिलेंडर संकट की अफवाह के चलते सुबह से ही लोग सिलेंडर लेकर एजेंसियों और गोदामों के बाहर पहुंच गए। कई जगह तो मारपीट की नौबत बन गई। नजीराबाद थाना क्षेत्र में जेके मंदिर के पीछे वाली सड़क पर स्थित गैस एजेंसी में सुबह 6 बजे से ही सिलेंडर लेने के लिए लाइन लग गई। एजेंसी पर कई घंटे लाइन में लगकर पर्ची बनवाने के बाद थोड़ी दूर पर सिलेंडर की डिलीवरी लेने के लिए लोगों फिर से लाइन में लगना पड़ा। कुछ ऐसा ही हाल शहर की अन्य गैस एजेंसियों में भी रहा। रमजान, शादी सहालग के चलते लोग सिलेंडर के लिए ज्यादा परेशान नजर आए। साउथ में चंदेल गैस एजेंसी गुजैनी में भी लंबी लाइन लगी रही ।।।।

### दादी आज खाना बनेगा कि नहीं....!

- **कानपुर।** शास्त्री नगर में एक चौराहे पर अपनी बूढ़ी दादी के आंखों से बहते आंसुओं को देखते सड़क पर पन्नी से ढके छोटे खाली सिलेंडर को ताकता 12/13 वर्षीय का बालक बोला-दादी आज खाना बनेगा कि नहीं, बूढ़ी दादी ने एक कोने में खड़े होकर सुबकते-सुबकते बताया कि भैय्या सुबह से जिसने जहां बताया उन 7 जगहों तक हो आयी, जहां-जहां इस छोटे घरेलू सिलेंडर में गैस मिल जाती है लेकिन आज सबने मना कर दिया। किराये के घर में एक बत्ती और एक पंखे का 450 रुपया महीना मकान मालिक लेता है और हीटर जलाने नहीं देता। कमरे में कोयला और लकड़ी का चूल्हा भी नहीं जला सकते। क्या करें, कैसे भूख मिटाएं।

चंदेल गैस एजेंसी गुजैनी में लगी रही उपभोक्ताओं की लाइन। अमृत विचार

मार्बल मार्केट भारत गैस विजया गैस एजेंसी में लगी लाइन। अमृत विचार

### गैस की कमी नहीं, परेशान होने की जरूरत नहीं: डीएम

- जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि गैस की कमी नहीं है। अफवाहों पर ध्यान न दें। बिना वजह एजेंसियों पर भीड़ न लगाएं। गैस सिलेंडर समय से मिलेगा। जो अफवाह फैलाएंगे उनके विरुद्ध कार्रवाई होगी। कालाबाजारी करने वालों पर भी कार्रवाई की जाएगी। यदि कोई गैस सिलेंडर की कालाबाजारी कर रहा हो तो इसकी शिकायत हेल्पलाइन नंबरों पर करें। दोषी पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने गैस एजेंसी संचालकों से भी कहा है कि बिना वजह उपभोक्ताओं को परेशान न करें।

### बड़ी मुश्किल में फंसे हलवाई और कैटरर्स

- इस समय शादी सहालग भी चल रही हैं, ऐसे में अचानक कामर्शियल गैस सिलेंडर का आपूर्ति बंद होने से हलवाइयों और कैटरिंग का व्यवसाय करने वाले मुश्किल में फंस गए हैं। ऐसे में पार्टी में लाइव आइटम हटाए जा रहे हैं, मेन्यू में बदलाव के साथ मेहमानों की संख्या कम करने पर भी विचार चल रहा है।

## ग्वालटोली-फेथफुलगंज में छापा, 49 सिलेंडर बरामद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** गैस सिलेंडर की कालाबाजारी करने वाले गैंग सक्रिय हो गये हैं। बुधवार को अधिकारियों की टीम ने दो स्थानों पर अवैध गोदामों पर छापेमारी के बाद दो लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। रिफिलिंग का धंधा भी जोरों पर चल पड़ा है।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर बुधवार को सिलेंडरों की कालाबाजारी और अवैध रिफिलिंग के विरुद्ध छापेमारी में कुल 49 एलपीजी सिलेंडर, रिफिलिंग उपकरण और इलेक्ट्रॉनिक कांटा बरामद किया गया। दोनों मामलों में आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कराया गया है। ग्वालटोली क्षेत्र में इकबाल के आवास पर छापेमारी की गई। मौके से घरेलू और कामर्शियल श्रेणी के कुल 46 सिलेंडर, छह रिफिलर तथा एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा बरामद किया गया। जांच में गैस सिलेंडरों की अवैध रिफिलिंग पाए जाने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कराया गया। इसी प्रकार फेथफुलगंज में पानी टंकी के पास इमरान नामक व्यक्ति की दुकान की जांच में तीन एलपीजी सिलेंडर (दो खाली और एक भरा), रिफिलिंग उपकरण तथा नोजल बरामद हुए। इस मामले में भी आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत कार्रवाई की गई।

**समस्या** | होटल-रेस्टोरेंट, मिठाई कारोबार संकट में, डीएम से मिले व्यापारी, कहा महासंकट से बचाएं

## होटलों में चूल्हा रोया-ऑर्डर भये उदास, साहब! सिलेंडर नहीं मेरे पास

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** होटल, रेस्टोरेंट, नमकीन एवं मिठाई व्यवसाय पर गैस संकट भारी पड़ रहा है। होटल-रेस्त्रां के चूल्हे रो रहे हैं और आर्डर घटते जा रहे हैं। गैस संकट से होटल, रेस्टोरेंट, मिठाई व नमकीन की दुकानें बंद होने से बेरोजगारी बढ़ेगी और लोग अपने गांव पलायन करने को मजबूर होंगे। यह बात बुधवार को भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र के नेतृत्व में व्यापार मंडल, होटल, गेस्ट हाउस एवं रेस्टोरेंट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह से मिलकर ज्ञापन सौंपते हुए कही।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अमेरिका-ईरान युद्ध की खबरों के बीच शहर में घरेलू के साथ-साथ कॉमर्शियल गैस सिलिंडरों की उपलब्धता में गंभीर कमी उत्पन्न हो गई है।

इससे रेस्टोरेंट, नमकीन एवं मिठाई व्यवसाय के साथ-साथ उन सभी व्यवसायों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, जो कॉमर्शियल गैस सिलिंडरों पर निर्भर हैं। यदि स्थिति शीघ्र सामान्य नहीं हुई तो इन व्यवसायों के पूर्ण रूप से बंद होने की आशंका है। जिलाधिकारी ने कामर्शियल एवं घरेलू सिलेंडर की समस्या नहीं होने देने का आश्वासन दिया।

**वितरण कंपनियों और एजेंसियों को निर्देश दें:** भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल तथा कानपुर होटल स्वीट्स रेस्टोरेंट व गेस्ट हाउस एसोसिएशन के महामंत्री राजकुमार भगतानी व कानपुर होटल स्वीट्स रेस्टोरेंट्स एंड गेस्ट हाउस एसोसिएशन के अध्यक्ष सुखबीर मलिक, कार्यवाहक अध्यक्ष श्याम मूलचंदानी ने कहा कि महानगर में गैस वितरण कंपनियों एवं एजेंसियों को निर्देशित कर कॉमर्शियल गैस सिलिंडरों की आपूर्ति एवं वितरण प्रणाली को शीघ्र सुचारु किया जाए ताकि रेस्टोरेंट्स ,मिठाई व अन्य खाद्य व्यवसायों को राहत मिल सके और व्यापारिक गतिविधियां बाधित न हों।

प्रतिनिधिमंडल में आशीष मिश्र, केके गुप्ता, अब्दुल वहीद, इखलाक मिर्जा, जितेन्द्र सिंह, अनुराग साहू ,अनुज त्रिपाठी, आलोक वाजपेयी ,भोला मिश्रा, इंदरजीत सिंह, हर्ष भटिया, सुरेंद्र जायसवाल ,अर्पित यादव ,ओमजी शुक्ल शामिल रहे।

जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते व्यापारी। अमृत विचार

कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति पर लगाई गई रोक से 35 प्रतिशत दुकानें बंद हो गई हैं। ठेले खोमचे वालो ने अपना व्यापार समेटना शुरू कर दिया है। सैकड़ों दुकानें बंद होने की स्थिति में हैं। कॉमर्शियल सिलेंडर नहीं मिलने से परेशान कैटरर्स लकड़ी की भट्टी और कोयले पर खाना बनाने की रणनीति बना रहे हैं।

-मदन लाल भाटिया, पूर्व पार्षद एवं व्यवसायी कृष्णा नगर

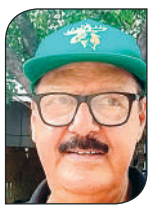

गेस्ट हाउसों में कैटरिंग करने वाले परेशान हैं। लकड़ी की भट्टी का इंतजाम कर रहे हैं। पार्टी में लाइव काउंटर लगाने से मना कर दिया है। कई गेस्ट हाउस संचालकों ने मेहमानों की संख्या में कमी करने का अनुरोध किया है। सहालग के मौसम में सिलेंडर न मिलने से बहुत बड़ी समस्या खड़ी हो गई। बुकिंग करा चुके लोग परेशान हाल घूम रहे हैं।

-सुखबीर मलिक, गेस्ट हाउस संचालक

गैस की आपूर्ति कहीं बाधित नहीं है, हर जगह सिलेंडर मिल रहे हैं, गैस लेने वालों की थोड़ी बहुत भीड़ देखी जा रही है, जिसे गैस एजेंसी संचालकों की तरफ से दुरुस्त किया जा रहा है। जल्द ही समस्या का निदान होगा। पूरे देश की समस्या है, जिसका समाधान निकाला जा रहा है।

भारतीस मिश्रा, महामंत्री, एलपीजी वितरक संघ

### सीयूजीएल ने कहा गैस की कमी नहीं

सीयूजीएल की ओर से कहा गया है कि शहर के औद्योगिक क्षेत्रों में 50 से 55 हजार किलो गैस प्रतिदिन की खपत है, जो कुल खपत का 50 प्रतिशत है। फिलहाल तीन दिन तक गैस की कमी नहीं है, आपूर्ति निर्बाध है। फूड सेक्टर, पैकेजिंग सेक्टर, प्लास्टिक सेक्टर में गैस का प्रयोग होता है।

## बोले लोग

कामर्शियल सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं। ऐसे में चाय, पकौड़ी की दुकानों पर घरेलू गैस सिलेंडर इस्तेमाल हो रहे हैं। प्रशासन ऐसी दुकानों पर छापेमारी कर घरेलू सिलेंडर का उपयोग रोके। कालाबाजारी रोकने की जरूरत है।

– जसप्रीत सिंह वाधवा, मानवाधिकार कार्यकर्ता

हर चीज पहले से ही महंगी है, ऊपर से गैस के दाम बढ़ने से परेशानी और बढ़ गई है। पहले 21 दिन में गैस बुक हो जाती थी अब 25 दिन में भी नहीं हो रही है। गैस सिलेंडर की बुकिंग आसानी से हो जाए तो एजेंसी पर लोगों की भीड़ नहीं लगेगी।

-गायत्री, गृहणी

घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ने से मन में गैस की किल्लत का भय समा गया है। किल्लत न हो इसके लिए कालाबाजारी रोकने की जरूरत है। साथ ही जिनकी गैस पहले से बुक है उन्हें समय से मिले यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

- ममता, गृहणी

गैस महंगी होने से घर का खर्च बढ़ गया है। ऊपर से गैस मिलने में दिक्कत आ रही है। अगर पर्याप्त गैस है तो फिर अफवाहों पर लगाम लगाई जाए और समय से आपूर्ति भी सुनिश्चित की जाए ताकि लाइन न लगाना पड़े।

- नेहा तिवारी, साकेत नगर

गैस सिलेंडर के लिए एजेंसियों पर लाइन न लगे इसके लिए जरूरी है कि जिनके सिलेंडर बुक हैं उन्हें तत्काल उपलब्ध कराया जाए। साथ ही जो केवाईसी कराने के लिए कहा जा रहा है इसे भी रोका जाए। एजेंसी संचालक सबसे इसके लिए कह रहे हैं।

-रीमा, सिविल लाइंस

गैस की कीमत बढ़ने से आम लोगों पर सीधा असर पड़ता है। कीमत बढ़ने के बाद ही लगा कि गैस की किल्लत हो सकती है। दूसरे बुकिंग की ऑनलाइन व्यवस्था भी सुचारु रूप से नहीं चल रही है। यही वजह है कि लोगों की भीड़ एजेंसी पर बढ़ी है।

– राजीव मल्होत्रा

गैस के दाम न बढ़े होते तो इतना पैनिक न होता। कीमत बढ़ने के बाद ही यह लगा कि गैस की किल्लत हो सकती है। इसलिए भी अफवाह फैली है। जरूरत है कि सप्लाई चेन ठीक करने की। समय से घर तक गैस पहुंचने लगे और बुकिंग हो तो भीड़ नहीं लगेगी।

- किरन मिश्रा, गृहिणी

गैस की किल्लत है या नहीं यह तो नहीं पता लेकिन बुकिंग में दिक्कत आ रही है यह सही है। बुकिंग प्रणाली और सप्लाई चेन बेहतर होगी तो लोगों में अफरातफरी का माहौल नहीं होगा। प्रशासन को चाहिए कि इस व्यवस्था को दुरुस्त करे।

- सोनी द्विवेदी, बर्रा

मेरे पास एक ही घरेलू सिलेंडर है जो कब साथ छोड़ जाए कुछ पता नहीं। अभी तक तो सिलेंडर बहुत आसानी से मिल जाता था। अब एकाएक यह समस्या विकराल संकट के रूप में सुरसा के मुंह खोले जैसी खड़ी हो गयी। क्या करें समझ नहीं आ रहा।

केके सिंह, मुन्ना, शास्त्री नगर

कामर्शियल सिलेंडर बंद होने से गेस्ट हाउस संचालकों के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गयी है। 15 मार्च तक शादी की सहालग है। शादी, बारात के दौरान गेस्ट हाउस में खाना गर्म रखने के लिए बनाये जाने वाले लाइव काउंटर बनाने में बहुत दिक्कत पेश आ रही है। कोयला भी बाजार में महंगा हो गया है।

-दीप सिंह, गेस्ट हाउस संचालक

## सिटी ब्रीफ

### दहेज उत्पीड़न में ससुरालियों पर रिपोर्ट

**कानपुर।** नौबस्ता में दो महिलाओं ने ससुरालियों पर दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। मछरिया रोड निवासी शिवानी मिश्रा ने बताया कि 17 अप्रैल 2022 को अभिलेष मिश्रा से उनका विवाह हुआ था। शादी के कुछ दिन बाद ससुराल पक्ष तीन लाख रुपये व कार की मांग कर प्रताड़ित करने लगे। मामले में पुलिस ने पति अभिलेष, सास मीरा, ससुर सुभाष व देवर उत्कर्ष के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वहीं गोपाल नगर निवासी आस्था विश्वकर्मा उर्फ शुभी ने आरोप लगाया कि तीन दिसंबर 2024 को नागपुर निवासी वीरेंद्र से विवाह के बाद ससुराल पक्ष दो लाख रुपये और चार पहिया वाहन की मांग को लेकर मारपीट करता है। पुलिस ने पति, ससुर, सास लता, जेठ देवेंद्र व जिठानी नम्रता के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

### नौबस्ता पुलिस ने चार जुआरी पकड़े

**कानपुर।** नौबस्ता में पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे चार जुआरियों को गिरफ्तार किया है। यशोदा नगर स्थित पेट्रोल लाइन सब्जी मंडी के पास पुलिस ने दबिश देकर आरोपियों को पकड़ा। मौके से 930 रुपये मालफड़ और 52 ताश के पत्ते बरामद हुए।

### नवविवाहिता का शव बेड पर मिला

**कानपुर।** पनकी में महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। पति ने बेड पर महिला का शव पड़ा देखा तो पुलिस व ससुरालियों जानकारी दी। मायकेवालों ने पति पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। मृतका पहले भी ब्लेड से कलाई काट चुकी थी। पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने जांच-पड़ताल कर शव पोस्टमार्टम भेजा है। गंगागंज के महावीरपुरम कालोनी निवासी मो. अकबर प्राइवेट नौकरी करते हैं। अकबर के अनुसार एक साल साल पहले 22 वर्षीय बेटी मुमताहा की शादी गंगागंज हरि कालोनी निवासी शोएब खान से की थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही शोएब बेटी के साथ मारपीट करने लगा था। बेटी परेशान होकर कल्याणपुर के एक होटल में नौकरी करने लगी थी। उसके बाद भी शोएब की हरकतों में सुधार नहीं आया। बेटी फोन करके आपबीती बताती थी। बुधवार को बेटी रोज कि तरह ड्यूटी जा रही थी। तभी किसी बात को लेकर शोएब से उसका झगड़ा हो गया। शोएब ने उसे नौकरी पर नहीं जाने दिया। वहीं पति के अनुसार मुमताहा मानसिक रूप से परेशान थी। किसी काम से वह बाहर गया, तभी पत्नी ने दरवाजा बंदकर फांसी लगा ली। दुपट्टा फट जाने से वह फंदे से बेड पर गिर गई।

### बुढ़ापे में कौन करेगा देख-रेख, इसी चिंता में रहते थे, एयरफोर्स में सीनियर सुपरिटेंडेंट के पद से सेवानिवृत्त थे

# पत्नी-न बच्चे, गले में फंदा बांध पहली मंजिल से कूदा बुजुर्ग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** न पत्नी न बच्चे। बुढ़ापे में कौन सहारा बनेगा, इसी चिंता में एयरफोर्स से सेवानिवृत्त बुजुर्ग ने गले में फंदा लगाया फिर रस्सी का दूसरा सिरा रेलिंग में बांध दिया और पहली मंजिल से छलांग लगा दी। गले में फंदा कसने से तुरंत मौत हो गई। पहली मंजिल से शव लटका देख परिवार के लोगों में कोहराम मच गया। मोहल्ले वालों की भीड़ एकत्र हो गई। रस्सी काटकर शव नीचे उतारा गया। पुलिस ने जांच-पड़ताल कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सुसाइड नोट में स्वेच्छा से आत्महत्या करने व देहदान की बात लिखी है।

किदवईनगर के वाई-ब्लाक निवासी 82 वर्षीय सुभाष चंद्र कनौडिया एयरफोर्स से स्टोर सीनियर सुपरिटेंडेंट के पद से सेवानिवृत्त थे। परिवार में भाइयों के बच्चे हैं। भतीजे सुधीर कुमार ने बताया कि सुभाष की शादी हुई थी, लेकिन कुछ दिन बाद ही तलाक हो

सुभाष चंद्र कनौडिया।

घटना की जानकारी देता भतीजा सुधीर। अमृत विचार

- लिखा, सुसाइड कर रहा हूं, परिजनों को परेशान कर किया जाए

गया था। वह परिवार में अकेले थे और मकान की पहली मंजिल पर रहते थे। देखरेख भाइयों के बच्चे ही करते थे। सुधीर के अनुसार उनके बड़े भाई सुनील की बेटी पलक रतनलालनगर स्थित एक स्कूल में शिक्षिका है। बुधवार सुबह साढ़े छह बजे के बाद जब वह स्कूल के लिए निकली तो बाबा का शव पहली मंजिल की रेलिंग से लटका देखकर चीख पड़ी। शोर सुनकर परिवार के साथ मोहल्ले के लोग एकत्र हो गए। रस्सी काटकर उन्हें नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक शरीर ठंडा पड़ चुका था। सूचना पर पुलिस ने जांच-पड़ताल की। कमरे से सुसाइड नोट बरामद कर शव पोस्टमार्टम भेजा गया। सुधीर के अनुसार चाचा अक्सर एक ही बात पर परेशान रहते थे, कि उठने-बैठने पर लाचार होने पर उनकी सेवा करने वाला कोई नहीं है। पत्नी व बच्चे नहीं है। उनका ध्यान कौन रखेगा। इस पर उन्हें देखरेख का भरोसा दिलाया जाता था, लेकिन इसी तनाव में उन्होंने यह कदम उठाया है।

### सुबह नित्यक्रिया के बाद उठाया कदम

- सुधीर के अनुसार रात में उनके साथ भाई का बेटा लेटा था, उससे एक घंटे तक बाते की थीं। सुबह करीब पांच बजे उठने पर नित्यक्रिया के बाद कमरे में जाकर बैठ गए। उसके बाद जब परिवार के अन्य लोग स्नान आदि के लिए बाथरूम में गए, इसी बीच मौका पाकर उन्होंने रेलिंग से रस्सी बांधकर छलांग लगाई। क्योंकि दस मिनट के अंतराल पर ही पलक स्कूल के लिए निकली है और उन्हें लटका देखा।

### परिजनों को परेशान न करें

- चौकी प्रभारी बसंत विहार नितिन सिंह ने बताया कि बरामद सुसाइड नोट में सुभाष ने लिखा है कि वह स्वेच्छा से आत्महत्या कर रहे हैं। इसके लिए परिजनों को परेशान न किया जाए। वह पोस्टमार्टम नहीं चाहते हैं, क्योंकि देहदान कर चुके हैं।

### दरोगा भर्ती की तैयारी कर रहे युवक ने दी जान

- **कानपुर।** गोविंदनगर में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवक ने बुधवार सुबह फंदे से लटककर जान दे दी। काफी देर कमरे से बेटा बाहर नहीं निकला तो मां उसे देखने पहुंची। शव फंदे से लटका देखकर चीख पड़ी। शोर-शराबा होने पर पहुंचे पड़ोसियों ने युवक को फंदे से उतारा, तब तक सांसे थम चुकी थीं। सूचना पर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम भेजा। गुजैनी निवासी स्व. संतोष शुक्ला का 22 वर्षीय बेटा वैभव दरोगा भर्ती की तैयारी कर रहा था। परिवार में मां रानी व बड़ा भाई अभिषेक हैं। बड़ा भाई बाहर रहकर नौकरी करता है, जबकि वैभव मां के साथ रहता था। परिजनों ने बताया कि वैभव मंगलवार देर रात तक मोबाइल चला रहा था। मां ने उसे सोने की बात कहकर खुद दूसरे कमरे में जाकर सो गई। जब सुबह उठीं तो भी बेटे को देखा। इसके बाद घर के काम में व्यस्त हो गई, इसी बीच उसने कमरे में गले में फंदा कस लिया। कुछ देर बाद मां ने देखा तो चींख पड़ी। शोर होने पर पहुंचे पड़ोसियों ने फंदा काटकर शव नीचे उतारा। लेकिन तब तक उसकी सांसे थम चुकी थीं। परिजनों के अनुसार वैभव ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी वजह स्पष्ट नहीं है।

# महिला फंदे पर लटकी पति जहर खाकर गंभीर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- घरेलू कलह में दंपती ने उठाया कदम, मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाया

**अमृत विचार।** सेनपश्चिम पारा में पति से विवाद के बाद महिला ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पत्नी को फंदे पर लटका देख पति ने भी जहरीला पदार्थ खा लिया। उसे उल्टियां होने लगीं। परिजनों का शोर सुनकर पहुंचे पड़ोसियों ने पुलिस व परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने युवक को हैलट में भर्ती कराया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी है। महिला के परिजनों ने पति व ससुरालियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है।

मूलरूप से हमीरपुर में पोस्टमार्टम हाउस के पास रहने वाले किशन निषाद गोपालनगर में किराए पर रहते हैं। छह साल पहले जालौन के कदौरा इकौना निवासी गंगा निषाद की 25 वर्षीय बेटी प्रिंशी से उसकी शादी हुई थी। जिससे दो बेटियां काव्या व लवी हैं। परिजनों ने बताया कि दंपती में आएदिन विवाद होता था। जिसे लेकर गंगा निषाद ने दामाद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मंगलवार देर शाम दंपती के बीच कलह हुई और प्रिंशी ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पत्नी को फंदे से लटका देखकर किशन ने भी जहरीला पदार्थ खा लिया। उसकी हालत बिगड़ने पर

प्रिंशी। (फाइल फोटो)

बेटियां रोने लगीं। आवाज सुनकर पड़ोसी पहुंचे और पुलिस के साथ परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके साथ ही युवक को हैलट में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी है। जानकारी पाकर दोनों के परिजन पहुंचे। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे प्रिंशी के पिता ने पति व ससुरालियों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पैनल व वीडियोग्राफी से हुए पोस्टमार्टम में महिला के हैंगिंग की पुष्टि हुई है। सेनपश्चिम पारा थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि पति से विवाद के बाद महिला ने आत्महत्या की है। परिजनों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्जकर कार्रवाई की जाएगी।

# 11 बीघा भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग केडीए ने कर दी ध्वस्त

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** बुधवार को केडीए की प्रवर्तन जोन-1बी की टीम ने चिरान गांव और कटरी ख्यौरा में 11 बीघा में अवैध रूप से निर्मित प्लाटिंगों पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की।

केडीए के प्रवर्तन जोन-1बी के विशेष कार्याधिकारी व उपजिलाधिकारी डॉ.रविप्रताप सिंह के मुताबिक ग्राम चिरान में राघव, सुमेर व अन्य द्वारा करीब छह बीघा क्षेत्रफल की भूमि पर अवैध व अनाधिकृत निर्माण किया जा रहा था। यह लोग बिना प्राधिकरण से तलपट मानचित्र स्वीकृत कराए व बिना अनुज्ञा प्राप्त किए प्लाटिंग विकसित कर रहे थे। वहीं, ग्राम कटरी ख्यौरा में बलराम सिंह चैहान व अन्य द्वारा लगभग पांच

अवैध प्लाटिंग पर चलता केडीए का बुलडोजर। अमृत विचार

क्षेत्रफल में अवैध व अनाधिकृत निर्माण किया जा रहा था। यहां भी बिना प्राधिकरण से तलपट मानचित्र स्वीकृत कराये व बिना अनुज्ञा प्राप्त किए प्लाटिंग विकसित की जा रही थी। दोनों जगहों पर अवैध प्लाटिंग के अंतर्गत रोड, नाला, बाउंड्रीवॉल, बिजली के खंभे, पिलर, इन्ट्रीगेट व सभी निशानदेही को दो बुलडोजर के माध्यम से ध्वस्त कर पूरी तरह से समाप्त किया गया। डॉ. रविप्रताप सिंह ने बताया कि कुछ लोगों द्वारा बिना अनुमति के जमीन की प्लाटिंग की जा रही है और भोले-भाले लोगों को धोखा देकर प्लाट बेचे जा रहे हैं। नियमानुसार प्लाटिंग से पहले केडीए से अनुमति लेना अनिवार्य है। ऐसी अवैध कालोनियों में सड़क, नाली, बिजली, पानी और सीवर जैसी सुविधाएं नहीं होतीं।

# इंस्टाग्राम पर लाइव होकर युवक ने किया सुसाइड

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पत्नी छोड़ गई थी, एकलौता बेटा भी साथ ले गई, रोता रहता था बच्चे के गम में
- पड़ोसी इंस्टाग्राम फ्रैंड ने भागकर परिजनों को बताया, तब तक थम चुकीं थीं सांसे

**अमृत विचार।** पत्नी छोड़कर गई और एकलौता बेटा भी साथ ले गई। इसी गम ने शराब का लती बना दिया। परिवार टूटने का वियोग, बच्चे के प्रति प्रेम में इंस्टाग्राम पर लाइव होकर युवक ने गले में फंदा कस लिया। मोहल्ले के इंस्टाग्राम फ्रेंड ने भागकर लाइव आत्महत्या की खबर परिजनों को दी। जब तक घरवाले पहुंचते फंदे पर लटके युवक की सांसें थम चुकी थीं। परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

मनीष उर्फ छोटू।

घटना की जानकारी देते परिजन। अमृत विचार

जूही के बंबुरहिया निवासी 33 वर्षीय मनीष उर्फ छोटू लोडर वाहन चलाते थे। माता-पिता की मौत हो चुकी है, परिवार में बड़ा भाई राजकुमार के परिजन हैं। भतीज रॉकी ने बताया कि चाचा की शादी करीब आठ साल पहले माही से हुई थी। उनके एक बेटा पुच्चू है। चाचा छह साल पहले चाचा को छोड़कर चली गईं थी। चाची बेटा भी अपने साथ ले गई थीं। मंगलवार को गंगा मेला पर चाचा ने दिनभर रंग खेला था। इसके बाद शाम को पहली मंजिल पर कमरे में जाकर सो गए। नशे की हालत में होने के कारण कोई कमरे में भी नहीं गया। देर शाम मोहल्ले के लड़के भागते हुए घर पहुंचे और बताया कि ऊपर कमरे में मनीष ने फांसी लगा ली है। इस पर परिजन दौड़े, कमरे का दरवाजा धकियाकर अंदर घुसे तो चाचा को फंदे से लटका पाया। रस्सी काटकर नीचे उतारा और समीप के अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि मनीष को परिवार टूटने और आखिरी सहारा बेटे का भी पत्नी के साथ जाने का दुख था। वह अक्सर बेटे के लिए रोता रहता था। जिसके चलते उसने यह कदम उठाया है।

### इंस्टाग्राम फ्रैंड ने 25 मिनट देरी से देखा

- भतीजा रॉकी ने बताया कि ऊपर कमरे में जाने के बाद ही चाचा इंस्टाग्राम पर लाइव हो गए थे। लाइव होने के कारण ही पंखे से रस्सी बांधी, अपनी बात कहते रहे। इसके बाद गले में फंदा कस लिया। जब मोहल्ले के इंस्टाग्राम फ्रेंड ने देखा, तब घटना को 25 मिनट बीत चुके थे। फंदे से जब उन्हें नीचे उतारा गया, मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मोबाइल कब्जे में लिया है।

### बिना गंगाजल रेतीला हुआ घाट

अभी तो मार्च का माह शुरू हुआ और गर्म मौसम की दस्तक ही हुई है लेकिन घाट बिना गंगाजल के सूना दूर-दूर तलक रेतीला नजर आ रहा है। इतनी जल्दी गंगा नदी का जलस्तर कम होना गंभीर पर्यावरणीय समस्या है। अगर ऐसे ही गंगा नदी का जल घटता रहा तो शहरवासियों को भीषण पेयजल संकट से जुझना पड़ेगा। फोटो - मनोज तिवारी

# न्यू आजाद नगर में तीन कबाड़ गोदामों में लगी भीषण आग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र स्थित न्यू आजाद नगर के सतबरी मैदान में बने तीन कबाड़ गोदामों में मंगलवार देर रात भीषण आग लगी जिससे अफरातफरी मच गई। आग इतनी भयावह थी कि एक किमी दूर से उसके भड़कते शोले दिखाई दे रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। सतबरी मैदान में राहुल का कबाड़ गोदाम है, गोदाम

में प्लास्टिक स्क्रैप समेत बड़ी मात्रा में ज्वलनशील कबाड़ रखा हुआ था, जिससे देखते ही देखते तेजी से आग फैल गई और पास में स्थित कबाड़ कारोबारियों शैलेंद्र और शीलू के गोदाम तक पहुंच गई। तीनों गोदामों में रखा कबाड़ धू-धू कर जलने लगा। आग की तेज लपटें और धुआं देखकर आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही न्यू आजाद नगर चौकी प्रभारी विजय सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और फायर ब्रिगेड की घटना की जानकारी दी। फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने पहुंचकर आग बुझाई। सेन पश्चिम पारा के थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच में शार्ट सर्किट या किसी ज्वलनशील पदार्थ से आग लगने की बात सामने आई है।

# वसूली के विरोध पर युवक को कार से सौ मीटर घसीटा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- गंभीर हालत में युवक अस्पताल में भर्ती, मारपीट की 10 घटनाएं हुईं

**अमृत विचार।** गुजैनी में वसूली के विरोध पर कार सवार दबंगों ने रेस्टोरेंट संचालक को टक्कर मारकर करीब 100 मीटर तक घसीटा। गंभीर रूप से घायल युवक को परिजनों ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं दक्षिण में मारपीट की विभिन्न घटनाओं में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है।

गुजैनी के रामगोपाल चौराहा पर सोमवार देर रात वसूली का विरोध करने पर दबंगों ने रेस्टोरेंट संचालक को कार से टक्कर मारकर घसीटा। बर्रा-आठ निवासी आदर्श कुमार के पिता रंजीत सिंह के अनुसार सोमवार देर रात करीब 12 बजे बेटा रेस्टोरेंट बंद कर बाहर निकला था। तभी पहले से घात लगाए खड़े हमीरपुर के रमेडी मोहल्ला निवासी राजू का बेटा यशू कुमार, जो वर्तमान में जरौली फेस-टू स्थित किराए के मकान में रहता है। उसने अपनी आकर बेटे के रास्ते में रोकी और समीप बुलाया। आरोप है कि यशू कुमार ने गाली-गलौज करते उससे रुपये मांगे, विरोध पर उसने आदर्श के साथ मारपीट की और जेब में हाथ डालकर नगदी लूट का प्रयास किया। शोर मचाने पर उसने कार के अंदर से कॉलर पकड़ लिया और कार से कुचलने की कोशिश की। करीब 100 मीटर तक उसे घसीटता ले गया। इस दौरान युवक के गले की चेन भी टूट गई। शोर सुनकर रेस्टोरेंट के कर्मचारी पहुंचे तो आरोपी बेटे को छोड़कर धमकी देते हुए फरार हो गया। घटना सीसीटीवी में कैद है। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया

रेस्टोरेंट संचालक आदर्श कुमार।

गया है। इसी तरह हनुमंत विहार में मुखबिरी के शक में बक्तौरीपुरवा निवासी आशीष यादव को पीटा गया। आरोपियों का नाम बर्रा के मैगी प्वाइंट फायरिंग में भी सामने आ चुका है। वहीं गुजैनी में जरौली फेस-टू निवासी रेनू तिवारी ने पड़ोस में रहने वाले रामसेवक, उसकी पत्नी और बेटी समेत अन्य लोगों पर मारपीट और लूट का आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार 4 फरवरी को आरोपियों ने हमला किया। जिसमें उसका जबड़ा टूट गया। वहीं बर्रा विश्व बैंक निवासी कनिष्क वर्मा ने लकी अवस्थी, स्पर्श बाजपेयी, हर्ष दुबे और गौरव कुमार समेत अन्य लोगों पर हमला करने का आरोप लगाया है। आरोपी है कि उस पर सरिया से हमला किया गया। जान से मारने की धमकी दी। यशोदा नगर निवासी अधिवक्ता प्रत्युष कुमार के अनुसार सात मार्च की शाम घाटमपुर निवासी प्रशांत सचान अपने एक साथी के साथ उनके घर में घुस आए। कनपटी पर तमंचा लगाकर 10 हजार रुपये की मांग की। विरोध पर मारपीट कर 2700 रुपये और मोबाइल ले गए।

### अराजकता | नगर आयुक्त को निरीक्षण में मिली तमाम अनियमितताएं

# मुख्य मार्गों पर भी अतिक्रमण, फुटपाथों पर दीवारें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** शहर के मुख्य मार्गों को भी नगर निगम अतिक्रमण मुक्त नहीं रख पा रहा है, जिसकी वजह से न सिर्फ वाहन सवार, बल्कि पैदल चलने वाले लोगों को भी आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार लोग हादसे का भी शिकार हो जाते हैं। बुधवार को जब नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय जरीब चौकी, पीरोड, सीसामऊ बाजार व वनखंडेश्वर मंदिर चौराहे तक पहुंचे तो न सिर्फ फुटपाथ पर, बल्कि सड़क पर भी न अतिक्रमण मिला। उन्होंने अभियान चलाने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए।

जरीबचौकी चौराहे से पी-रोड होते हुए गोपाल सिनेमा, सीसामऊ बाजार व वनखंडेश्वर मंदिर चौराहे तक दोनों तरफ दुकानदारों ने न

शहर के मुख्य मार्ग पर निरीक्षण कर संबंधित को निर्देश देते नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय।

सिर्फ फुटपाथों को, बल्कि सड़क पर भी अतिक्रमण कर रखा है। इसकी वजह से सड़क की चौड़ाई काफी कम हो जाती है और जाम की समस्या दिनभर उत्पन्न होती रहती है। चौराहे पर तैनात किए गए पुलिस कर्मी भी जाम में फंसे वाहनों को निकालने में पसीने छोड़ देते हैं। इसकी हकीकत जानने के लिए बुधवार को नगर आयुक्त ने जरीब चौकी, पीरोड, सीसामऊ बाजार व वनखंडेश्वर मंदिर चौराहे तक निरीक्षण तो उन्हें सड़क व फुटपाथ पर काफी संख्या में अस्थायी के साथ ही स्थायी अतिक्रमण मिला, जिसकी वजह से उन्हें यातायात भी बाधित होता दिखा। नगर आयुक्त ने जोनल अधिकारी व जोनल अभियंता को तत्काल निर्देश दिया कि इस मार्ग को पूर्णतया अतिक्रमण से मुक्त करने के लिए निरंतर अभियान चलाया जाए। राजस्व निरीक्षक की तैनाती भी इस मार्ग पर की जाए। वहीं, प्रतिदिन अतिक्रमण करने वालों से यूजर चार्ज की वसूली करने के साथ ही उनके सामान को जब्त भी किया जाए, जिससे उनके हौसले पस्त हो और वह दोबारा अतिक्रमण न कर सकें। वहीं, नगर आयुक्त को लेनिन पार्क ढाल पर जलकल पंप के बाहर ही काफी मात्रा में सीएण्डडी वेस्ट मिलने पर जोनल अभियंता-4 को उठान और संबंधित से से यूजर चार्ज वसूलने के निर्देश दिए। इधर, 80फिट रोड से होते हुए भदौरिया चौराहा से लेनिन पार्क तक सड़क के दोनों ओर भी फुटपाथ पर काफी अतिक्रमण मिला। कुछ फुटपाथ स्थल पर भवन स्वामी द्वारा दीवारें भी बनी मिलीं।

### लेनिन पार्क व गांधी नगर में आ रहा दूषित पानी

- लेनिन पार्क व गांधी नगर में वर्तमान में पेयजल आपूर्ति की लाइन ध्वस्त हो गई और कुछ जगहों पर दूषित पानी आ रहा है, जिसकी वजह से लोगों को परेशानी हो रही है। इसकी शिकायत नगर निगम में पहुंची तो नगर आयुक्त ने संज्ञान लेकर मौके पर निरीक्षण किया। जलकल के महाप्रबन्धक ने बताया कि पेयजल आपूर्ति लाइन ध्वस्त होने से कुछ जगह दूषित पेयजल आपूर्ति हो रही है। बुधवार को सड़क की खुदाई करते हुए क्षतिग्रस्त पाइप लाइन को निकाल कर नई लाइन डाल दी गई है। जल्द ही शुद्ध पेयजलापूर्ति सुचारू रूप से पहले की तरह चालू हो जाएगी। नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि कार्य में तेजी लाते हुए पाइप लाइन ठीक की जाए। वहीं, पानी का टेंकर प्रतिदिन क्षेत्र में भेजा जाए।

### अधिशासी अभियंता तूलिका प्रसाद निलंबित

**कानपुर।** जलनिगम की अधिशासी अभियंता तूलिका प्रसाद को शासन ने लापरवाही के मामले में निलंबित कर दिया। वह वर्तमान में बनियापुरवा सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और दक्षिण में सीवर लाइन डालने का कार्य देख रही हैं। तूलिका प्रसाद के खिलाफ जल निगम के प्रबंध निदेशक रवीन्द्र कुमार ने आदेश जारी किया है, जिसमे उन्होंने कहा है कि फतेहपुर में अधिशासी अभियंता के पद पर रहते हुए तूलिका प्रसाद ने नगर महापालिका परिषद फतेहपुर में सीवरेज एंड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट योजना के तहत वित्तीय अनियमितताएं व निविदा प्रक्रिया में घोर लापरवाही बरती। इससे विभाग को वित्तीय हानि हुई और छवि धूमल हुई, इसलिए इन्हें निलंबित किया गया है। निलंबन की अवधि में वह मुख्य अभियंता जल निगम लखनऊ क्षेत्र से संबंध रहेंगी।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

## तेज रफ्तार कार की टक्कर से हड्डियां टूटीं

**कानपुर।** बर्रा थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। शिकायत के मुताबिक कांति शर्मा के पुत्र प्रशांत शर्मा 1 मार्च की शाम करीब 6:30 बजे ड्यूटी खत्म कर बाइक से घर लौट रहे थे। बर्रा मेन रोड पर दून हाउस चौराहा पार करते समय कर्रही से नौबस्ता की ओर जा रही कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही युवक सड़क पर गिर गया और कार चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। घायल को स्थानीय लोगों की मदद से पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसके बाएं पैर की दोनों हड्डियां टूटने पर ऑपरेशन कर रॉड डाली गई है, साथ ही हाथ और कंधे में भी चोट आई है। मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

## सूफी खानकाह का ईरानी सुप्रीम को पत्र

**कानपुर।** सूफी खानकाह एसोसिएशन के अध्यक्ष सूफी मोहम्मद कौसर हसन मजीदी ने ईरान के नव निर्वाचित सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह सैयद मुज्तबा अली हुसैनी खामेनाई को भावुकता से भरा पत्र लिख उनके पिता की शहादत पर अफसोस जाहिर किया है। उनके सुप्रीम बनने पर उन्हें मुबारक बाद देते हुए भारत से अच्छे रिश्तों एवं सूफियों का हवाला भी दिया है।

## बैंक खाते का दुरुपयोग कर साइबर फ्रॉड

**कानपुर।** बाबूपुरवा थाना क्षेत्र में साइबर फ्रॉड से जुड़ा मामला सामने आया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बाबूपुरवा कॉलोनी निवासी मोहम्मद फरीद को साइबर सेल से जानकारी मिली कि उनके एक्सिस बैंक खातों में साइबर शिकायत दर्ज है। जब उन्होंने बैंक जाकर जानकारी ली तो पता चला कि उनके खातों में किसी अज्ञात व्यक्ति का मोबाइल नंबर लिंक कर दिया गया था और उसी के जरिए खाते का इस्तेमाल साइबर फ्रॉड में किया गया। पीड़ित ने बताया कि उसे इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। उन्होंने थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। वहीं पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# ट्रांसगंगा सिटी पुल पर यूपीसीडा खर्च करेगा 293 करोड़ रुपये

### अटल इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन से मिलेंगे 460 करोड़ रुपये, सेतु निगम गंगा पर बनाएगा दो पुल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** वीआईपी रोड-ट्रांसगंगा सिटी पुल का निर्माण 753 करोड़ 13 लाख 24 हजार रुपये से होगा, जिसमें अटल इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन से 460 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे, जबकि शेष 293 करोड़ की धनराशि यूपीसीडा खर्च करेगा। इस परियोजना को बीते दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में मंजूरी प्रदान की गई थी। यूपीसीडा के अनुसार गंगा नदी पर फोरलेन कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के लिए परियोजना में दो लेन के अलग-अलग दो पुलों

का निर्माण किया जाएगा। इनके निर्माण की जिम्मेदारी सेतु निगम को सौंपी गई है, जिसे 36 माह में काम पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है।

ट्रांसगंगा सिटी को शहर से जोड़ने के लिए फोरलेन पुल भैरव घाट पर धोबीघाट एवं जलकल कैम्पस के निकट से बनेगा। पुल की शुरुआत रानीघाट जलकल पंपिंग स्टेशन के पास से होगी और आगे धोबीघाट तक पहुंचेगी।

### दोनों पुलों की लंबाई 4.2 किलोमीटर होगी और 8.50 मीटर चौड़ा बनाया जाएगा मार्ग

- दो लेन के दोनों पुलों की लंबाई 4200 मीटर होगी। दोनों पुलों में 30 मीटर के कुल 140 स्पैन प्रस्तावित हैं। 8.50 मीटर चौड़ा कैरिज-वे (वाहन मार्ग) तथा एक ओर 11.50 मीटर चौड़ा फुटपाथ भी बनाया जाएगा। परियोजना में लगभग 470 मीटर लंबे एप्रोच मार्ग का निर्माण भी किया जाएगा।

### 10 किलोमीटर का चक्कर होगा कम, बढ़ेगी औद्योगिक कनेक्टिविटी

- यूपीसीडा का कहना है कि इस पुल के बनने से औद्योगिक कनेक्टिविटी को नई गति मिलेगी। वीआईपी रोड सीधे बैराज मार्ग पर स्थित ट्रांसगंगा सिटी से जुड़ जाएगी। इससे वर्तमान में लगभग 14 किलोमीटर की दूरी घटकर करीब 4 किलोमीटर रह जाएगी।

# 18 मार्च से जांची जाएंगी यूपी बोर्ड 10वीं व 12वीं की कॉपियां

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने मूल्यांकन की तारीख घोषित की

**अमृत विचार।** यूपी बोर्ड की 10वीं व 12वीं की कॉपियां जिले में 18 मार्च से एक अप्रैल तक जांची जाएंगी। इसके लिए उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने बोर्ड की कापियों के मूल्यांकन के लिए राजकीय इंटर कालेज और बीएनएसडी इंटर कालेज चुन्नीगंज, डीएवी इंटर कालेज सिविल लाइंस, एबी विद्यालय मालरोड और सुभाष स्मारक इंटर कालेज को केंद्र बनाया गया है।

राजकीय इंटर कालेज चुन्नीगंज और डीएवी इंटर कालेज सिविल लाइंस में 10वीं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाएगा। बीएनएसडी इंटर कालेज चुन्नीगंज, एबी विद्यालय मालरोड और सुभाष स्मारक इंटर कालेज साकेत नगर में 12वीं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाएगा। मूल्यांकन करने वाले शिक्षकों की ड्यूटी लगाने की प्रक्रिया डीआइओएस कार्यालय स्तर से शुरू हो गई है। दलित, पिछड़ा, उपेक्षित, अल्पसंख्यक शिक्षक महासभा के प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ.महादेव का कहना है कि उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद की 10वीं विज्ञान विषय के प्रश्नपत्र में तीन खंड, खंड क भौतिक विज्ञान, खंड ख रसायन विज्ञान, खंड ग जीव विज्ञान होते हैं। इस विषय की उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किसी एक अध्यापक द्वारा किया जाना संभव नही है। इसलिए दो अध्यापकों से पैनल मूल्यांकन व्यवस्था के अंतर्गत उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कराया जाता है। भौतिक विज्ञान खंड को विज्ञान अध्यापक पद पर नियुक्त शिक्षक मूल्यांकित करते हैं। रसायन और जीव विज्ञान खंड को एक अध्यापक जीव विज्ञान अध्यापक द्वारा मूल्यांकित किया जाता है। ऐसे में रसायन विज्ञान खंड को जीव विज्ञान अध्यापक से मूल्यांकित कराने की व्यवस्था असंगत एवं विश्ववसनीय मूल्यांकन प्रणाली के प्रतिकूल है। इस संबंध में उन्होंने माध्यमिक शिक्षा निदेशक को पत्र भेजकर 10वीं रसायन के साथ भौतिक विज्ञान खंड को जोड़कर मूल्यांकन में विसंगति खत्म करने की मांग की है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

## चूल्हा व खाली सिलेंडर लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

**कानपुर।** कामर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति बंद होने एवं घरेलू सिलेंडर के दाम बढ़ाने तथा संकट के विरोध में कांग्रेसियों ने बुधवार को मेस्टन रोड पर एक हलवाई की बंद दुकान के सामने चूल्हा और खाली सिलेंडर रखकर प्रदर्शन किया। महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता की अगुवाई में गैस की काला बाजारी रोकने के नारे लगाए गए। हलवाइयों की दुकानों में खराब हो रहे कच्ची खाद्य सामग्री दिखाकर जनता का दर्द उजागर किया गया। अध्यक्ष ने कहा कि एक ओर गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा दिए, ऊपर से सहालग और रमजान के चलते जनमानस परेशान है। कामर्शियल सिलेंडर बंद होने से होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा संचालक, कैटरिंग व्यवसाय से जुड़े लोग एवं छोटे व्यापारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। जल्द गैस आपूर्ति की समस्या दूर नहीं की गई तो कांग्रेस सड़कों पर उतरेगी। इकबाल अहमद, शंकर दत्त मिश्रा, विनोद अवस्थी, राम शंकर राय, राकेश साहू, चंद्र मनी मिश्रा, पदम मोहन मिश्रा, रितेश यादव, जावेद उस्मानी, राज किशोर वर्मा, मुकेश कन्नौजिया, रामजी दुबे, नरेंद्र पाल रहे।

# अनाथ बच्चों की मदद के लिए शव रख हंगामा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

शव रखकर हंगामा करते लोग। अमृत विचार

- गंगा मेला पर रंग खेलकर लौटते समय हादसे का शिकार हुआ था युवक

**अमृत विचार।** गोविंदनगर में मंगलवार को तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से पेंटर की मौत हो गई थी। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने घर के पास शव रखकर हंगामा किया। बच्चों की परवरिश के लिए आर्थिक सहायता की मांग की। सूचना पर पुलिस व नायब तहसीलदार ने परिजनों को शांत कराकर मदद का भरोसा दिया।

गोविंदनगर डीबीएस कच्ची बस्ती में रहने वाला 40 वर्षीय चंदन पेंटिंग का काम करता था। परिवार में नाबालिग बेटा पवन व बेटियां जाह्नवी, बाला हैं। कई साल पहले चंदन की पत्नी रीना की मौत हो चुकी थी और तभी से वह अकेले ही बच्चों की परवरिश कर रहा था। मंगलवार शाम चंदन घर के पास स्थित दुकान से सामान लेने के लिए निकला था। सड़क पार कर रहा था, तभी गोविंदपुरी पुल की ओर से तेज रफ्तार में आ रही बाइक ने उसे टक्कर मार दी। बाइक पर चार युवक सवार थे और रंग खेलकर लौट रहे थे। हादसे में चंदन के चेहरे, सिर और सीने में गंभीर चोटें आईं। परिजन घायल चंदन को अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। बुधवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचते ही परिजनों व क्षेत्रीय लोगों ने अनाथ बच्चों के लिए आर्थिक सहायता और मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। मौके पर पहुंचे नायब तहसीलदार अर्शलान ने परिजनों से बातचीत कर बच्चों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का आश्वासन दिया, जिसके बाद परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए ले गए।

### घर में घुसकर छेड़छाड़ विरोध पर धमकी

- कानपुर। किदवई नगर थाना क्षेत्र में एक विधवा महिला के घर में घुसकर उसके और बहू के साथ छेड़छाड़ व अश्लील टिप्पणियां करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज हुई है। आरोप है कि मुन्ना मुल्ला नामक व्यक्ति ने फोन कर करीब 15 लोगों को बुलाया और सभी घर में घुसकर महिला और उसकी बहू के साथ छेड़छाड़ करने लगे। विरोध करने पर गाली-गलौज करते हुए पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़िता के अनुसार उस समय घर में कोई पुरुष सदस्य मौजूद नहीं था। बहू किसी तरह वहां से भागकर बची और घटना का वीडियो भी बना लिया। किदवई नगर थाना प्रभारी के मुताबिक मुन्ना मुल्ला व उसके साथियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

# सड़क निर्माण धीमा, उड़ती धूल से लोग परेशान

रेत का मैदान सी दिखती है सड़क। अमृत विचार

### राहगीरों का दर्द

इस मार्ग से आना-जाना पड़ता है, सड़क की हालत काफी खराब है और गड्ढों के कारण वाहन धीरे-धीरे चलाने पड़ते हैं। ऊपर से उड़ती धूल से वातावरण भी खराब हो रहा है।
– आशीष द्विवेदी

जनप्रतिनिधि सड़क की दुर्दशा देखने कभी नहीं आते, सड़कों पर जगह-जगह गड्ढे होने से राहगीर कई बार अचानक गड्ढा आने से अनियंत्रित होकर गिर पड़ते हैं।
– हरी नारायण

सड़क पर जिम्मेदारों को समय- समय पर पानी का छिड़काव करवाना चाहिए, धूल से यहां रह रहे लोगों के घरों की दीवारें गंदी हो रही हैं।
– रेनू श्रीवास्तव

खराब हालत में सड़क और उड़ती धूल के कारण लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। धूल का गुबार उठता रहता है, जिससे व्यापार चौपट हो रहा है।
– सबलराव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** शहर में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा सीएम ग्रिड योजना के तहत फेज-1 में बगिया क्रॉसिंग कल्याणपुर से आवास विकास केस्को ऑफिस केशवपुरम तक सड़क निर्माण कराया जा रहा है। करीब 1150 मीटर लंबी इस सड़क का निर्माण 11 करोड़ रुपये की लागत से हो रहा है और इसका ठेका डेल्टा कंपनी को दिया गया है। निर्माण कार्य की धीमी गति के चलते स्थानीय लोगों, व्यापारियों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

निर्माण स्थल पर दिनभर उड़ने वाली धूल ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। सड़क खोदे जाने और जगह-जगह निर्माण सामग्री पड़ी रहने से इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय व्यापारी संतोष कुमार का कहना है कि धूल के कारण दुकान में बैठना मुश्किल हो गया है और इसका असर व्यापार पर भी पड़ रहा है। लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य के दौरान सड़कों पर समय-समय पर पानी का छिड़काव भी नहीं किया जा रहा है, जिससे धूल और अधिक उड़ती है और निकलना मुश्किल हो जाता है।

नगर निगम के अनुसार कार्य स्थल पर अब तक करीब 200 मीटर सीवर लाइन, 200 मीटर वाटर लाइन और 200 मीटर स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज पाइप लाइन का कार्य पूरा किया जा चुका है। इसके अलावा ग्रीन बेल्ट और इलेक्ट्रिकल यूटिलिटी के लिए बनाए जा रहे यूटिलिटी डक्ट का काम भी प्रगति पर है। वहीं सड़क किनारे प्रस्तावित ग्रीन बेल्ट में उद्यानीकरण का कार्य भी शुरू किया गया है।

## खाड़ी की फ्लाइटों पर संकट से हड़कंप

शैलेश अवस्थी,कानपुर

**कानपुर।** अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के चलते तेल पर आई दिक्कत के चलते खाड़ी देशों की फ्लाइट पर भी संकट छा गया है। खाड़ी देशों एवं विदेशों की उड़ान के लिए एयर इंडिया ने 12 मार्च से अपना किराया सरचार्ज के तौर पर बढ़ाने की घोषणा की है। एयर इंडिया ने दो चरणों में किराया बढ़ाने की बात की है, पहले 12 मार्च से बढ़ेगा और दूसरे चरण में 16 मार्च को किराया बढ़ेगा। इंडिगो एयरलाइंस की विदेशी फ्लाइट भी लड़खड़ा चुकी है। इंडिगो ने भी ज्यादातर इंटरनेशनल फ्लाइट को बंद करने की तैयारी कर ली है क्योंकि ईंधन की दिक्कत है।

:कानपुर से कुवैत, दुबई, मक्का, जद्दा, यूएई, यूरोप समेत विभिन्न देशों के सैकड़ों कारोबारी, व्यापारी, खान-ए-काबा में इबादत करने के लिए टिकट बुक करा चुके लोग अब टिकट कैंसिल करा रहे हैं। इस संबंध में अवध टूअर्स एंड ट्रेवल्स के निदेशक शारिक अलवी का कहना है कि लोग टिकट कैंसिल करा रहे हैं, टिकट बुक कराने वालों की संख्या कम हो गयी और कैंसिल कराने वालों की संख्या बढ़ गई है।

# 175 साल पहले जलमार्ग कारोबार था

- शहर से उन्नाव प्रयागराज, वाराणसी और कोलकाता तक आता-जाता था माल
- परमट में था परमिट दफ्तर, शहर में प्रवेश के लिए देना पड़ता था टैक्स, धीरे-धीरे बंद हुआ मार्ग

**अमृत विचार।** आज भले ही शहर से एक बार फिर कोलकाता तक जलमार्ग के जरिये कारोबार के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा हो, लेकिन 175 साल पहले गंगा के रास्ते शहर में वस्तुओं का आवागमन होता था। ऐसे में जलमार्ग अगर फिर शुरू होता है, तो एक बार फिर कानपुर का इतिहास जीवंत हो उठेगा।

सांसद रमेश अवस्थी ने वाराणसी-कोलकता जलमार्ग को कानपुर तक विस्तार देने का प्रस्ताव सरकार को दिया है, जिस पर विचार किया जा रहा है। साल 1851 में अंग्रेज हुकूमत ने कानपुर को कारोबार का बड़ा केंद्र विकसित करने के लिए गंगा के प्रवाह को रास्ता बनाया था, तब कानपुर से उन्नाव होते हुए प्रयागराज और वाराणसी के रास्ते कोलकाता तक पानी के जहाज और बड़ी नावें चलती थीं। इनके माध्यम से माल आता-जाता था।

परमट में गंगा तट पर माल उतरता और फिर वहां परमिट कटता (अनुमति) था। इसके बाद बड़ी नावों से नहरों के जरिये शहर के बाजारों में माल पहुंचाया जाता था। एक्सप्रेस रोड पर चौड़ी नहर थी, जिसके जरिये कलक्टरगंज और आसपास के थोक बाज़ारों में माल पहुंचता था। कानपुर से जलमार्ग के जरिये ही देश के अन्य हिस्सों में भेजी जाती थीं। रेल सेवा का विस्तार होने और गंगा का जलस्तर गिरने से नहरों का अस्तित्व मिटता गया।

### नहरों का जाल पूरे शहर में

- रुड़की से नहर कानपुर के नरौना तक आई थी। शुक्लागंज से एक्सप्रेस रोड और आसपास, मालगोदाम, रामगंज, जूही, बर्रा, गुजैनी, काकादेव, शास्त्री नगर, विजय नगर, पांडु नगर, कल्याणपुर, गीतानगर, अरमापुर, पनकी और आसपास नहरें बहा करती थीं। इसी के आसपास बाजार और आवासीय क्षेत्र विकसित होते गए। लेकिन ज्यादातर नहरें पाट दी गईं।

### नहर रोकने के लिए मुकदमा हुआ था

- अंग्रेज हुकूमत के दौरान जब नहरों की योजना बनी तो कनपुरियों ने इसे रोकने के लिए 1851 में मुकदमा कर दिया। तर्क दिया कि कानपुर को दो टुकड़ों में बांटा जा रहा है। नहर बनी तो रामगंज और दौलतगंज बंट जाएंगे। कई घर टूट जाएंगे, तब अंग्रेज सरकार ने मुआवजा दिया और नहरों का रास्ता साफ हो गया।

- अंग्रेजों ने जब कानपुर को कारोबार का केंद्र बनाकर विकसित किया तो गंगा के जरिये ही वस्तुओं का आवागमन होता था। पूरे शहर में नहरों का जाल था, जिनके जरिये वस्तुओं का आवागमन होता, सिंचाई के लिए पानी मिलता और पेयजल का भी इंतजाम हो जाता था।

-अनूप शुक्ल, सचिव, कानपुर इतिहास समिति।

पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल का स्वागत करते सिविल डिफेंस चीफ राजीव सिंह। अमृत विचार

# भोजपुरी समाज का शिविर लगा

- सिविल डिफेंस कानपुर चीफ ने किया स्वागत

**कानपुर।** गंगा मेला पर सरसैया घाट स्थित श्री राम जानकी मंदिर के सामने भोजपुरी समाज कानपुर का शिविर लगा। संस्था के अध्यक्ष सिविल डिफेंस कानपुर चीफ राजीव सिंह ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में जय प्रकाश एवं उनकी टीम ने सुरीली तान और पारंपरिक भोजपुरी गीतों (फगुआ और चइता) से समां बांध दिया। शिविर में पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल, महापौर प्रमिला पांडेय, भवानी जी प्रांत प्रचारक विधायक सुरेंद्र मैथानी, नीलिमा कटियार, अरुण पाठक, महेश त्रिवेदी, सिविल डिफेंस वार्डन अब्दुल सलाम जाफरी, भोजपुरी समाज के महामंत्री एस डी चौधरी, धनंजय सिंह, जितेंद्र सिंह, बलदेव सिंह, ओम प्रकाश तिवारी, जय प्रकाश आदि उपस्थित रहे।

## साइबर क्राइम से बचाव की दी जानकारी

**कानपुर।** दामोदर नगर स्थित सार्वजनिक शिक्षण संस्था वृद्धाश्रम में 'अटल वयो अभ्युदय योजना' के तहत आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों को साइबर अपराध और बैंकिंग फ्रॉड से बचाव की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाज कल्याण विभाग के उप निदेशक श्रीनिवास द्विवेदी, दीपक द्विवेदी, साइबर क्राइम ट्रेनर साद उल हक सफवी, डॉ दीप शुक्ला, डॉ अजय सिन्हा, संस्था के सचिव डॉ विपिन शुक्ला और उपाध्यक्ष डॉ सारिका त्रिवेदी ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में युवाओं ने वृद्धजनों को मोबाइल चलाना सिखाया और उनके साथ कैरम, लूडो, सुडोकू व शतरंज जैसे खेल भी खेले। साथ ही ध्यान, योग और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी दी गई। भजन कार्यक्रम में करीब 70 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

नेक पहल

मां-बहन की मौत, पिता की बेरुखी से अकेले हो गए थे बच्चे

# डीएम ने थामा बच्चों का हाथ, टूटी जिंदगी संभली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

### ग्राम प्रधान ने डीएम को दी जानकारी

- गांव के प्रधान ने बीते दिनों जिलाधिकारी को परिवार की स्थिति से अवगत कराया तो डीएम ने दोनों बच्चों से अभिभावक की तरह संवाद किया और उन्हें भरोसा दिलाया कि प्रशासन उनके साथ खड़ा है। इसके बाद तत्काल उनके घर की मरम्मत और रंग-रोगन कराया गया। पात्रता के आधार पर अंत्योदय राशन कार्ड बनवाया गया जिससे नियमित खाद्यान्न मिल सके। दोनों बच्चों के आयुष्मान कार्ड भी बन गए हैं और उनकी पढ़ाई प्रभावित न हो इसके लिए उन्हें मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। साथ ही तत्काल राहत के रूप में राशन सामग्री भी उपलब्ध कराई गई।

### भूमि विक्रय की धनराशि 4.5 लाख रुपये भी खाते में दिलाए

- परिवार की एक और बड़ी समस्या भी डीएम के हस्तक्षेप से सुलझ गई। भूमि विक्रय के बदले मिलने वाली लगभग साढ़े चार लाख रुपये की राशि एक व्यक्ति लंबे समय से देने में टालमटोल कर रहा था। डीएम के निर्देश पर पहल करते हुए यह धनराशि बच्चों के खाते में दिलाई गई, जिससे उनके भविष्य को सहारा मिल सका। कुछ समय पहले तक जिस घर में दुख और बेबसी का साया था, वहां अब धीरे-धीरे उम्मीद की रोशनी लौटती दिखाई दे रही है। प्रशासन के सहयोग और अपने हौसले के सहारे दिव्यांशी और हर्षित अब फिर से जीवन को संभालने की ताकत जुटा रहे हैं।

**अमृत विचार।** नरवल तहसील के बिधनू ब्लॉक स्थित नगवां गांव में एक परिवार पर लगातार आई त्रासदियों ने दो मासूम भाई-बहन की जिंदगी को लगभग अंधेरे में धकेल दिया था। मां की मौत, बहन की आत्महत्या और पिता की बेरुखी के बीच दोनों बच्चे अकेले पड़ गए थे। ऐसे कठिन समय में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने आगे बढ़कर उनका हाथ थामा और उन्हें सहारा देकर जीवन में नई उम्मीद जगाई।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह नगवां गांव पहुंचे। इस गांव की दिव्यांशी सिंह (21) और उसका छोटा भाई हर्षित सिंह (13) बीते कई महीनों से गंभीर पारिवारिक संकट का सामना कर रहे थे। अप्रैल 2025 में उनकी मां मधु का निधन हो गया। मां के जाने के बाद घर की जिम्मेदारियां अचानक बढ़ गईं। इसी बीच शराबी पिता मनोज सिंह ने दिव्यांशी की शादी एक ऐसे युवक से तय कर दी जो शराब का आदी था। इस निर्णय से आहत छोटी बहन शानू ने जनवरी 2026 में आत्महत्या कर ली। इस घटना ने परिवार को भीतर तक झकझोर दिया और पिता भी घर से लगभग अलग हो गए, जिससे दिव्यांशी और हर्षित पूरी तरह अकेले पड़ गए।

## सिटी ब्रीफ

### तीन जगह बिजली चोरी पकड़ी गई

**कानपुर।** केस्को की विजिलेंस टीम ने बुधवार को जीआईसी उपकेंद्र के हाईलाइन फीडरों पर बिजली चोरी रोकने के लिए अभियान चलाया, जिस दौरान टीम ने तीन परिसरों में बिजली चोरी पकड़ी। केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक कर्नलगंज में रियासत अली, ग्वालटोली में जितेंद्र पाल व दीनदयाल को बिजली चोरी करते पकड़ा। बिजली चोरी की एफआईआर भी दर्ज कराई।

### बिजली संकट शुरू

**कानपुर।** गर्मी शुरू होते ही बिजली संकट भी शुरू हो गया है, बुधवार को दामोदर नगर-2 क्षेत्र में एचटी लाइन पर पेड़ की डाल गिरने से एचटी लाइन व इंसुलेटर क्षतिग्रस्त होने से सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक बिजली नहीं रही। जबकि मीरपुर में ट्रक की टक्कर से एचटी पोल टूटने से सुबह 10 बजे से दोपहर करीब एक बजे तक बिजली गुल रही।

### आज नहीं रहेगी बिजली

**कानपुर।** तेल मिल, तार बगिया, शीतला बाजार, मानस विहार, अशरफाबाद, मोती नगर, आजाद नगर, नवाबगंज, ग्रीनपार्क, परमट व सिविल लाइन में बिजली सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक नहीं रहेगी। गंगापुर, यादव मार्केट व राम जानकी मंदिर में सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक बिजली नहीं रहेगी।

# एआई के साथ आलोचनात्मक सोच और नैतिक जिम्मेदारी भी जरूरी

## सीएसजेएमयू में आधुनिक जैविक अनुसंधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर हुई कार्यशाला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

कार्यशाला में मौजूद विद्यार्थी व प्रोफेसर। अमृत विचार

**अमृत विचार।** सीएसजेएमयू में स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज एंड बायोटेक्नोलॉजी ने इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एडवांसेज इन लाइफ साइंसेज-2026 के अंतर्गत आधुनिक जैविक अनुसंधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों और शोधार्थियों को जैविक व जैव-चिकित्सकीय अनुसंधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते उपयोग से परिचित कराना रहा।

प्रति-कुलपति प्रो.सुधीर के अवस्थी कहा कि आज के युग में एआई आधारित शिक्षा और डिजिटल तकनीकों का लाभ भी अंतिम छात्र और शोधार्थी तक पहुंचना चाहिए। तभी तकनीकी प्रगति वास्तव में समावेशी और समाज के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। एआई तकनीक जैविक अनुसंधान, औषधि विकास, जीनोमिक्स और रोग निदान के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रही है। उन्होंने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक अनुसंधान में एआई के प्रयोग के साथ आलोचनात्मक सोच और नैतिक जिम्मेदारी को भी अपनाने का संदेश दिया।

अलगप्पा, यूनिवर्सिटी बायोइन्फॉर्मेटिक्स विभाग से प्रो. संजीव कुमार सिंह ने बताया कि मशीन लर्निंग तकनीकों की सहायता से वायरस होस्ट इंटरैक्शन का विश्लेषण कर संभावित औषधीय लक्ष्यों की पहचान को तेज किया जा सकता है। अरुण प्रवीण ने अल्फाफोल्ड टूल का उपयोग करते हुए वायरल प्रोटीन का एआई-आधारित स्ट्रक्चरल प्रेडिक्शन और मॉलिक्यूलर स्पष्टीकरण पर हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण दिया। आईआईटी कानपुर के क्षितिज कुमार ने वैज्ञानिक अनुप्रयोगों के लिए प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग और अनुसंधान स्वचालन के लिए एआई एजेंट विकास विषयों पर प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में करीब 100 विद्यार्थियों व शोधार्थियों ने भाग लेकर एआई आधारित बायोइन्फॉर्मेटिक्स उपकरणों के रणनीतिक उपयोग, आलोचनात्मक मूल्यांकन व व्यावहारिक अनुप्रयोग के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान एसएलएसबीटी निदेशक डॉ.अनुराधा कलानी, इनोवेशन डीन डॉ.शिल्पा डी कैस्था, प्रो. वर्षा गुप्ता, डॉ.गौरव कुमार, डॉ.दीपेश वर्मा, डॉ.राजीव मिश्रा समेत आदि लोग रहे ।

## कालोनी खाली कराने के दबाव में परिवार पर हमला

**कानपुर।** किदवई नगर थाना क्षेत्र की जूही सफेद कॉलोनी में कॉलोनी खाली कराने के दबाव में एक परिवार के घर में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ के आरोप में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। मामले में छेड़छाड़ के भी आरोप लगाए गए।

दर्ज रिपोर्ट के अनुसार पीड़ित पर पड़ोसी बन्टी अरोड़ा, हिमांशु उर्फ इशु अरोड़ा, पूजा अरोड़ा, रोशी अरोड़ा और हनी उन पर कॉलोनी खाली करने का दबाव बना रहे थे। आरोप है कि 1 फरवरी की रात सभी लोग अन्य युवकों के साथ लाठी-डंडे लेकर घर में घुस आए और परिवार के साथ मारपीट करते हुए तोड़फोड़ की। इस दौरान बेटे का गला दबाने की भी कोशिश की गई। आरोप है कि घर की बहन बेटियों से छेड़छाड़ की गई। शोर मचाने पर आसपास के लोग पहुंच गए, जिसके बाद आरोपी धमकी देते हुए भाग निकले। पुलिस आयुक्त के आदेश पर किदवई नगर पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

माता-पिता के साथ वनज विद्यान। अमृत विचार

## वनज विद्यान ने यूपीएससी में हासिल की 278 रैंक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- दलहन संस्थान के डॉ, पंकज कुमार के बेटे हैं वनज

**अमृत विचार।** दलहन संस्थान में कार्यरत श्रम ठेका विषय के एक्सपर्ट डॉ.पंकज कुमार के बेटे वनज विद्यान ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) सिविल सेवा परीक्षा में ऑल इंडिया 278 रैंक हासिल की। यह उनका तीसरा प्रयास था, जबकि उन्होंने दूसरे मेन्स और पहले इंटरव्यू में ही सफलता प्राप्त की। इस परीक्षा में उनका वैकल्पिक विषय लॉ था। वनज की मां जापानी भाषा विशेषज्ञ हैं। पिता ने बताया कि शैक्षणिक रूप से वनज विद्यान डॉ.राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय लखनऊ से बीए एलएलबी (2018-2023) के दौरान डबल गोल्ड मेडलिस्ट रहे। उन्हें ये स्वर्ण पदक भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों प्राप्त हुए। इसके बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से एलएलएम किया, जहां उन्हें फिर से स्वर्ण पदक मिला, जो भारत के उपराष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया गया। वनज ने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी अपनी पढ़ाई के साथ की। इस वर्ष उन्हें राष्ट्रीय युवा आइकन के रूप में भी नामित किया गया और गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति भवन में एट होम समारोह में आमंत्रित किया, जहां भारत की राष्ट्रपति ने उन्हें युवा आइकन के रूप में संबोधित किया।

इफ्तिखाराबाद में रोजा इफ्तार और होली मिलन हुआ। अमृत विचार

# रोजा इफ्तार के साथ फूलों की होली खेली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के दिल्ली-लखनऊ के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने की शिरकत

**अमृत विचार।** राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की विंग मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने इफ्तिखाराबाद में रोजा इफ्तार कराया जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की। इस कार्यक्रम में मंच के दिल्ली व लखनऊ के वरिष्ठ पदाधिकारी भी शामिल हुए। इफ्तार के उपरांत फूलों की होली भी खेली गई।

बुधवार को मुस्लिम राष्ट्रीय मंच कानपुर प्रांत द्वारा रोजा इफ्तार एवं होली मिलन समारोह कानपुर प्रांत के संयोजक अशफाक सिद्दीकी एवं आफताब आलम उर्फ आफताब पठान (वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता एवं पूर्व प्रत्याशी, एमएलसी) की अगुवाई में आयोजित हुआ। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों ने एक साथ रोज़ा इफ्तार किया तथा इसके पश्चात फूलों की होली खेलकर देश की गंगा-जमुनी तहजीब, आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मुख्य राष्ट्रीय संयोजक मोहम्मद अफजाल, इस्लाम अब्बास एवं रजा रिजवी उपस्थित रहे। प्रदेश संयोजक डॉ. शौकत खान, सह संयोजक आलोक चतुर्वेदी, क्षेत्रीय संयोजक मध्य अबरार, महिला क्षेत्रीय संयोजक मध्य गौसिया खानम, सलीम अहमद (प्रदेश उपाध्यक्ष, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा) तथा प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य शरद पवार उपस्थित रहे। आयोजकों में समी अंसारी, साबिहा खान, महताब आलम, कय्यूम, वासिफ, चांद, नसीम आरिफ आदि मौजूद रहे। प्रांत संयोजक अशफाक सिद्दीकी ने मेहमानों का शुक्रिया अदा किया।

## राष्ट्रीय लोक अदालत 14 मार्च को लगेगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद न्यायालय, कानपुर नगर की सचिव सुदेश कुमारी ने बताया कि जिला जज/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनमोल पाल की अध्यक्षता में 14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद- न्यायालय, कानपुर नगर में किया जाएगा। वर्ष की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण किये जाने के लिए बैंक वसूली, किरायेदारी वाद, मोबाइल फोन व केबल नेटवर्क सम्बन्धी प्रकरण, आयकर, बैंक व अन्य वित्तीय संस्थानों से सम्बन्धित प्रकरण, दीवानी वाद, उत्तराधिकार वाद, पारिवारिक वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, चेक बाउंस के मामलों की सुनवाई की जाएगी।

**कल आएंगे मुख्य निर्वाचन अधिकारी :** 13 मार्च शुक्रवार को प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा शहर आ रहे हैं जो विधानसभा क्षेत्रों में एसआईआर अभियान में बेहतर काम करने वाले पांच-पांच बीएलओ को सम्मानित करेंगे। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। बुधवार को अपर जिलाधिकारी ने निर्वाचन कार्यों की समीक्षा की। वे विश्वविद्यालय के अतिथिगृह में बैठक करेंगे, वहीं से रवाना हो जाएंगे।

## जीएसवीएम में राज्य स्तरीय फिजियोलॉजी सम्मेलन

**पहली बार**

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एआई, स्पोर्ट्स, इन्फ्रेंटियल स्टेटिस्टिक्स व एंबुलेटरी ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग पर होंगी कार्यशालाएं

**अमृत विचार।** जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में पहली बार राज्य स्तरीय फिजियोलॉजी सम्मेलन-2026 का आयोजन 12 मार्च से 14 मार्च तक किया जाएगा। कॉलेज प्रशासन के मुताबिक यह प्रतिष्ठित आयोजन फिजियोलॉजी विभाग के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। सम्मेलन को उत्तर प्रदेश राज्य चिकित्सा परिषद (यूपीएसएमसी) से नौ क्रेडिट घंटे प्राप्त हुए हैं, जो इसकी शैक्षणिक गरिमा और वैज्ञानिक महत्त्व को रेखांकित करता है।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में फिजियोलॉजी विभाग की नोडल अधिकारी डॉ. डॉली रस्तोगी के मुताबिक सम्मेलन में एक मिनट की प्रस्तुति (फ्लैश टॉक) का नवाचार होगा, जिसमे स्नातक स्तर के मेडिकल छात्रों के लिए पहली बार किसी राज्य स्तरीय या राष्ट्रीय फिजियोलॉजी सम्मेलन में अनुदृष्टि फ्लैश टॉक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह एक अभिनव कदम है, जो युवा मेधावी छात्रों को चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े अपने नवोन्मेषी विचारों को प्रस्तुत करने का एक सुनहरा मंच प्रदान करेगा। वहीं, चिकित्सा शिक्षा में गुणवत्ता और शोध क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सम्मेलन के दौरान चार विशेष आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, स्पोर्ट्स फिजियोलॉजी, इन्फ्रेंटियल स्टेटिस्टिक्स व एंबुलेटरी ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो.संजय काला के मुताबिक इस सम्मेलन की एक और अनूठी पहल एक लाइव रिसर्च प्रोजेक्ट का आयोजन भी किया जाएगा। इस शोध के लिए नैतिक स्वीकृति (एथिकल क्लियरेंस) प्राप्त कर ली गई है। कार्यशालाओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की सीखने की प्रक्रिया (लर्निंग आउटकम) का वास्तविक समय (रियल-टाइम) में आकलन किया जाएगा। इससे भविष्य में इस प्रकार की शैक्षणिक कार्यशालाओं को और अधिक प्रभावी व गुणवत्तापूर्ण बनाने में सहायता मिलेगी।

### सम्मेलन के लिए गठित की गई समिति

- नोडल अधिकारी डॉ. डॉली रस्तोगी ने बताया कि सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए एक सशक्त समिति गठित की गई है, जिसके संरक्षक, कॉलेज के प्राचार्य प्रो. संजय काला, सह-संरक्षक कॉलेज की उप प्राचार्य प्रो. रिचा गिरी, आयोजन अध्यक्ष डॉ. डॉली रस्तोगी, आयोजन सह-अध्यक्ष डॉ. मुनीष रस्तोगी, सचिव डॉ. आतोप कुमार, संयुक्त सचिव डॉ. जयवर्धन सिंह व डॉ.प्रीति कनौजिया है। समिति के सदस्यों के मुताबिक सम्मेलन में पूरे देश के प्रसिद्ध विशेषज्ञ, वक्ता के रूप में शामिल होंगे। पूरा आयोजन शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवाचार को समर्पित रहेगा।

## बिना पंजीयन सरकारी संस्थानों में कर रहे ठेकेदारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

### दिसंबर 2026 तक बालश्रम की प्रथा होगी समाप्त

- जिलाधिकारी ने बाल श्रम उन्मूलन की बैठक की, जिसमे कहा कि दिसंबर 2026 तक बाल श्रम की कुप्रथा को जड़ से समाप्त करना है, जिसके लिए सभी संगठनों का सहयोग मांगा गया। सभी विभाग समन्वय स्थापित करके कार्य करेंगे। शासन के निर्देश पर लक्ष्य की पूर्ति के लिए नायब तहसीलदार तक के अधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाया गया है और वह सीधे सीजेएम कोर्ट में परावर्तन का कार्य करते हुए कार्रवाई कर सकते हैं। बताय गया कि 473 बच्चें 14 से 18 वर्ष की उम्र के अंदर के अभी तक चिन्हित हुए हैं, जिन्हें नवभारत साक्षरता योजना के अंतर्गत शिक्षित किया जाएगा।

**अमृत विचार।** प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के अंतर्गत भारत सरकार की 99,446 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है, जिसमें मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को चार साल और दूसरे सेक्टर को दो साल तक फायदा मिलेगा। इस संबंध में सरसैयाघाट स्थित प्रेक्षागार में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बैठक की, जिसमे सहायक श्रम आयुक्त राम लखन पटेल योजना की जानकारी दी। बताया कि सरकारी संस्थानों में ठेकेदारी कर रहे अधिकतर ठेकेदारों ने पंजीयन नहीं कराया है।

बताया कि योजना में जॉब क्रिएशन का टारगेट तय किया गया है, जिसमें 3.5 करोड़ नए रोजगार सृजित किए जाएंगे। योजना को लागू करने और क्रियान्वित करने की जिम्मेदारी कर्मचारी भविष्य निधि कार्यालय को दी गई है जिनके जरिए ये स्कीम लागू की गई है। स्कीम के दो हिस्से हैं, पार्ट ए (पहली बार) और पार्ट बी। कर्मचारियों के लिए स्कीम एक अगस्त 2025 को शुरू की थी, जो 31 जुलाई 2027 तक संचालित की जाएगी। बताया कि पहली बार काम करने वालों के लिए सरकार से आर्थिक सहायता प्राप्त होगी और औपचारिक कार्यबल में ज्यादा युवाओं की भागीदारी हो सकेगी। पहली बार काम करने वालों के लिए सामाजिक सुरक्षा लाभों का कवरेज का लाभ भी प्राप्त होगा। कर्मचारियों को आर्थिक साक्षरता कौशल के अंतर्गत काम के दौरान प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे पहली बार काम करने वाले रोजगार के योग्य बन सकेंगे। वहीं, योजना के जरिए रोजगार पाने की क्षमता में सुधार व उद्योगों को लाभ होगा। इस योजना से अतिरिक्त रोजगार पैदा होगा, जिससे उत्पादन करने की लागत में कमी आएगी। बताया कि जिले में 1098 कर्मचारियों का इस योजना में अभी पंजीयन नहीं हुआ है, जिसपर भविष्य निधि आयुक्त ने सभी उद्योग संगठनों से अपील की है कि जल्द से जल्द बचे हुए कर्मचारियों का पंजीयन कर दें। कहा कि सरकारी संस्थानों में ठेकेदारी कर रहे अधिकतर ठेकेदारों ने पंजीयन नहीं कराया है।

प्राथमिक विद्यालय परिसर में बच्चों संग स्वयंसेवक। अमृत विचार

## स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर बल

**कानपुर।** चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कृषि महाविद्यालय जमुनाबाद, गोला, लखीमपुर खीरी की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने बुधवार को विशेष शिविर का आयोजन किया, जिसमे स्वयंसेवकों ने व्यायाम व योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर बल दिया। इसके बाद वह गोदित ग्राम रामपुर जंगल में पहुंचकर मंदिर और प्राथमिक विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान, आर्थिक सर्वेक्षण व मतदाता जागरूकता आभियान चलाया। ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक के लिए रैली निकाली। डॉ.रविन्द्र नाथ ने स्वयंसेवकों को रक्त समूह, रक्तदान व उसके महत्व पर जानकारी दी। डॉ.अनिल कुमार सिंह, डॉ.आनन्द कुमार पाण्डेय, डॉ. सतेन्द्र कुमार, डॉ. हिमांशु मिश्र, डॉ. अनुप कुमार समेत आदि रहे।

**शिक्षा जगत** | प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत होगा कार्यक्रम

# आईआईटी में स्टूडेंट्स के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थी व प्रोफेसर। अमृत विचार

**अमृत विचार।** आईआईटी कानपुर के इमैजिनियरिंग लैब में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई 4.0) के अंतर्गत असिस्टेंट मशीनिस्ट- आयरन एंड स्टील कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को प्रिसिजन मैन्युफैक्चरिंग सिस्टम से जुड़ी आधुनिक तकनीकों में उन्नत प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। दावा है कि आईआईटी कानपुर में इस प्रकार का कौशल विकास कार्यक्रम पहली बार बड़े स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में विद्यार्थियों की तकनीकी क्षमता व रोजगार के अवसरों को बढ़ाना है। यह कार्यक्रम आईआईटी के निदेशक प्रो.मणींद्र अग्रवाल के मार्गदर्शन में होगा।

रिसर्च एंड डेवलपमेंट के डीन प्रो.तरुण गुप्ता के मुताबिक यह कोर्स 420 घंटे का प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जो 70 दिनों तक चलेगा। इसमें प्रतिदिन छह घंटे का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस पहल के अंतर्गत संस्थान चरणबद्ध तरीके से लगभग 360 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने की योजना बना रहा है, जिससे उन्नत मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार किया जा सके। इस कार्यक्रम के अंतर्गत आगे आयरन एंड स्टील – असिस्टेंट मशीनिस्ट, रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन – कोबोट्स इंजीनियर और एडवांस्ड मेकाट्रॉनिक्स इंजीनियर कोर्स भी चरणबद्ध तरीके से आयोजित किए जाएंगे। पहले चरण में कानपुर के लगभग 40 प्रतिभागियों ने असिस्टेंट मशीनिस्ट – आयरन एंड स्टील कोर्स के लिए पंजीकरण कराया है। कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम में शैक्षणिक और तकनीकी क्रियान्वयन की देखरेख कार्यक्रम के समन्वय प्रो. बिशाख भट्टाचार्य और डॉ.अमनदीप सिंह ओबेरॉय करेंगे, जिनके मुताबिक इस कार्यक्रम में 4-आई लैब सेंट्रल वर्कशॉप और टिंकरिंग लैब का सक्रिय सहयोग है। इस प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को एडिटिव और सब्ट्रैक्टिव मशीनिंग, पारंपरिक और उन्नत मेटल कटिंग प्रक्रियाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वह उद्योग के लिए तैयार हो सकें। इस पहल का उद्देश्य भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में विद्यार्थियों की तकनीकी क्षमता और रोजगार के अवसरों को बढ़ाना है।

# महिला आयोग जनसुनवाई में 10 प्रकरण आए, कार्रवाई के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

शिकायतें सुनतीं महिला आयोग की सदस्य। अमृत विचार

**अमृत विचार।** उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम द्विवेदी एवं अनिता गुप्ता ने बुधवार को कानपुर नगर में आयोजित जनसुनवाई में महिलाओं की समस्याएं सुनीं और प्राप्त शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। स्थानीय सभागार में आयोजित इस जनसुनवाई में घरेलू हिंसा, पारिवारिक विवाद और उत्पीड़न से जुड़े मामलों पर विस्तार से सुनवाई की गई।

जनसुनवाई के दौरान कुल 10 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें घरेलू हिंसा, ससुराल पक्ष द्वारा उत्पीड़न, मारपीट और पारिवारिक विवाद से जुड़े प्रकरण शामिल रहे। आयोग की सदस्यों ने सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ जांच कर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सदस्य पूनम द्विवेदी ने कहा कि महिलाएं उत्पीड़न या अन्याय की स्थिति में बिना भय के अपनी शिकायत आयोग के समक्ष रखें। जनसुनवाई के बाद आयोग की सदस्यों ने संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर प्रकरणों की प्रगति की भी समीक्षा की। इस मौके पर जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रीति, महिला थाना प्रभारी कमर सुल्ताना सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

टीमों का गठन करते पीके मिश्रा।

## क्रिकेट लीग के लिए हुआ टीमों गठन

**उन्नाव, अमृत विचार।** जिला क्रिकेट एसोसिएशन के महामंत्री पीके मिश्रा ने बताया कि 13 मार्च से शुरू होने वाली श्याम प्रकाश श्रीवास्तव अंडर-23 जनपदीय क्रिकेट लीग के लिये बुधवार को राजा शंकर सहाय इंटर कॉलेज उन्नाव में टीमों का गठन किया गया। जिसमें जिले से आए करीब 56 पंजीकृत खिलाड़ियों को 4 टीमों पीकेसी, इंटरनेशनल क्लब, यूसीसी व आइडियल क्लब में ट्रायल के आधार पर बांटा गया। प्रतियोगिता का पहला मैच यूसीसी व इंटरनेशनल क्लब के बीच 13 मार्च को सुबह 9 बजे से रामकली स्टेडियम शुक्लागंज में खेला जाएगा।

## दो बाइकों की टक्कर में दो लोग घायल

**शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार :** गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के गंगा बैराज चौकी अंतर्गत ट्रांसगंगा सिटी में बुधवार को दो बाइकों की आमने-सामने हुई टक्कर में दो लोग घायल हो गए। भटपुरवा गांव निवासी नन्हा पुत्र कल्लू किसी कार्य से जा रहा था। तभी सामने से आ रही दूसरी बाइक से उसकी टक्कर हो गई। दूसरी बाइक साहिल पुत्र अजय पाल चला रहा था। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए। सूचना पर वहां से गुजर रही पीआरवी पहुंच गई। पीआरवी ने तत्काल घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया जहां पर दोनों का उपचार किया जा रहा है।

# खेत की रखवाली करने गए अधेड़ का खून से लथपथ मिला शव

### बेटे की तहरीर पर पिता-पुत्र समेत चार के विरुद्ध हत्या की रिपोर्ट दर्ज, फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के गांव ख़ुशरुपुर के मजरा भिखारीपुर का मामला

कार्यालय संवाददाता फतेहपुर चौरासी, उन्नाव

**अमृत विचार:** खेत की रखवाली करने खेत गए किसान की मंगलवार देररात धारदार हथियार से वारकर हत्या कर दी गई। मृतक के बेटे ने जमीनीन रंजिश के चलते गांव निवासी पिता-पुत्र व पड़ोसी गांव के दो लोगों सहित 4 को नामित कर हत्या की आशंका जता रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के गांव ख़ुशरुपुर के मजरा भिखारीपुर निवासी कन्हैयालाल (55) मंगलवार शाम करीब 6 बजे घर से

घटनास्थल पर मौजूद पुलिस व ग्रामीण। ● अमृत विचार

अपने खेत की रखवाली करने को गए थे। बुधवार सुबह काफी देर तक घर न आने पर बेटे राकेश ने वहां जाकर देखा तो झोपड़ी के पास पड़ी चारपाई पर पिता का खून से लथपथ शव पड़ा था। राकेश ने बताया कि वह मंगलवार रात 8 बजे पिता को खाना देने गया था और रात 1 बजे वापस आया था। बताया कि 6 वर्ष पूर्व गांव निवासी नंगू का एक बिसुआ प्लाट पिता ने खरीदा था। 6 माह पूर्व जब प्लाट पर कब्जा लेना शुरू किया गया तो नंगू ने बेटे सोहन व दैनीपुरवा गांव निवासी हरिपाल व ज्ञानी के साथ मिलकर विरोध जताया था और पिता को जान से मारने की धमकी दी थी। इससे आशंका है कि पिता की हत्या उन्हीं लोगों ने की है। सूचना पर एएसपी प्रेमचंद्र, सीओ सोनम सिंह, फारेंसिक टीम व डाग स्क्वायड ने भी पहुंचकर घटना की जांच की। एसओ ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि मृतक के बेटे राकेश की तहरीर पर 4 लोगों के विरुद्ध हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये एसओजी सहित 4 टीमें लगी हैं।

### मनोकांत हत्याकांड: पुलिस की मौजूदगी में हुआ अंतिम संस्कार

गांव में मौजूद पुलिस व लगी ग्रामीणों की भीड़।

**शुक्लागंज, उन्नाव :** गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के बसधना गांव में हुए चर्चित मनोकांत हत्याकांड के तीसरे दिन बुधवार को मृतक का अंतिम संस्कार किया गया। उसके भतीजे मोहित ने दोपहर 12 बजे अंतिम संस्कार किया। इस दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए गंगाघाट पुलिस गांव में तैनात रही। बताते चलें कि 8 मार्च की रात बसधना गांव में विवाद में मनोकांत उर्फ मन्ने गुरु की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद शव माखी थानाक्षेत्र में फेंका गया था। पुलिस ने मामले में विपिन सिंह, शिवम सिंह व अजय सिंह को जेल भेज दिया है। वहीं अन्य आरोपी वंश सिंह की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। मंगलवार को पीएम के बाद शव घर लाया गया था। जहां परिजनों ने छोटे भतीजे शुभम उर्फ दुल्लर के आने पर अंतिम संस्कार कराने की बात कही थी। बुधवार को चेन्नई से शुभम घर पहुंचा। इसके बाद बड़े भतीजे मोहित ने परिजनों के साथ अंतिम संस्कार किया। अंतिम संस्कार के समय गांव में फोर्स मौजूद रहा और पूरे क्षेत्र में सतर्कता बनाए रखी गई। मृतक के भाई कमलाकांत ने पुलिस से मामले में शामिल अन्य आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक सभी आरोपियों को पकड़ा नहीं जाएगा। तब तक परिवार को न्याय नहीं मिल सकेगा। स्थिति को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर निगरानी रखी जा रही है।

## बिना सुरक्षा इंतजामों के सई नदी पुल शुरू

**हसनगंज उन्नाव, अमृत विचार :** करोड़ों की लागत से बना पुल आवागमन के लिए सुरक्षित नहीं है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कस्बा वासियों ने नाराजगी जताई है। लखनऊ-बांगरमऊ संपर्क मार्ग पर कस्बा मोहन के सई नदी पर 17 करोड़ 33 लाख से बने पुल पर रोज लाखों वाहनों का आवागमन होता है लेकिन पुल पर सुरक्षा को लेकर कोई कार्य नहीं हुए और पुल को आवागमन के लिए खोल दिया गया है। लोगों के अनुसार, पुल पर न ही सफेद पट्टियां है, न ही क्रैश गार्ड लगे हैं और न ही हाई लाइट जैसे जरूरी सुरक्षा कार्य पूरे हुए हैं। जिस पर कस्बावासियों ने नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि जब तक सुरक्षा उपाय पूरे नहीं होते तब तक पुल चालू करना खतरनाक है इससे कभी भी कोई भी घटना हो सकती है। इसके साथ पुल से 10 मीटर दूर एक तीव्र घुमावदार मोड़ है जो तेज रफ्तार वाहनों के लिए खतरनाक है।

# शीतला माता मंदिर में गूंजे जयकारे, श्रद्धा व उल्लास के साथ मना बसौड़ा पर्व

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

**अमृत विचार:** शहर के सिटी पावर हाउस स्थित प्राचीन मां शीतला देवी मंदिर में बुधवार को बसौड़ा अष्टमी हर्षोल्लास के साथ मनी। आरोग्य की देवी मां शीतला के दर्शन-पूजन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं विशेषकर महिलाओं की भीड़ रही।

परंपरा का निर्वहन करते हुए महिलाओं ने एक दिन पूर्व बने पकवानों (बासी भोजन) का मां को भोग लगाया। मान्यता है कि बसौड़ा के दिन ठंडा भोजन करने व शीतला माता की पूजा करने से परिवार में सुख-समृद्धि आती है और बीमारियां दूर रहती हैं। भक्तों ने माता को सिंदूर अर्पित किया। चुनरी चढ़ाई और विधिवत धूप-दीप से आरती कर

मां की पूजा-अर्चना करतीं श्रद्धालु महिलाएं। ● अमृत विचार

**● मां शीतला देवी के मंदिरों में सुबह से लगने लगी श्रद्धालओं की भीड़**

क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। दोपहर तक मंदिर में भक्तों की भीड़ देख प्रशासन भी मुस्तैद रहा। भीड़ अनियंत्रित न हो इसके लिए फोर्स तैनात था। सिपाहियों ने महिलाओं को कतारबद्ध करवाकर सुव्यवस्थित तरीके से दर्शन कराए। मंदिर परिसर दोपहर बाद तक जय माता दी के जयकारों से गूंजता रहा। जानकारों के अनुसार यह पर्व ऋतु परिवर्तन का संदेश देता है। शीतलाष्टमी के बाद से ही ग्रीष्म ऋतु का प्रभाव बढ़ने लगता है। जिससे खान-पान में शीतलता व स्वच्छता का ध्यान रखने की सलाह दी जाती है।

### मां शीतला के दरबार में उमड़े भक्त कल्याणी तट पर गूंजे जयकारे

**बांगरमऊ, उन्नाव :** शीतलाष्टमी पर बुधवार को नगर के पश्चिमी छोर पर पवित्र कल्याणी नदी तट पर स्थित मां शीतला देवी मंदिर में सुबह से ही मंदिर परिसर भक्तों से पट गया। जहां श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि व आरोग्य की कामना के साथ माता के दर्शन किए। भक्तों ने मां शीतला का मनमोहक श्रृंगार किया था। महिला व पुरुष श्रद्धालुओं ने विधिविधान से पूजन-अर्चन किया। प्रमुख पुजारी बलराम यादव ने बताया कि मान्यता के अनुसार आज के दिन मां शीतला की पूजा करने से शीतलता मिलती है और सभी रोग व दोष दूर होते हैं। पर्व का उत्साह देख चेयरमैन रामजी गुप्ता, समाजसेवी आकाश निषाद, चौधरी आशीष सिंह गोलू, भाजपा नेता बाला राव गुप्ता व विवेक पटेल आदि ने शिविर लगाकर श्रद्धालुओं को प्रसाद बांटा। विधायक श्रीकांत कटियार व पूर्व मंत्री चौधरी अशोक सिंह बेबी ने भी मंदिर पहुंचकर माता का आशीर्वाद लिया। मंदिर के बाहर लगा परंपरागत मेला आकर्षण का केंद्र रहा।

### मां के मंदिरों में हुई पूजा-अर्चना

**शुक्लागंज, उन्नाव :** शीतलाष्टमी पर नगर व ग्रामीण क्षेत्र के मंदिरों में महिलाओं ने विधिविधान से पूजा अर्चना की। इसके साथ बासी भोजन का भोग लगाया। सुबह से ही शीतला माता की माता की पूजा करने के लिए महिलाओं की भीड़ रही। राजमार्ग स्थित प्राचीन श्री दुर्गा मंदिर पोनी रोड स्थित शीतला माता मंदिर के अलावा नगर व ग्रामीण क्षेत्र के देवी मंदिरों में सुबह से ही महिलाओं की भीड़ मां शीतला की पूजा को लगी रही। पूजा करने वाली महिलाओं ने एक दिन पहले ही घरों में तरह-तरह के पकवान बनाये। जिसके बाद बुधवार सुबह से महिलाएं समूह के रूप में गीत गाते हुए पूजा करने के लिए मंदिर पहुंचीं और विधिविधान से पूजा अर्चना करने के साथ ही उन्हें भोग लगाया। दुर्गा मंदिर के पंडित विनोद पांडे ने बताया कि होली के बाद सातवें और आठवें दिन देवी शीतला माता की पूजा की परंपरा है। शीतला माता का जिक्र स्कंद पुराण में मिलता है। मान्यता है कि इनकी पूजा व व्रत करने से चेचक के साथ अन्य तरह की बीमारियां और संक्रमण नहीं होता है। जिसके बाद से लोग शीतलाष्टमी पर वासी भोजन का भोग लगाकर प्रसाद ग्रहण करता है। उसकी काया निरोग बनी रहती है।

# चकबंदी प्रक्रियाधीन गावों में लगेगी चौपाल, तिथियां निर्धारित

**उन्नाव, अमृत विचार:** डिप्टी कलेक्टर/बंदोबस्त चकबन्दी अधिकारी रामदेव निषाद ने कहा कि चकबन्दी प्रक्रियाधीन गावों में कृषकों का फीडबैक लेकर उनकी समस्याओं का निराकरण करने के लिये ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया है। जिसमें किसान अपनी समस्या का समाधान करा सकते हैं।

बताया कि तहसील बीघापुर के गांव मालौना में 16 मार्च को, पिपरासर में 23 मार्च को, गैर एहतमाली में 24 मार्च को बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी चौपाल लगाएंगे। तहसील बांगरमऊ के जिरिकपुर गांव में 18 मार्च, तहसील उन्नाव के कंजारा गांव में 12 मार्च व तारगांव

**● किसान चौपाल में करा सकते समस्या का समाधान**

में 19 मार्च को चकबंदी अधिकारी अंतिम अभिलेख चौपाल लगाएंगे।

फिरोजपुर खुर्द तहसील सफीपुर 18 मार्च, सालेपुर खलील नगर में 19 मार्च को चकबंदी अधिकारी सफीपुर चौपाल लगाएंगे। जांगड़ तहसील बांगरमऊ 17 मार्च को, अतरधनी में 24 मार्च को चकबंदी अधिकारी बांगरमऊ चौपाल लगाएंगे। इसी प्रकार रामनगर ऐहतमाली तहसील बीघापुर में 16 मार्च, बीघापुर कला तहसील बीघापुर में 23 मार्च को चकबंदी अधिकारी बीघापुर चौपाल लगाएंगे।

# फंदे से लटककर युवक ने की खुदकशी, मचा कोहराम

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

**अमृत विचार:** सदर कोतवाली अंतर्गत बाबूगंज फाटक निवासी युवक ने घर में फंदे से लटककर जान दे दी। इसकी खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। अस्पताल के मेमो पर शव मोर्चरी में रखवाकर पुलिस को सूचना दी गई है।

शहर के मोहल्ला बाबूगंज फाटक निवासी वीरेंद्र (38) पुत्र स्व. मुकेश सैनी चालक था। 3 साल पहले सड़क हादसे में वह गंभीर घायल होने से एक पैर से दिव्यांग हो गया था। तभी से वह घर पर रहता था। बुधवार दोपहर वह अपने दोस्त निखिल के साथ कहीं गया था। जहां से लौटकर वह अपने कमरे में दुपट्टे के फंदे से लटका गया। पत्नी खुशबू कमरे में पहुंची तो उसे लटका देख उसकी चीख निकल गई। चीख सुन परिजन व पड़ोसियों ने पहुंचकर फंदा काटकर उसे जिला अस्पताल की इमरजेंसी पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने उसे जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। पत्नी

मोर्चरी में मौजूद परिजन। ● अमृत विचार

**● सड़क हादसे में एक पैर से दिव्यांग हो गया था मृतक वीरेंद्र तभी से वह घर पर रहता था**

खुशबू ने बताया कि पति के एक्सीडेंट के बाद से वह लोगों के घरों में खाना बनाकर व अन्य काम कर परिवार पालती है। उसके दो बच्चों में कृष्ण व कार्तिक हैं। उसकी मौत से पत्नी, मां शशि व बहनें गिल्ला, मोना व सालनी बेहाल रहीं। अस्पताल कर्मियों ने शव मोर्चरी भेजकर पुलिस को मेमो भेजा है।

### किशोरी ने ट्रेन के सामने लगाई छलांग, मौके पर मौत

**शुक्लागंज, उन्नाव :** गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में बुधवार शाम रेलवे पुल पर अप लाइन पर ट्रेन के सामने एक किशोरी ने छलांग लगा दी। जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं ट्रैक पर शव पड़ा होने से 4 मिनट तक आगरा फोर्ट खड़ी रही। प्रेम नगर निवासी राजू गौतम की 16 वर्षीय बेटी शलिनी गौतम मानसिक रूप बीमार थी। बुधवार दोपहर वह घर से निकली थी। शाम करीब 5 बजे वह रेलवे पुल पर अप लाइन के पास पोल संख्या 68/29 के पास पहुंच गई। जहां कानपुर जा रही ट्रेन के आगे उसने छलांग लगा दी। इसमें उसकी मौके पर मौत हो गई। इसकी जानकारी स्टेशन मास्टर को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांचके बाद शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

### चेयरमैन प्रतिनिधि ने बार को भेंट किया एसी

कार्यक्रम में मौजूद चेयरमैन प्रतिनिधि व अधिवक्तागण।

**सफीपुर उन्नाव, अमृत विचार :** नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सौरभ वाजपेयी (राजा बेटा) ने अपने स्वर्गीय पिता सुभाष चंद्र वाजपेयी (एडवोकेट) की स्मृति में अधिवक्ताओं को बड़ी सौगात दी। उन्होंने बार एसोसिएशन कक्ष के लिए एक एयर कंडीशनर भेंट किया। जिससे गर्मी में वकीलों को कार्य करने में राहत मिलेगी। संबोधित करते हुए सौरभ वाजपेयी ने कहा कि मेरे पिता स्व. सुभाष चंद्र वाजपेयी जीवनपर्यंत न्याय व्यवस्था व समाज सेवा के प्रति समर्पित रहे। उन्हीं की प्रेरणा से मैंने अधिवक्ताओं की सुविधा हेतु यह छोटा सा प्रयास किया है। मेरा उद्देश्य है कि गर्मी में हमारे अधिवक्ता भाइयों को चेंबर में कार्य करने में असुविधा न हो। एसी देने से पूर्व बार एसोसिएशन में होली मिलन का आयोजन हुआ। इसमें सभी अधिवक्ताओं ने एक-दूसरे को अबीर व गुलाल लगाकर गले लगाया और होली की बधाई दी। अधिवक्ताओं ने उनके पिता को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान बार अध्यक्ष रामखेलावन कुरील व महामंत्री संजीव शुक्ला, पूर्व महामंत्री श्याम सुंदर यादव, अशोक सेठ, सत्यनारायण कन्नौजिया, आफताब हैदर, कृष्ण कुमार गौड़, प्रशांत त्रिपाठी, सुधीर कुमार, रामशंकर कुशवाहा, डीके कनौजिया, सतगुरु प्रसाद मिश्रा, दीपक गौड़, सृजन गुप्ता, शिव सिंह यादव, नागेंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

### मतदाता सूची में धांधली का आरोप, सपा नेता तहसील में धरने पर बैठे

**बांगरमऊ- उन्नाव, अमृत विचार :** हसनपुर सगौड़ा में मतदाता पुनरीक्षण कार्य में कथित मनमानी को लेकर बुधवार को सपा नेता डॉ. शशांक शेखर शुक्ला ने आरोपों के विरोध में तहसील परिसर में धरना देकर प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। गांव हसनपुर सगौड़ा निवासी एक व्यक्ति ने सपा नेता को फोन पर शिकायत की थी कि उसने नाम बढ़वाने के लिए सभी जरूरी दस्तावेज व औपचारिकताएं पूरी कर लीं फिर भी बीएलओ उसका नाम मतदाता सूची में जोड़ने से इनकार कर रही है। डॉ. शुक्ला ने बताया कि उन्होंने मामले की गंभीरता देख पहले बीएलओ से फोन पर बात कर जानकारी लेनी चाही लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। सपा नेता समर्थकों के साथ तहसील पहुंचे और धरने पर बैठ गए औरउपजिला निर्वाचन अधिकारी को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा।

# कोहरे से ढकी रही बुधवार की सुबह

शुक्लागंज उन्नाव

**अमृत विचार:** मार्च शुरू होते ही मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। बुधवार सुबह अचानक घने कोहरा व धुंध छा गई। जिससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। इस अप्रत्याशित मौसम परिवर्तन ने लोगों को हैरान कर दिया। क्योंकि आमतौर पर इस मौसम में कोहरा देखने को नहीं मिलता।

सुबह नवीन पुल, फोरलेन, आजाद मार्ग, बैराज मार्ग व हाईवे सहित नगर व ग्रामीण क्षेत्र में कोहरे की परत जमी रही। धुंध से दृश्यता इतनी कम हो गई कि सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम गई। चालकों को हेडलाइट जलाकर रेंगते हुए आगे बढ़ना पड़ा। पुल व हाईवे पर दूर तक कुछ स्पष्ट दिख नहीं रहा था। जिससे दफ्तर व स्कूल जाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह आठ बजे के बाद कोहरे का असर कम हुआ। वहीं दोपहर में तेज धूप निकल आई। जिससे गर्मी का अहसास हुआ। मौसम विशेषज्ञों

सुबह के समय नवीन पुल पर छाई कोहरे की चादर।

**● मार्च में बदले मौसम के मिजाज से जनजीवन हुआ अस्त-व्यस्त**

के अनुसार रेडिएशन फॉग तब बनता है जब दिन में तेज धूप से धरती गर्म होती है और रात में साफ आसमान होने पर वह गर्मी तेजी से विकिरण के रूप में बाहर निकलती है। जिससे नमी कोहरे में बदल जाती है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले एक-दो दिनों तक सुबह हल्की धुंध या कोहरा रह सकता है। लेकिन दिन चढ़ने के साथ मौसम साफ हो जाएगा।

# स्टाफ नर्स ने प्रभारी सीएमएस पर लगाए गंभीर आरोप

**कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार :** जिला महिला चिकित्सालय में संविदा पर कार्यरत स्टाफ नर्स ने प्रभारी सीएमएस पर अभद्रता करने के साथ अन्य गंभीर आरोप लगाये हैं। नर्स ने मामले की शिकायत महिला आयोग में की है। वहीं सीएमएस ने आरोपों को बेबुनियाद बताया है। महिला चिकित्सालय में संविदा पर तैनात स्टाफ नर्स ने प्रभारी सीएमएस डॉ. अरविंद आनंद पर गलत दृष्टि रखने, बेवजह मानसिक प्रताड़ित करने सहित अन्य गंभीर आरोप लगाये हैं। नर्स ने महिला आयोग को भेजी शिकायत में बताया कि सीएमएस उसे बार-बार कमरे में बुलाते हैं। रोस्टर के मुताबिक उसकी ड्यूटी नहीं लगाई जाती। यदि इसका विरोध करो तो नौकरी से हटवाने के लिए उसका रिनीवल रुकवाने का प्रयास करते हैं। आकस्मिक अवकाश लेने पर उसे अस्पताल आकर नोट लिखने को कहा जाता है। नर्स के मुताबिक उसने पूरे मामले की जानकारी मौखिक रूप से सीएमओ को भी दी थी। वहीं शिकायती पत्र सार्वजनिक होने के बाद से मामला अस्पताल में चर्चा का विषय बना है। वहीं इस पर अपना पक्ष रखते हुए सीएमएस डॉ. अरविंद आनंद ने आरोप मनगढ़ंत बताए हैं। बताया कि नर्स बिना अवकाश लिए तीन दिन ड्यूटी से गायब थी। जिस पर लिखित कार्रवाई की थी। उन्होंने पूरे मामले के पीछे पुरुष चिकित्सालय के एक डॉक्टर की साजिश बताई है। कहा कि उन्होंने पूरे मामले की जानकारी डीएम व विभागीय उच्चाधिकारियों को दे दी है।

### भगवती के स्मरण मात्र से पापों का होता नाश

मां की महिमा का बखान करते व्यास।

**शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार :** गोपीनाथपुरम स्थित सरोज सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित श्रीमद् देवी भागवत कथा के प्रथम दिवस पर बुधवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। नैमिषारण्य धाम से आए तपोनिष्ठ 1008 श्री स्वामी नारदानन्द के कृपापात्र शिष्य 108 श्री स्वामी ओमप्रकाशानन्द सरस्वती जी महराज ने कथा का श्रीगणेश करते हुए देवी भागवत के महात्म्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। बताया कि श्रीमद् देवी भागवत पुराण के प्रथम स्कंध का पहला अध्याय सूत जी और शौनक आदि ऋषियों के संवाद से शुरू होता है। इसमें नैमिषारण्य में ऋषियों द्वारा देवी भागवत महात्म्य, भगवती के स्वरूप और उनके द्वारा संसार के पालन-पोषण का वर्णन है। कथा व्यास ने कहा कि भगवती जगदम्बा के सुकोमल चरण कमलों का स्मरण मात्र सभी पापों का नाश करता है। यह पुराण ज्ञान, भक्ति और मुक्ति प्रदान करने वाला है। उन्होंने बताया कि एक बार भगवान श्रीकृष्ण के लौटने में विलंब हुआ तो वसुदेव ने नारद जी के कहने पर देवीभागवत का अनुष्ठान किया, जिससे मां भगवती की कृपा प्राप्त हुई। इस अवसर पर परीक्षित के रूप में प्रेम शंकर बाजपेयी व मंजू बाजपेयी दम्पति उपस्थित रहे। इसके अलावा प्रधानाचार्य दुर्गेश भरद्वाज व विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

### परीक्षा की दोनों पालियों में 482 में से 18 छात्रों ने छोड़ी परीक्षा

**उन्नाव, अमृत विचार :** बोर्ड परीक्षा की प्रथम पाली में हाईस्कूल संगीत गायन में 42 छात्रों में 38 उपस्थित व 4 अनुपस्थित रहे। वहीं, इंटर लेखाशास्त्र में 435 छात्रों में 424 उपस्थित व 11 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार प्रथम पाली में 477 छात्रों में 462 उपस्थित व 15 अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली में केवल 4 केंद्रों में परीक्षा हुई। जिसमें इंटर पाली भाषा विषय की परीक्षा मैचलेस इंटर कॉलेज गदनखेड़ा में थी। जिसमें 1 छात्र अनुपस्थित रहा। जबकि इंटर अरबी में 1 छात्र जीआईसी चमरौली में पंजीकृत था। वह उपस्थित रहा। इसी केंद्र पर हाईस्कूल फारसी का 1 छात्र पंजीकृत था वह अनुपस्थित रहा। जीआईसी इनायतपुर बर्रा में हाईस्कूल अरबी के दो छात्र पंजीकृत थे। जिसमें 1 उपस्थित व 1 अनुपस्थित रहा। इस प्रकार द्वितीय पाली में पांच छात्रों में दो उपस्थित तथा तीन अनुपस्थित रहे।

**सार्वजनिक सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती कलावती पत्नी स्व0मोहनलाल निवासी मोहल्ला पन्नीटोला बाँगरमऊ जिला उन्नाव ने पालिका कार्यालय में दिनांक 25-02-2026 को अपने प्रार्थना पत्र के साथ अपने पति का मृत्यु प्रमाण पत्र, पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति,शपथ पत्र व अपने पुत्रो/पुत्रियों का सहमति शपथ पत्र प्रस्तुत कर यह मांग की है। कि प्रार्थिनी के पति मोहनलाल पुत्र स्व0 रामदीन के नाम से मोहल्ला पन्नीटोला बाँगरमऊ की नगर पालिका कर पंजिका मे भवन नम्बर 66/01 मे नाम दर्ज चला आ रहा है। प्रार्थिनी के पति मोहनलाल की मृत्यु दिनांक 05-01-2023 को हो चुकी है। प्रार्थिनी अपने पति की मृत्यु के उपरान्त उक्त भवन को परिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र व मृत्यु प्रमाण पत्र,शपथ पत्र, अपने पुत्रो/पुत्रियों का सहमति शपथ पत्र,आधार कार्ड की छायाप्रति के आधार पर नगर पालिका कर पंजिका मे कर की अदायगी के लिए प्रार्थिनी ने उक्त भवन को तन्हा अपने नाम से दर्ज किये जाने की मांग की है। पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यो आवेदन पत्र, पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति,शपथ पत्र व सहमति शपथ पत्र के आधार पर यदि उक्त नामान्तरण प्रकिया को पूर्ण किये जाने मे किसी को कोई भी आपत्ति है। तो वह विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिन के अन्दर उक्त भवन से सम्बंधित सर्वमान्य रजिस्टर्ड साक्ष्य सहित मेरे समक्ष उपस्थित हो कर वह अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। बाद मियाद गुजर जाने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा और उपरोक्त नामान्तरण प्रकिया को आवेदनकर्ता के पक्ष मे पूर्ण कर दिया जायेगा तत्पश्चात नगर पालिका परिषद बाँगरमऊ की कोई जिम्मेदारी न होगी।

**अधिशाषी अधिकारी**
**नगर पालिका परिषद, बाँगरमऊ उन्नाव**

बढ़ी दिक्कत

रसोई व व्यापार पर दिखने लगा ईरान व इजराइल के बीच जारी युद्ध का सीधा असर

# इंडेन का बुकिंग नंबर बंद होने से बढ़ीं मुश्किलें, सिलिंडर को लगीं कतारें

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

**अमृत विचार:** ईरान व इजराइल के बीच जारी युद्ध का सीधा असर अब जिले की रसोई व व्यापार पर दिखने लगा है। वैश्विक तनाव के चलते एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह चरमरा गई है। आलम यह है कि जहां घरेलू सिलिंडर की आपूर्ति आधे से भी कम रह गई है वहीं व्यावसायिक सिलिंडर की सप्लाई लगभग ठप है।

शहर की इंडेन गैस एजेंसी पर सोमवार सुबह से ही तनावपूर्ण स्थिति देखने को मिली। सुबह 8 बजे से ही उपभोक्ता सिलिंडर के लिए कतारों में लग गए थे। 11

गैस एजेंसी में लगी उपभोक्ताओं की भीड़। ● अमृत विचार

बजते ही भीड़ अधिक हो गई। इसके बाद सुरक्षा व अव्यवस्था से बचने के लिए एजेंसी संचालक को मुख्य गेट बंद करना पड़ा। इसके बावजूद उपभोक्ता अपनी बुकिंग कॉपी थामे चैनल गेट के बाहर घंटों डटे रहे। आवास विकास निवासी मोनू ने बताया कि उन्होंने 2 मार्च को बुकिंग कराई थी लेकिन 10 मार्च तक सिलिंडर नहीं मिला। उपभोक्ताओं ने बताया कि एक हफ्ते से गावों में गैस की गाड़ियां नहीं पहुंची हैं। एजेंसी आने पर उन्हें सीधे गोदाम से सिलिंडर लेने को कहा जा रहा है। जिससे आम लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। उपभोक्ताओं की परेशानी तब और बढ़ गई जब इंडेन गैस कंपनी का आधिकारिक बुकिंग नंबर भी बंद हो गया। इसके चलते लोग न तो ऑनलाइन बुकिंग कर पा रहे हैं और न ही अपनी डिलीवरी का स्टेटस जान पा रहे हैं।

### पेट्रोल, डीजल व गैस की कोई किल्लत नहीं, कालाबाजारी पर होगी जेल

**उन्नाव :** जिले में ईंधन व घरेलू गैस की आपूर्ति को लेकर जिला प्रशासन ने स्थिति स्पष्ट करते हुए नागरिकों को आश्वस्त किया है। डीएम के अनुसार जिले में पेट्रोल, डीजल व घरेलू गैस का पर्याप्त स्टॉक है और आपूर्ति पूरी तरह सुचारु है। प्रशासन ने साफ किया है कि अफवाहों पर ध्यान न दें, साथ ही अवैध भंडारण करने वालों को कड़ी चेतावनी भी दी है। जिला प्रशासन ने ऑयल मार्केटिंग कंपनियों से समन्वय स्थापित कर यह सुनिश्चित किया कि जिले के सभी पेट्रोल पंप व गैस एजेंसियों पर ईंधन की उपलब्धता बनी रहे। कंपनियों द्वारा यह पुष्टि की गई है कि मांग व आपूर्ति के बीच कोई व्यवधान नहीं है। प्रशासन ने सभी पेट्रोल पंप स्वामियों व गैस एजेंसी संचालकों को निर्देश दिये हैं कि किसी भी स्थिति में पेट्रोल, डीजल या गैस की आपूर्ति को बिना कारण न रोकें और किसी भी व्यक्ति को थोक में पेट्रोल-डीजल की बिक्री न करें। घरेलू गैस का वितरण केवल पंजीकृत उपभोक्ताओं को ही नियमानुसार करना होगा। सभी क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी व पूर्ति निरीक्षक निरंतर क्षेत्र में भ्रमणशील रहें। प्रशासन ने चेतावनी दी कि यदि कोई फर्म या व्यक्ति अवैध भंडारण या कालाबाजारी करता मिला तो उस पर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

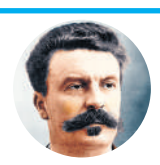

लोगों से मुलाकातें ही जीवन को जीने लायक बनाती हैं।

–गाइ दे मोपासां, फ्रेंच लेखक

## सामाजिक सहमति जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने 1937 के शरिया कानून के प्रावधानों को मुस्लिम महिलाओं के साथ भेदभावपूर्ण बताते हुए इसे निरस्त करने के अनुरोध वाली याचिका पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अब 'समान नागरिक संहिता' लागू करने का समय आ गया है। शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी वास्तव में अत्यधिक समीचीन है कि सभी धर्मों की महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए अब एक समान कानून की जरूरत विधायिका यानी सरकार को महसूस होनी ही चाहिए।

देश में विवाह, तलाक, गोद लेना, उत्तराधिकार और संपत्ति जैसे व्यक्तिगत मामलों में विभिन्न धार्मिक समुदायों के अलग-अलग व्यक्तिगत कानून लागू होते हैं। यही विविधता समय-समय पर न्यायिक और सामाजिक विवादों का कारण बनती रही है। साफ सी बात है कि पर्सनल लॉ में लैंगिक असमानता बनी रहती है, तो उसका स्थायी समाधान समान नागरिक संहिता ही हो सकती है। जब समान नागरिक संहिता का विचार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 में निहित है और जो राज्य को यह प्रयास करने का निर्देश देता है कि पूरे देश में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक कानून लागू हों, तब इसे बनाने और लागू करने में क्या हर्ज है, गोवा और उत्तराखंड जैसे राज्यों में लागू हो चुके कानून को देशव्यापी बनाने में क्या कोई राजनीतिक रोड़ा है? यूसीसी से कानून के समक्ष समानता और लैंगिक न्याय को मजबूती मिलेगी। अलग-अलग धार्मिक कानूनों के कारण विवाह, तलाक और संपत्ति अधिकारों में महिलाओं के साथ असमान व्यवहार की शिकायतें दूर हो जाएंगी। एक समान नागरिक कानून विभिन्न धर्मों के बीच कई असमानताओं को समाप्त कर नागरिकता की समान अवधारणा को मजबूत कर सकता है। इसके अतिरिक्त इससे राष्ट्रीय एकता और धर्मनिरपेक्ष शासन व्यवस्था को भी बल मिलेगा, हालांकि इस कानून के निर्माण में इसका ध्यान रखना पड़ेगा कि देश की सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता अत्यंत व्यापक है और अनेक समुदाय अपने व्यक्तिगत कानूनों को अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा मानते हैं। ऐसे में एक समान कानून लागू करने को कुछ लोग धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप के रूप में देख सकते हैं। यदि विधायिका ने इसे ध्यान में रखे बिना कानून बनाया और लागू करने की प्रक्रिया में सामाजिक संवाद और सहमति को शामिल नहीं किया तो इससे सामाजिक तनाव भी पैदा हो सकता है। आखिर संविधान निर्माताओं ने यूसीसी को मौलिक अधिकारों के बजाय नीति निर्देशक तत्वों में इसीलिए रखा था, ताकि इसे समय और सामाजिक परिपक्वता के अनुसार लागू किया जा सके। आजादी के बाद से इस विषय पर अनेक आयोग, बहसें और न्यायिक टिप्पणियां हुईं, किंतु अभी तक दो राज्यों के अलावा राष्ट्रीय स्तर पर इसे लागू नहीं किया जा सका है। कई नजरिये से यह स्पष्ट है कि समान नागरिक संहिता केवल कानूनी सुधार का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक सहमति का भी विषय है।

यदि इसका उद्देश्य वास्तव में लैंगिक न्याय, समानता और आधुनिक नागरिकता की भावना को मजबूत करना है, तो इसे जल्दबाजी के बजाय व्यापक संवाद, संवेदनशीलता और चरणबद्ध सुधारों के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

### प्रसंगवश

## पीढ़ियों का स्वभाव संसाधन व संस्कृति

'बेबी बूमर्स', 'मिलेनियल्स', 'जेन ज़ी' और अब 'जेन अल्फा', मीडिया, विज्ञापन उद्योग, शोध संस्थानों और सोशल मीडिया की भाषा में ये शब्द अब आम हो चुके हैं। इनके आधार पर पूरी पीढ़ियों के स्वभाव, आदतों और मानसिकता का विश्लेषण किया जाता है, मानो किसी विशेष वर्ष के बाद जन्म लेने वाले लोग अचानक अलग किस्म की मानसिकता के इंसान बन जाते हों, लेकिन इस प्रवृत्ति को थोड़ा ठहरकर देखा जाए तो एक बुनियादी प्रश्न सामने आता है- क्या किसी पीढ़ी का स्वभाव उसके नाम से तय होता है, या उन परिस्थितियों से जिनमें वह पली-बढ़ी होती है?

असल में 'बेबी बूमर', 'मिलेनियल' या 'जेन ज़ी' जैसे नाम समाज शास्त्रीय वर्गीकरण भर हैं। ये अध्ययन को आसान बनाते हैं, पर जीवन और समाज की जटिलताओं को पूरी तरह नहीं पकड़ पाते। किसी भी पीढ़ी को समझने के लिए यह जानना अधिक महत्वपूर्ण है कि वह किन सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संदर्भों में बड़ी हुई, क्योंकि वही संदर्भ उसके मानस और व्यवहार का असली खाका तैयार करते हैं।

डॉ. शिवम् भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर

मनुष्य का व्यक्तित्व कई तत्वों से निर्मित होता है। संसाधनों की उपलब्धता, परिवार की संरचना, शिक्षा का स्वरूप, सांस्कृतिक मूल्य और समय की तकनीकी परिस्थितियां। यही तत्व मिलकर तय करते हैं कि कोई पीढ़ी दुनिया को कैसे देखेगी और समाज के प्रति उसका व्यवहार कैसा होगा। यदि किसी समाज में संसाधन सीमित हों, तो वहां पली-बढ़ी पीढ़ी स्वाभाविक रूप से मितव्ययिता, धैर्य और प्रतीक्षा का अभ्यास सीखती है। इसके विपरीत, जहां अवसर और सुविधाएं अधिक हों, वहां की पीढ़ी अपेक्षाकृत अधिक आत्मविश्वासी और प्रयोगधर्मी होती है। यह अंतर पीढ़ी के नाम से नहीं, बल्कि उसके परिवेश से पैदा होता है।

परिवार की संरचना भी इस प्रक्रिया को गहराई से प्रभावित करती है। संयुक्त परिवारों में बच्चे विभिन्न आयु, अनुभव और स्वभाव वाले लोगों के बीच बड़े होते हैं, जहां संवाद, धैर्य, साझा जिम्मेदारी और सामूहिकता स्वाभाविक रूप से विकसित होती है। छोटे या एकल परिवारों में बच्चों का अनुभव अपेक्षाकृत सीमित दायरे में आकार लेता है; यहां स्वतंत्र निर्णय क्षमता जल्दी विकसित होती है, लेकिन सामाजिक बातचीत का व्यावहारिक प्रशिक्षण उतना व्यापक नहीं हो पाता। दोनों स्थितियां अलग-अलग जीवन दृष्टि और सामाजिक व्यवहार को जन्म देती हैं।

तकनीक ने भी हर पीढ़ी के अनुभव को बदल दिया है। रेडियो के दौर में दुनिया की जानकारी सीमित माध्यमों से मिलती थी। टेलीविजन ने दुनिया को घर के भीतर ला दिया। इंटरनेट और स्मार्टफोन ने सूचना, संवाद और मनोरंजन की पूरी संरचना ही बदल दी, लेकिन तकनीक स्वयं किसी पीढ़ी का स्वभाव तय नहीं करती। वह केवल वातावरण बदलती है। उस वातावरण में व्यक्तित्व किस दिशा में विकसित होगा, यह परवरिश और सामाजिक मूल्यों पर निर्भर करता है।

इसी कारण एक ही नाम से पहचानी जाने वाली पीढ़ी अलग-अलग समाजों में बिल्कुल अलग स्वभाव की दिखाई देती है। किसी विकसित देश का युवा और किसी विकासशील देश का युवा एक ही वर्ष में जन्म ले सकते हैं, पर उनके जीवन अनुभव, सुरक्षा बोध, अवसरों की प्रकृति और चिंताएं एक-दूसरे से बहुत अलग होती हैं। इससे साफ़ है कि पीढ़ी का नाम नहीं, बल्कि उसका सामाजिक संदर्भ उसके व्यवहार को आकार देता है। समस्या तब शुरू होती है, जब इन नामों को अंतिम सच मान लिया जाता है। जब हम कहते हैं कि 'नई पीढ़ी ऐसी है' या 'पुरानी पीढ़ी वैसी थी', तो हम समाज की जटिल वास्तविकताओं को एक आसान लेबल में समेट देते हैं; इससे समझ कम और पूर्वाग्रह अधिक पैदा होते हैं। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

# हिमालयी बुरांश के अस्तित्व पर संकट के बादल

अमित शर्मा

हल्द्वानी

उत्तराखंड अपनी प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। इस हिमालयी राज्य में विविध प्रकार की अनुपम वनस्पतियां भी प्रचुरता में मिलती हैं, जो शायद ही इस धरती पर कहीं और मिलती होंगी। उत्तराखंड का राज्य वृक्ष बुरांश, देवदार और चीड़ के घने वृक्ष, उच्च हिमालयी क्षेत्रों में प्रमुख औषधीय पौधे केदारनाथ और दुर्लभ व सुंदर फूल ब्रह्म कमल या फिर विश्व धरोहर स्थल फूलों की घाटी के रंगीन फूल और प्रमुख झाड़ी रेडोडेंड्रॉन व जूनिपर, लेकिन चिंताजनक बात यह है कि जलवायु परिवर्तन का असर प्रकृति के इन अमूल्य उपहारों पर भारी पड़ता दिखाई दे रहा है।

हम बुरांश की बात करें, तो जहां इसकी सीरत के साथ बेपनाह खूबसूरती भी जुड़ी है, वहीं इसके अस्तित्व पर भी संकट पैदा हो रहा है। दरअसल, हिमालय जितना सुंदर है, उससे कहीं अधिक गुणकारी भी है। इसकी जमीन का हर फूल-पत्ता नैसर्गिक सुंदरता में चार चांद लगाता है, तो बेहतर स्वास्थ्य के कुदरती इलाज इसके भीतर छिपे हैं। इसकी सबसे बड़ी मिसाल बुरांश का पुष्प है। अनेक गुणों से सम्पन्न इस फूल को यूं ही राज्य पुष्प का दर्जा नहीं मिला है।

बुरांश के लाल फूल फरवरी मध्य और मार्च शुरू में खिलने शुरू होते हैं, जो अप्रैल माह तक अपने खिले हुए लाल रंगों से पहाड़ों की शोभा बढ़ाते हैं। लाल, गुलाबी, काला और सफेद रंग में रंगा यह पुष्प पर्वतों की ऊंचाई के साथ अपना रंग भी बदल लेता है। उत्तराखंड, हिमाचल और पड़ोसी राज्य नेपाल की वादियों में बहुतायत से खिलता है। स्वाद में कुछ खट्टा तो इसकी पंखुड़ी में समाया रस उतना ही मीठा होता है, जिसने भी इसका स्वाद चखा हो, वह इसके स्वाद को कभी भूल नहीं सकता। यह कहा जाए कि सेहत निखारने में इसका कोई सानी नहीं, तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। यही वजह है कि जूस, शरबत, जैम, जैली और चटनी के रूप में इसे लोग खूब पसंद करते हैं।

यह फूल न केवल सौंदर्य का सरताज है, बल्कि पोषण और औषधीय गुणों से भरपूर है। बुरांश की देश भर में करीब 80 प्रजातियां पाई जाती हैं। इसमें से रोडोडेंड्रान आरबोरियम प्रजाति का फूल सबसे अधिक खूबसूरत होता है। विशेषज्ञ भी बताते हैं कि औषधियुक्त पुष्प बुरांश का कोई सानी नहीं है। इम्यूनिटी बढ़ाने में यह असीम ताकतवर है। हार्ट अटैक, रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल समेत कई रोगों की मारकशक्ति रखता है, जिसके चलते बुरांश उत्तराखंड राज्य में रोजगार का बड़ा जरिया भी बना है।

चिंताजनक पहलू यह है कि पर्यावरण में हो रहे बदलाव के कारण अब इस खूबसूरत फूल पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। एक आंकड़े के अनुसार, राज्य में हर साल इसका उत्पादन 20 से 30 प्रतिशत कम हो रहा है। इसके खिलने के बाद यह 10-15 दिनों में सूख भी जा रहा है। इसका कारण जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान, कम बर्फबारी और चीड़ के पेड़ों के बढ़ने से बुरांश की संख्या कम होना माना जा सकता है। जलवायु परिवर्तन का ही यह असर है कि अब बुरांश का समय से पहले खिलना भी बड़ी चिंता का विषय माना जा रहा है।

पहाड़ की ठंडी तासीर का फूल बुरांश जलवायु परिवर्तन और बढ़ते ताप की मार से पहले ही जूझ रहा है। वहीं, पहाड़ों में ठंडे क्षेत्रों के जंगलों में पैर पसारता चीड़ का कुनबा और कुरी झाड़ी का मकड़जाल दोनों ही बुरांश पर दोहरी मार कर रहे हैं। पहाड़ों में चीड़ का बढ़ता जंगल न केवल बुरांश व अन्य वनस्पतियों के लिए अभिशाप है, वहीं चीड़ की घनी पत्तियां जमीन में अन्य पेड़ों के बीजों को पनपने नहीं देती। वहीं, ग्रीष्म काल में जंगलों में लगने वाली आग में घी डालने का काम करती हैं।

चीड़ की ज्वलनशील लीसा पत्ती और इसके फल कई हफ़्तों तक जंगल में सुलगते रहते हैं, जिससे नए पौधे पनप नहीं पाते और पुनर्जनन प्रभावित होता है। पिछले कई वर्षों से उतराखंड के पहाड़ी राज्यों में बढ़ती वनाग्नि की घटनाओं में बुरांश व अन्य वनस्पति को खासा नुकसान पहुंचा है। नए पौधे वनों की आग में मारे गए, जिससे बड़े वृक्षों को झुलसना पड़ा। चीड़ का कुनबा कम ताप वाले जंगलों में फैलने से रोका नहीं गया, तो बुरांश के अस्तित्व पर खतरा साल दर साल बढ़ता ही जाएगा।

कुमाऊं विश्वविद्यालय डीएसबी परिसर के वनस्पति विज्ञान के प्रोफेसर ललित तिवारी कहते हैं कि बुरांश का फूल समय से पहले खिलने के कारण इसका पुनर्जनन प्रभावित हो चला है। इसके असर से भविष्य में इसके अस्तित्व के खतरे की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है। मुख्यतः बुरांश का फूल खिलने का समय फरवरी व मार्च में होता है, लेकिन अब यह दिसंबर में खिलने लगा है। पिछले 15 वर्षों से इस फूल के खिलने के समय पर नजर रखी जा रही है। साल 2024 में यह 15 दिसंबर को खिल गया था, जबकि पिछले वर्ष यानी इस सीजन में 22 दिसंबर में ही खिल गया था। जलवायु परिवर्तन इसका मुख्य कारण है। तापमान में निरंतर वृद्धि से कुदरत के इस नायाब तोहफे के खिलने का समय बदल गया है। हालांकि हिमालय क्षेत्र की विभिन्न वनस्पतियों को जलवायु ने प्रभावित किया है। उनमें बुरांश भी सर्वाधिक प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि इस फूल के समय से पहले खिलने के कारण रीजनरेशन यानी पुनर्जनन प्रभावित हुआ है, जिस कारण पुनर्जनन की समस्या खड़ी हो गई है। इस पुष्प पर निरंतर अध्ययन जारी है।

प्रभागीय वनाधिकारी आकाश गंगवार का भी कहना है कि वन विभाग भी बुरांश के पुष्प के उत्पादन पर नजर रखे हुए है। इस फूल का समय से पहले खिलना आम हो चला है, साथ ही इसके क्षेत्र में भी बदलाव आया है, हालांकि इस फूल के पूर्णतः खिलने में परिवर्तन नहीं आया है, लेकिन यह भी देखा गया है कि अब यह कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में होने लगा है। इस पुष्प के उत्पादन के लिए वन विभाग पौधरोपण करवा रहा है।

हिमालयी क्षेत्र का बुरांश जितना सुंदर है, उससे कहीं अधिक गुणकारी भी है। इसे राज्य पुष्प का दर्जा भी मिला हुआ है। आज इसके अस्तित्व पर संकट पैदा हो रहा है।

### आमने

यह ट्रॉफी हर धर्म के 140 करोड़ भारतीयों की है। यह किसी एक धर्म की जीत का जश्न नहीं है। हमने 1983 में कपिल देव की कप्तानी में वर्ल्ड कप जीता था। हमारी टीम में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और सिख थे। हम ट्रॉफी को अपनी मातृभूमि भारत लेकर आए थे।

–कीर्ति आजाद, पूर्व क्रिकेटर

### सामने

इस तरह के बयान खिलाड़ियों की उपलब्धि को कम करते हैं। खिलाड़ियों ने इस टूर्नामेंट में काफी दबाव झेला है और ऐसे समय में इस तरह की टिप्पणी करना सही नहीं है। अगर आप ऐसे बयान देते हैं, तो आप अपने ही खिलाड़ियों और अपनी ही टीम को गिरा रहे हैं।

–गौतम गंभीर, मुख्य कोच, भारतीय क्रिकेट टीम

# खाड़ी देशों में 'पानी' पर हमले के निहितार्थ

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ पत्रकार

ईरान के परमाणु हथियारों को लेकर शुरू हुई लड़ाई अब पानी पर हमले और उसकी सुरक्षा के उपायों तक पहुंच गई है। ईरान के विदेश मंत्री ने आरोप लगाया है कि अमेरिकी हमले में होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट क्रेश्म द्वीप स्थित खारे पानी को मीठा बनाने वाला जल (डिसेलिनेशन प्लांट) संयंत्र क्षतिग्रस्त हुआ है, इससे 30 ग्रामों की जल आपूर्ति प्रभावित हुई है। इसके बाद ईरान ने बहरीन के संयंत्र को निशाना बनाया। इन हमलों ने बता दिया कि ईरान-अमेरिका का यह युद्ध अब सिर्फ सैन्य या तेल प्रतिष्ठानों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि खाड़ी देशों के जल संयंत्रों के विनाश तक पहुंच गया है। इस परिप्रेक्ष्य में चिंता की बड़ी बात है कि खाड़ी देशों की आबादी की बड़ी संख्या पीने के शुद्ध पानी के लिए इन्हीं जल संयंत्रों पर आश्रित है। इन पर आक्रमण समूचे खाड़ी क्षेत्र में जल संकट पैदा कर सकता है।

पूरे मध्य एशिया में युद्ध की भयानक स्थिति देखने में आ रही है, उससे लगता है पानी के लिए युद्ध छिड़ गया है। पानी की सुरक्षा को सबसे बड़ा संकट माना जा रहा है। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि खाड़ी के देशों ने अपने समुद्री पानी को मीठा बनाने वाले संयंत्रों को तेल प्रतिष्ठानों से कहीं अधिक बड़ी सुरक्षा दे दी है। यहां तक की ड्रोन और मिसाइलें भी तैनात कर दी हैं, जिससे किसी भी आसमानी हमले को तुरंत आसमान में ही नष्ट कर दिया जाए। संयंत्रों के साथ बिजली घर भी जुड़े होते हैं। ऐसे में विद्युत ढांचों पर हमले भी पानी के उत्पादन को प्रभावित कर सकते हैं। यदि किसी बड़े संयंत्र को गंभीर नुकसान होता है, तो कई नगर कुछ ही दिनों में पेयजल संकट से जूझ जाएंगे। इस कारण ड्रोन और मिसाइलें भी तैनात कर दिए गए हैं, जिससे किसी भी आसमानी हमले को तुरंत आसमान में ही नष्ट कर दिया जाए।

अमेरिका और इजरायल ने लड़ाकू विमानों लेबनान की राजधानी तेरहान में केमिकल टॉक्सिक बमों से भीषण हमला किया है। इस कारण तेहरान के 30 बड़े तेल भंडार तबाह हो गए हैं। तेहरान आग की लपटों से धधक उठा है। बादल धुंआ से भर गए हैं। टॉक्सिक हाइड्रो कार्बन और सल्फर से तेहरान में तेल की अम्लीय बारिश देखी गई। प्राकृतिक जल की सतहों पर तेल की परत जम गई है, ऐसे में नए हमले होते हैं, तो यह तेल जल उठेगा। इस कारण 90 लाख की आबादी वाले तेहरान में अघोषित कर्फ्यू के हालात बन गए हैं।

दूषित पानी हो जाने के कारण सप्लाई ठप है। बिजली भी बंद कर दी गई है। ये बम लेबनान में ईरान समर्थक आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह के ठिकानों पर पटके गए हैं। इन टॉक्सिक बमों में घातक रसायन होते हैं। ये फसलों को बर्बाद करने के साथ पानी को भी पूरी तरह दूषित कर देते है। संयुक्त अरब आमीरात, सऊदी अरब, कुवैत, ओमान कतर जैसे खाड़ी देशों में 90 फीसदी समुद्री खारे पानी को मीठे में बदलकर आपूर्ति जल संयंत्रों से की जाती है। 10 बड़े जल संयंत्रों को ईरान निशाना बना सकता है।

एक पुराने अमेरिकी कूटनीति दस्तावेज में चेतावनी दी गई थी कि यदि सऊदी अरब के जुबेल जल संयंत्र और उसकी पाइपलाइन को नुकसान होता है, तो राजधानी रियात को एक सप्ताह के भीतर खाली करना होगा, हालांकि सऊदी अरब और संयुक्त अरब आमीरात ने अपने तलाबों और सप्लाई लाइन में बड़ा निवेश किया हुआ है।,इसलिए वह जल संकट का सामना एक बार कर सकता है, किंतु बहरीन, कतर और कुवैत जैसे छोटे देशों के पास वैकल्पिक साधन कम है, इसलिए इन देशों के संयंत्र लड़ाई में प्रभावित हुए तो पानी के लिए घरेलू स्तर पर भी जंग छिड़ सकती है।

ईरान के लिए यह अच्छी बात है कि वे खुद जल संयंत्रों पर अधिक निर्भर नहीं हैं। ईरान में ज्यादातर पेयजल की सप्लाई नदियों, बांधों और भूगर्भीय जल से होती है, इसलिए वह सीमित समय के लिए संकट झेलने में सक्षम हैं, लेकिन कई साल से सूखा के चलते तेहरान के तलाबों का पानी खतरनाक स्तर तक घट गया है। अतएव ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने कहा है कि हालात नहीं सुधरे, तो तेहरान को खाली करना पड़ सकता है, लेकिन इतनी बड़ी आबादी को आखिर जल उपलब्ध होगा कहां से?

इजराइल भी समुद्र के खारे पानी को मीठा बनाने की तकनीक पर निर्भर है। इस परिप्रेक्ष्य में संयुक्त राष्ट्र ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 2050 तक, जब विश्व की 40 फीसदी आबादी जल संकट भोग रही होगी, तब भी इजराइल में पीने के पानी का संकट नहीं होगा। इजराइल न सिर्फ हथियारों, बल्कि पानी के मामले में भी महाशक्ति बनकर उभरा है। इजरायल की राजधानी तेल अवीव के डोर तट पर समुद्र के पानी को तत्काल पीने लायक बनाने वाले संयंत्र लगे हुए हैं। ये संयंत्र 'गेलमोबाइल वॉटर फिल्ट्रेशन प्लांट' कहलाते हैं। यह चलित फिल्टर प्लांट है। कई संयंत्र जीपों पर भी स्थापित हैं। इन्हें 'फ्यूचर जीप' कहते हैं। प्राकृतिक या युद्ध संबंधी आपदा के वक्त यह संयंत्र बेहद उपयोगी हो जाते हैं। इसे संकटग्रस्त इलाकों में पहुंचाकर पेयजल की सुविधा उपलब्ध करा दी जाती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

युद्ध में पानी संयंत्रों को भी निशाना बनाया जा रहा है। इन हमलों ने बता दिया है कि युद्ध अब सिर्फ सैन्य या तेल प्रतिष्ठानों तक सीमित नहीं रह गया है।

### सोशल फोरम

## यूपीएससी का हौवा

हमने यूपीएससी को हौसला नहीं, हौवा बना दिया है। कब हुआ यह? किसने तय किया, पता नहीं, लेकिन धीरे-धीरे हमारे घरों में, हमारे समाज में, हमारी कन्वर्सेशन में ये बात सेटल हो गई कि सफलता मतलब यूपीएससी। पढ़ाई मतलब यूपीएससी। ज़िंदगी का मतलब यूपीएससी। जिस घर में कोई आईएस या आईपीएस निकलता है, उस घर की इज़्ज़त पूरे मोहल्ले में बढ़ जाती है। ये गर्व स्वाभाविक है, लेकिन इसी के साथ एक और मैसेज जाता है कि जो नहीं निकला, वो कम है और यही वो मैसेज है, जो लाखों बच्चों को तोड़ रहा है।

ऋचा शर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

आज एक 18-19 साल के बच्चे से पूछो, यूपीएससी क्यों करना है? बहुत कम जवाब होंगे जो गवर्नेंस, पॉलिसी या पब्लिक सर्विस से जुड़े होंगे। ज़्यादातर जवाब होंगे, वो यूनिफार्म देखी थी। वो सेस्पेक्ट देखी थी। एक वीडियो देखी थी, जिसमें आईपीएस ऑफिसर कितनी कॉन्फिडेंटली बोल रहे थे।

आईएस, आईपीएस बनने का सपना अब रील्स से आता है। एक वायरल वीडियो, एक शानदार यूनिफार्म, एक 'कलेक्टर साहब' वाला शॉट और एक 20 साल का बच्चा तय कर लेता है कि बस यही करना है। ये ड्रीम नहीं है, ये एस्थेटिक है। उस इमेज के पीछे की असली ज़िम्मेदारी रात दो बजे किसी फ्लड अफेक्टेड ज़िले में काम करना, सिस्टम की ब्यूरोक्रेसी से लड़ना, पॉलिटिकल प्रेशर झेलना वो रील्स में नहीं आती। यूपीएससी के रिजल्ट में हिंदी का रिप्रजेंटेशन हर साल गिरता जा रहा है। पर इस पर कोई बात नहीं करेगा।

वो बच्चे जो सबसे ज़्यादा मेहनत करते हैं, जिनके लिए इंगलिश पहली बाधा है, कॉन्टेंट दूसरी और कोचिंग फीस तीसरी। जो पटना, इलाहाबाद, रीवा के किसी कमरे में बैठकर दिन-रात पढ़ते हैं और आईरनी ये है कि आईएएस, आईपीएस का काम आम जनता से होता है। वो जनता जो हिंदी में सोचती है, भोजपुरी में बोलती है, मैथिली में रोती है। पब्लिक सर्वेंट की भाषा और पब्लिश की भाषा के बीच ये खाई सिस्टम की देन है, मेधा की नहीं। जिस अधिकारी को उनकी भाषा समझनी है, उनकी ज़िंदगी समझनी है, उसे चुनने के प्रॉसेस में उसी भाषा को कमज़ोर माना जा रहा है। शायद किसी ने नहीं, क्योंकि उसके पास वो यूनिफार्म नहीं है। वो 'साहब' नहीं कहलाता, लेकिन देश उससे भी चलता है। उससे भी बनता है और आने वाले वक्त में शायद उनसे ज्यादा बनेगा।

–फेसबुक वॉल से

### सामयिकी

## आंकड़ों के पीछे छिपी त्रासदी और समाज की चुनौती

भारत में लापता बच्चों का मुद्दा लगातार गंभीर सामाजिक चिंता का विषय बनता जा रहा है। हाल ही में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की 'मिसिंग चिल्ड्रन' रिपोर्ट ने इस समस्या की भयावहता को एक बार फिर उजागर कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार पहली जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच देश में कुल 33,577 बच्चे लापता हुए। इनमें से 25,800 बच्चों को खोज लिया गया, लेकिन 7,777 बच्चे अब भी लापता हैं। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि हजारों परिवारों की पीड़ा, असुरक्षा और इंतजार की कहानी है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में बच्चों की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। महानगरों और तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्रों में बच्चों के लापता होने की घटनाएं अधिक सामने आती हैं। महानगरों की बात करें तो राजधानी दिल्ली में साल दर साल सबसे ज्यादा बच्चे लापता होने के मामले दर्ज हो रहे हैं। अकेले 2025 में ही राजधानी में लगभग 5717 नाबालिगों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की गई। दिल्ली से सिर्फ 2026 के शुरुआती 27 दिनों में ही 137 बच्चे लापता हुए हैं, जिन्हें अभी तक ढूंढा नहीं जा सका है। साल दर साल बढ़ते ये आंकड़े यह संकेत देते हैं कि बाल सुरक्षा व्यवस्था में अभी भी कई कमियां मौजूद हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि लापता बच्चों में लगभग 75 प्रतिशत लड़कियां होती हैं, जो इस समस्या को और गंभीर बना देता है।

देवेंद्र सिंह

वरिष्ठ पत्रकार

राज्यवार आंकड़ों पर नजर डालें तो पश्चिम बंगाल इस सूची में सबसे ऊपर है। यहां एक साल 19,145 बच्चे लापता हुए। इनमें से 15,465 बच्चों को ढूंढ़ लिया गया, लेकिन 3,680 बच्चे अब भी नहीं मिले। इसके बाद मध्यप्रदेश दूसरे स्थान पर है, जहां 4,256 बच्चे लापता हुए और इनमें से 1,059 बच्चों का अब तक कोई सुराग नहीं मिला। तीसरे स्थान पर हरियाणा है, जहां जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच 2,209 बच्चे लापता हुए और 353 बच्चे अभी भी लापता हैं। हरियाणा में यह संख्या पड़ोसी राज्यों पंजाब, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ की तुलना में कई गुना अधिक है। हिमाचल प्रदेश का एक चौंकाने वाला तथ्य यह भी है कि वहां लापता हुए आठ बच्चों में से एक भी अब तक नहीं मिला।

राजस्थान इस सूची में आठवें स्थान पर है। यहां पिछले एक वर्ष में 745 बच्चे लापता हुए, जिनमें से 499 बच्चों को उनके परिवारों तक पहुंचा दिया गया, जबकि 246 बच्चे अब भी लापता हैं। वहीं सकारात्मक पहलू यह भी है कि कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लापता बच्चों की कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई। नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, गुजरात, लक्षद्वीप तथा दादरा और नगर हवेली में इस अवधि के दौरान बच्चों के लापता होने का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया।

पूरी दुनिया में हर वर्ष लगभग 80 लाख बच्चे लापता होने की रिपोर्ट दर्ज होती है। अमेरिका में करीब 4.6 लाख, ब्रिटेन में 1.12 लाख और जर्मनी में लगभग एक लाख बच्चों के हर साल गायब होने की रिपोर्ट दर्ज होती है। यूरोप में भी स्थिति चिंताजनक है। वर्ष 2021 से 2023 के बीच वहां 51,000 से अधिक नाबालिग बच्चे, जो बिना अभिभावकों के यात्रा कर रहे थे, लापता हो गए। आंकड़ों का गहन विश्लेषण यह भी बताता है कि लापता होने वाले बच्चों में 12 से 17 वर्ष की आयु के किशोर सबसे अधिक होते हैं। कई मामलों में लड़कियां नौकरी, शादी या बेहतर जीवन के झूठे झांसों में फंस जाती हैं और मानव तस्करी के नेटवर्क का शिकार बन जाती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)


स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

## वर्ड स्मिथ

### कैसे बना रेडियो शब्द

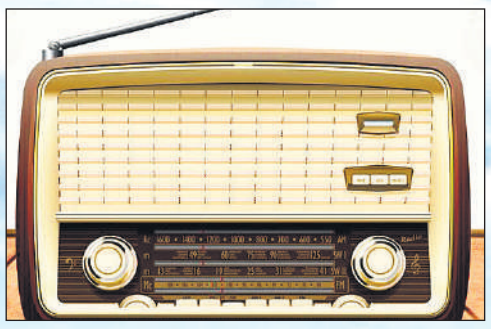



रेडियो एक छोटा-सा शब्द है, पर अपने भीतर विज्ञान और संचार की लंबी यात्रा समेटे हुए। इस शब्द की जड़ें लैटिन भाषा के शब्द 'रेडियस' में मिलती हैं, जिसका अर्थ है किरण। 19 वीं सदी के उत्तरार्ध में जब वैज्ञानिक अदृश्य तरंगों की दुनिया को समझने की कोशिश कर रहे थे, तब इन तरंगों का व्यवहार प्रकाश की किरणों जैसा प्रतीत हुआ। यही कारण था कि इनके प्रसार को 'किरणों' की तरह समझा गया और धीरे-धीरे 'रेडियो' शब्द का प्रचलन शुरू हुआ।

1880 के दशक में जर्मन भौतिक विज्ञानी हेनरिक हट्ज़र् ने यह सिद्ध कर दिया कि हवा में अदृश्य विद्युतचुंबकीय तरंगें फैल सकती हैं। इन्हीं तरंगों को आगे चलकर हट्र्ज़ियन तरंगें या रेडियो तरंगें कहा गया। उस समय इनका उपयोग तार के बिना संदेश भेजने के लिए होने लगा, इसलिए आरंभ में इसे 'वायरलेस' अर्थात ताररहित संचार कहा जाता था। समय के साथ विज्ञान आगे बढ़ा और संचार की यह अदृश्य धारा दुनिया को जोड़ने लगी। 1906 में बर्लिन में आयोजित रेडियोटेलीग्राफिक सम्मेलन में 'रेडियो' शब्द को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिली। फिर 1920 के दशक में जब आवाज और संगीत का प्रसारण शुरू हुआ, तब यह तकनीक केवल वैज्ञानिक प्रयोग नहीं रही, बल्कि जनजीवन का हिस्सा बन गई। धीरे-धीरे 'वायरलेस' शब्द पीछे छूट गया और 'रेडियो' लोगों की जुबान पर बस गया। एक ऐसी अदृश्य किरण, जो दूरियों को मिटाकर दुनिया को एक ही ध्वनि में जोड़ देती है।

# डिजिटल एजुकेशन के अगुआ देश लौट रहे किताबों की ओर



बीते डेढ़ दशक में स्कूलों और विश्वविद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम और ऑनलाइन कंटेंट को आधुनिक शिक्षा का पर्याय मान लिया गया। यह माना गया कि अगर बच्चों को बचपन से ही डिजिटल माध्यमों से पढ़ाया जाएगा, तो वे भविष्य की टेक्नोलॉजी आधारित दुनिया के लिए बेहतर तैयार होंगे। दुनिया जिस डिजिटल शिक्षा मॉडल को भविष्य मान रही थी, वही मॉडल अब पुनर्मूल्यांकन के दौर से गुजर रहा है। दुनिया की सबसे अधिक डिजिटल शिक्षा प्रणालियों में अग्रणी स्वीडन और फिनलैंड जैसे देश फिर से किताब, कागज और पेन की ओर लौट रहे हैं। यह बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि पिछले कुछ वर्षों में सामने आए शोध और अनुभव, जिसने शिक्षा नीति-निर्माताओं को सोचने पर मजबूर किया है।

राजेश जैन
लेखक

### हाइब्रिड मॉडल: शिक्षा का नया रास्ता

आज कई विशेषज्ञ इस निष्कर्ष पर पहुंच रहे हैं कि शिक्षा का भविष्य न तो पूरी तरह डिजिटल है और न ही पूरी तरह पारंपरिक। दोनों का संतुलित मिश्रण ही सबसे प्रभावी मॉडल हो सकता है। उदाहरण के लिए, जटिल वैज्ञानिक प्रयोगों, डेटा विश्लेषण और कोडिंग सीखने में डिजिटल उपकरण बेहद उपयोगी हैं। वहीं साहित्य, इतिहास या भाषा जैसे विषयों में किताबों के माध्यम से पढ़ना अधिक प्रभावी हो सकता है। इसलिए कई देश अब 'हाइब्रिड लर्निंग मॉडल' की ओर बढ़ रहे हैं, जिसमें किताब और तकनीक दोनों का संतुलित उपयोग हो।

### डिजिटल शिक्षा

करीब 15 साल पहले दुनिया के कई विकसित देशों ने शिक्षा के डिजिटल भविष्य की परिकल्पना की। इस सोच के पीछे कई तर्क थे। पहला, तकनीक से पढ़ाई को अधिक रोचक और इंटरैक्टिव बनाया जा सकता है। दूसरा, इंटरनेट के माध्यम से बच्चों को वैश्विक ज्ञान तक तुरंत पहुंच मिल सकती है। तीसरा, डिजिटल उपकरणों के जरिए शिक्षा को अधिक व्यक्तिगत यानी पर्सनलाइज लर्निंग बनाया जा सकता है। स्वीडन उन देशों में था, जिसने सबसे पहले स्कूलों में डिजिटल माध्यमों को बड़े पैमाने पर अपनाया। 2009 के आसपास वहां के स्कूलों में टैबलेट और कंप्यूटर को पाठ्यपुस्तकों का विकल्प बनाने की शुरुआत हुई। धीरे-धीरे कई स्कूलों में किताबों की जगह डिजिटल उपकरणों ने ले ली। फिनलैंड, जो अपनी शिक्षा प्रणाली के लिए दुनिया में सबसे अधिक प्रशंसित देशों में से एक है, वहां भी स्कूलों में डिजिटल उपकरणों को बड़े उत्साह के साथ अपनाया गया। कई जगह छात्रों को मुफ्त लैपटॉप दिए गए और पढ़ाई का बड़ा हिस्सा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरित कर दिया गया। उस समय यह मॉडल इतना आकर्षक लगा कि दुनिया के कई देशों ने इसे अपनाने की कोशिश की। भारत में भी डिजिटल क्लासरूम और स्मार्ट एजुकेशन जैसे शब्द शिक्षा सुधार के प्रमुख नारे बन गए।



### स्वीडन की नीति में बड़ा बदलाव

स्वीडन ने अपनी शिक्षा नीति में बड़ा बदलाव किया है। सरकार ने स्कूलों में फिर से मुद्रित पाठ्यपुस्तकों को प्राथमिकता देते हुए करोड़ों यूरो का निवेश किया है ताकि हर छात्र तक किताबें पहुंचाई जा सकें। सरकार छह साल से कम उम्र के बच्चों के लिए डिजिटल टूल्स के उपयोग को समाप्त करने की योजना पर भी विचार कर रही है। वहां कई स्कूलों में फिर से शांत पठन समय, हस्तलेखन अभ्यास और पारंपरिक बोर्ड आधारित शिक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है।

### तकनीक का विरोध नहीं, संतुलन की खोज

यह समझना जरूरी है कि यह बदलाव तकनीक के खिलाफ कोई आंदोलन नहीं है। अधिकांश शिक्षाविद् यह मानते हैं कि तकनीक शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसे पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। असल बहस तकनीक के उपयोग की सीमा और संतुलन को लेकर है। यूनेस्को की एक रिपोर्ट भी यही चेतावनी देती है कि शिक्षा में तकनीक का इस्तेमाल इस तरह होना चाहिए कि वह शिक्षक-केंद्रित शिक्षा का विकल्प न बन जाए। तकनीक एक साधन है, लक्ष्य नहीं।

### जब डिजिटल मॉडल पर उठने लगे सवाल

लगभग एक दशक तक डिजिटल शिक्षा के प्रयोग के बाद कुछ समस्याएं धीरे-धीरे सामने आने लगीं। शिक्षकों, अभिभावकों और शोधकर्ताओं ने पाया कि तकनीक ने पढ़ाई को आसान तो बनाया है, लेकिन कई बुनियादी कौशल कमजोर भी कर दिए हैं। स्वीडन में किए गए अध्ययनों में पाया गया कि स्क्रीन पर पढ़ने वाले छात्रों की एकाग्रता और गहराई से समझने की क्षमता कम हो रही है। चौथी कक्षा के छात्रों की पढ़ने की क्षमता का आकलन करने वाले अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन प्रोग्रेस इन इंटरनेशनल रीडिंग लिटरेसी स्टडी में 2016 और 2021 के बीच स्वीडन के बच्चों के पढ़ने के स्कोर में गिरावट दर्ज की गई। शिक्षाविदों ने देखा कि जब बच्चे टैबलेट या लैपटॉप पर पढ़ते हैं, तो उनका ध्यान जल्दी भटकता है। एक क्लिक में गेम, सोशल मीडिया या अन्य वेबसाइटों तक पहुंच उन्हें पढ़ाई से दूर कर देती है। डिजिटल उपकरण पढ़ाई के साथ-साथ मनोरंजन का भी माध्यम हैं, इसलिए उनमें विचलन की संभावना अधिक होती है।

### स्क्रीन का मन और मस्तिष्क पर प्रभाव

नई डिजिटल शिक्षा पर सवाल उठने के पीछे सबसे बड़ा कारण बच्चों के मस्तिष्क और व्यवहार पर स्क्रीन के प्रभाव को लेकर बढ़ती चिंता है। नॉर्वे और अमेरिका के कई शोध बताते हैं कि जब बच्चे हाथ से लिखते हैं, तो उनके मस्तिष्क के कई हिस्से एक साथ सक्रिय होते हैं। अक्षर बनाने की प्रक्रिया, उंगलियों का दबाव और लिखावट की संरचना दिमाग में मजबूत स्मृति चिन्ह (मेमोरी ट्रेस) बनाते हैं। इसके विपरीत, कीबोर्ड पर टाइपिंग अपेक्षाकृत एक यांत्रिक प्रक्रिया है। इसमें मस्तिष्क जानकारी को उतनी गहराई से प्रोसेस नहीं करता। यही कारण है कि हाथ से नोट्स लिखने वाले छात्र विषयों को अधिक गहराई से समझते हैं। इसके अलावा लगातार स्क्रीन देखने से आंखों पर तनाव, नींद की समस्या और मानसिक बेचैनी भी बढ़ने की आशंका रहती है। फिनलैंड के कुछ अध्ययन बताते हैं कि किशोर औसतन प्रतिदिन लगभग छह घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं, जो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों के लिए चिंताजनक है।

### भारत के लिए सबक

भारत में डिजिटल शिक्षा तेजी से विस्तार कर रही है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और स्मार्ट क्लासरूम शिक्षा के नए प्रतीक बन चुके हैं। अगर डिजिटल माध्यमों को बिना सोचे-समझे अपनाया गया, तो इसके दुष्परिणाम भी सामने आ सकते हैं। देश में जहां पहले से ही बच्चों का स्क्रीन टाइम तेजी से बढ़ रहा है, वहां स्कूलों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

### शिक्षा का मूल उद्देश्य

दरअसल, शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं है, बल्कि सोचने, समझने और विश्लेषण करने की क्षमता विकसित करना है। किताब पढ़ना इस प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह हमें धीमी गति से सोचने व गहराई से समझने के लिए प्रेरित करता है। पिछले दशक में दुनिया ने शिक्षा में तकनीक का व्यापक प्रयोग किया और उससे जुड़े अनुभव भी प्राप्त किए। अब वही अनुभव नीति-निर्माताओं को संतुलित दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। भविष्य की कक्षा शायद ऐसी होगी, जहां स्मार्ट बोर्ड भी होगा और ब्लैकबोर्ड भी, टैबलेट भी होगा और किताब भी, एआई भी होगा और शिक्षक का मार्गदर्शन भी।

## नोटिस बोर्ड

- जिला सेवायोजन कार्यालय, कासगंज में 12 मार्च को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में 18 से 25 वर्ष की आयु के हाईस्कूल, इंटर, स्नातक, आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। रोजगार मेले में साक्षात्कार के माध्यम से लगभग एक हजार रिक्त पद भरे जाएंगे। मेले में 40 कंपनियां अपनी कंपनी के लिए अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। रोजगार मेले में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को वेबसाइट पर अपना पंजीयन कराना होगा। अभ्यर्थी पोर्टल पर प्रदर्शित किसी भी कंपनी में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।



- ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की ओर से स्नातक व परास्नातक में प्रवेश हेतु 15 मार्च से आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इच्छुक विद्यार्थी आवेदन के लिए समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण करा सकेंगे। इस संबंध में कुलपति ने बताया कि एक सप्ताह पहले कोर्सवार सीटों की संख्या वेबसाइट पर अपलोड करवा दी गई थी। समर्थ पोर्टल 15 मार्च से खुल जाएगा। यह आवेदन प्रक्रिया 45 दिनों तक चलेगी। इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://kmclu.ac.in पर समर्थ पोर्टल का लिंक पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।



## कैंपस में पहला दिन — अभी भी याद है पहली बार मेस में खाना



डॉ. अरुण जोशी
मेडिकल सुपरिंटेंडेंट
राजकीय अस्पताल, हल्द्वानी

नैनीताल की शांत वादियों में मेरा बचपन बीता। पहाड़ों की उस निश्चल दुनिया से निकलकर जब मैं सन् 1977 में लाला लाजपत राय स्मारक चिकित्सा महाविद्यालय, मेरठ पहुंचा, तो मन में एक अजीब सी कशमकश और अनजाना भय था। उन दिनों मेडिकल कॉलेजों में रैगिंग के किस्से आम थे, इसलिए सीनियरों के व्यवहार को लेकर मन में कई नकारात्मक भ्रम पाल रखे थे, लेकिन कॉलेज की देहरी पर कदम रखते ही पहले ही दिन वे सारे डर काफूर हो गए।

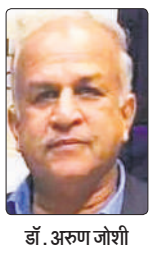

कैंपस का वातावरण उम्मीद से बिल्कुल उलट था। मुझे आज भी अचंभित कर देता है कि उन सीनियरों ने, जिन्हें लेकर मैं डरा हुआ था, पहले ही दिन से न केवल मेरा, बल्कि सभी नए छात्रों का हाथ थाम लिया। वहां रैगिंग नहीं, बल्कि एक बड़े भाई जैसा अपनत्व और सहयोग था। जीवन का वह पहला अनुभव जब मैं घर की सुख-सुविधा छोड़कर मेस में खाना खाने पहुंचा, तो भावुक हो गया। मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि परिवार से दूर, बिल्कुल अजनबियों के साथ एक ही टेबल पर बैठकर भोजन करूंगा, लेकिन वह मेस की टेबल केवल खाना खाने की जगह नहीं थी, बल्कि रिश्तों की पाठशाला थी। हंसी-मजाक के उस दौर के बीच खाने का वह स्वाद आज भी मेरी जुबान पर ताजा है। वहीं से सहपाठियों के साथ परिचय का सिलसिला शुरू हुआ, जो धीरे-धीरे अटूट



दोस्ती में बदल गया। हॉस्टल की पहली रात और वॉर्डन द्वारा समझाए गए कड़े नियमों ने एहसास कराया कि अब आजाद पंछी को अनुशासन के पिंजरे में खुद को ढालना होगा। वह अनुशासन ही था, जिसने हमें सिखाया कि समय की कीमत क्या होती है और एक डॉक्टर के जीवन में नैतिकता का क्या महत्व है। पहाड़ की मासूमियत और मेरठ की इस अनुशासित मेधा ने मिलकर मेरे भीतर एक नए इंसान को जन्म दिया। वह सफेद कोट पहनना केवल एक करियर की शुरुआत नहीं थी, बल्कि सेवा और समर्पण के उस सफर का आगाज था, जिसकी नींव उसी साल मेरठ की मिट्टी में रखी गई थी। आज पीछे मुड़कर देखता हूं, तो वे यादें जीवन की सबसे अनमोल थाती लगती हैं।

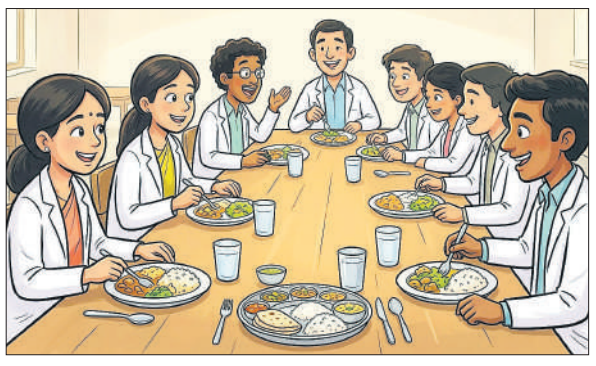

## करेंट अफेयर्स

- हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में भारत की पहली रिंग मेट्रो का उद्घाटन किया। मजलिस पार्क-मौजपुर-बाबरपुर कॉरिडोर के शुरू होने से पिंक लाइन की सर्कुलर कनेक्टिविटी पूरी हो गई है, जिससे यह राष्ट्रीय राजधानी के चारों ओर पूरी तरह से संचालित रिंग रूट बन गई है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने दीपाली चौक-मजलिस पार्क कॉरिडोर (मैजेंटा लाइन विस्तार) का भी उद्घाटन किया। इसके साथ ही दिल्ली मेट्रो फेज-5 के तहत नए मेट्रो कॉरिडोर की आधारशिला रखी।
- हाल ही में आईसीसी पुरुष टी-20 क्रिकेट विश्व कप 2026 के फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को अहमदाबाद में हरा दिया। इस जीत के साथ भारत तीन बार टी-20 विश्व कप जीतने वाला पहला देश बन गया। साथ ही खिताब को सफलतापूर्वक डिफेंड करने वाली पहली टीम भी बना।
- हाल ही में सबा शॉल को जम्मू-कश्मीर की उच्च सुरक्षा वाली सुधारात्मक संस्था सेंट्रल जेल श्रीनगर की पहली कश्मीरी महिला प्रमुख नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति गृह विभाग द्वारा जारी सरकारी आदेश के तहत की गई। इस निर्णय के साथ जम्मू-कश्मीर कारागार विभाग में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक फेरबदल लागू हुआ है।
- हाल ही में दीपक गुप्ता ने गेल (India) Limited के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का पदभार संभाला है। उन्होंने संदीप कुमार गुप्ता का स्थान लिया, जो 28 फरवरी को सेवानिवृत्त हुए।
- हाल ही में ईरान ने मोजतबा खामेनेई को सुप्रीम लीडर चुना है। मोजतबा इजरायली हमले में मारे गए अपने पिता अली खामेनेई की जगह इस पद को संभालेंगे। यह फैसला 1989 के बाद इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान में नेतृत्व परिवर्तन की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक माना जा रहा है।
- हाल ही में मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में मादा चीता ज्वाला ने पांच शावकों को जन्म दिया। भारत अब चीता की संख्या बढ़कर 53 हो गई है। इन शावकों के जन्म के बाद भारत में जन्मे चीता शावकों की संख्या बढ़कर 33 हो गई है। यह घटना भारत में चीते का 10 वां सफल लिटर (जन्म समूह) भी दर्शाती है, जो यह संकेत देती है कि देश में चीता पुनर्स्थापन कार्यक्रम धीरे-धीरे सफल होता जा रहा है और भारत की वन्यजीव संरक्षण यात्रा को नई मजबूती मिल रही है।

## जॉब अलर्ट

### आईडीबीआई बैंक

- पद का नाम-सहायक प्रबंधक ग्रेड 'ए'
- पदों की संख्या- 200
- शैक्षणिक योग्यता-स्नातक और अमुभव
- आयु सीमा -21-30 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि- 19 मार्च 2026
- वेबसाइट-idbi.bank.in

### भारतीय नौसेना

- पद का नाम- अग्निवीर एसएसआर, एमआर और एसएसआर (मेडिकल)
- शैक्षणिक योग्यता- साइंस (पीसीबी) में 50% अंक
- वेतन-14,600 रुपये ( प्रशिक्षण के दौरान वजीफा)
- आयु सीमा -उम्मीदवारों का जन्म 01 मई 2005 और 31 अक्टूबर 2009 के बीच होना चाहिए
- आवेदन की अंतिम तिथि- 6 अप्रैल 2026
- वेबसाइट- joinindiannavy.gov.in

### इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

- पद का नाम- ट्रेड अप्रेंटिस, टेक्नीशियन अप्रेंटिस और ग्रेजुएट अप्रेंटिस
- पदों की संख्या- 405 (पश्चिमी क्षेत्र के सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में
- विज्ञापन नंबर - आईओसीएल/एमकेटीजी/डब्ल्यूआर/एपीपीआर/3/2025-26
- भत्ता- शिक्षुता अधिनियम, 1961/1973 और शिक्षुता नियम 1992/2019/2025 के अनुसार निर्धारित
- शैक्षणिक योग्यता - मैट्रिक + आईटीआई / कक्षा 12 वीं / इंजीनियरिंग में डिप्लोमा / कोई भी स्नातक डिग्री (विषय के अनुसार)
- आयु सीमा - 18 वर्ष से अधिकतम आयु 24 वर्ष (दिनांक 28.02.2026 तक)
- आवेदन की अंतिम तिथि- 26 मार्च 2026
- वेबसाइट- www.iocl.com

# इन विषयों पर मजबूत पकड़ से सरकारी नौकरी करें पक्की



नवनीत तिवारी
करियर काउंसर

सरकारी नौकरी आज भी देश के लाखों युवाओं का सपना है। हर साल बड़ी संख्या में अभ्यर्थी रेलवे, बैंकिंग, एसएससी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटते हैं, लेकिन अक्सर छात्रों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि वे अपनी पढ़ाई का फोकस किन विषयों पर रखें? कई बार सीमित समय और विशाल सिलेबस के कारण तैयारी बिखर जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अभ्यर्थी कुछ प्रमुख विषयों पर मजबूत पकड़ बना लें, तो सफलता की संभावना काफी बढ़ जाती है, जो अधिकांश सरकारी परीक्षाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आइए आज आपको बताते हैं, कौन से हैं वे विषय, जिन पर नियमित अभ्यास और सही रणनीति के साथ तैयारी करने से प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन किया जा सकता है।

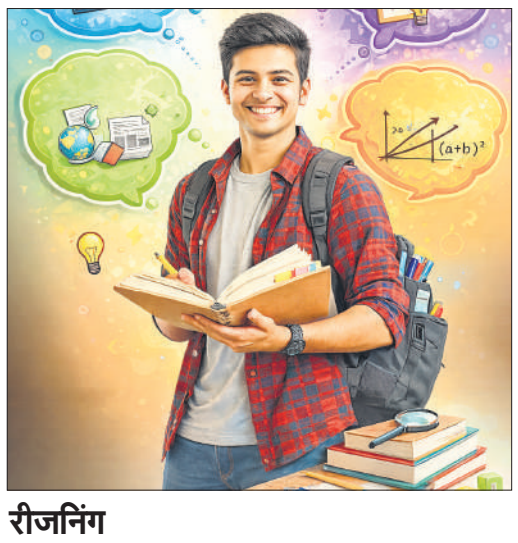



### रीजनिंग

रीजनिंग विषय अभ्यर्थियों की तार्किक सोच और विश्लेषण क्षमता को परखता है। इसमें पजल, सीरीज, कोडिंग-डिकोडिंग और एनॉलिटिकल प्रश्न पूछे जाते हैं। लगातार अभ्यास से रीजनिंग में गति और सटीकता दोनों बढ़ाई जा सकती है, जो परीक्षा हाई स्कोरिंग में मदद करेगी।

### गणित

गणित लगभग हर प्रतियोगी परीक्षा का अहम हिस्सा होता है। बेसिक मैथ्स के टॉपिक जैसे दशमलव, भिन्न, प्रतिशत, लाभ-हानि आदि पर अच्छी पकड़ होने से अभ्यर्थी आसानी से अच्छे अंक प्राप्त कर सकते हैं। नियमित अभ्यास से गणित में गति और सटीकता दोनों बढ़ती हैं।

### करेंट अफेयर्स

करेंट अफेयर भी प्रतियोगी परीक्षाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। देश-दुनिया की प्रमुख घटनाएं, सरकारी योजनाएं, खेल और पुरस्कार से जुड़े सवाल अक्सर पूछे जाते हैं। इसके लिए रोजाना अखबार पढ़ना और करेंट अफेयर के नियमित नोट्स बनाना काफी उपयोगी साबित होता है।

### एडवांस मैथ्स

कई प्रतियोगी परीक्षाओं में एडवांस मैथ्स से भी प्रश्न पूछे जाते हैं। इसमें एल्जेब्रा, त्रिकोणमिति और ज्यामिति जैसे टॉपिक शामिल होते हैं। इन विषयों की अच्छी समझ होने पर रेलवे,एसएससी और अन्य सरकारी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना आसान हो जाता है।

### जनरल स्टडी

किसी भी सरकारी परीक्षा में जनरल स्टडीज की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसमें इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र और विज्ञान जैसे विषय शामिल होते हैं। यदि छात्र रोज थोड़ा-थोड़ा पढ़कर इन विषयों की बुनियादी समझ मजबूत करें, तो परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

| बाजार | सेंसेक्स ↓ | निफ्टी ↓ |
|---|---|---|
| बंद हुआ | 76,863.71 | 23,866.85 |
| बढ़त | 1342.27 | 394.75 |
| प्रतिशत में | 1.72 | 1.63 |

सोना 1,65,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,75,000 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 12 मार्च 2026

www.amritvichar.com



## बिजनेस ब्रीफ

### फोनपे का 'ऑन-द-गो' कार्ड लांच, इंटरनेट के बिना होगा भुगतान

**नयी दिल्ली।** डिजिटल भुगतान एवं वित्तीय सेवा मंच फोनपे ने 'फोनपे रूपे ऑन-द-गो कार्ड' पेश करने की घोषणा की है। यह एक राष्ट्रीय सार्वजनिक परिवहन कार्ड (एनसीएमसी) है। इससे मेट्रो, बस, ट्रेन, टोल और पार्किंग जैसी सभी एनसीएमसी-सक्षम सेवाओं पर त्वरित 'स्पर्श कर भुगतान' (टैप एंड पे) के माध्यम से लेन-देन किया जा सकेगा। इस कार्ड की शुरुआत फिलहाल हैदराबाद मेट्रो से की जा रही है। उपयोगकर्ता इस कार्ड में अधिकतम 2,000 रुपये तक की राशि जमा कर सकते हैं जबकि एक बार में बिना इंटरनेट के भुगतान की अधिकतम सीमा 500 रुपये है।

### ताकेशी हिरानो बने इसुजु मोटर्स इंडिया के डिप्टी एमडी

**नयी दिल्ली।** इसुजु मोटर्स इंडिया ने ताकेशी हिरानो को कंपनी का उप प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की बुधवार को घोषणा की। जापान की इसुजु मोटर्स लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी ने बताया कि हिरानो, तोरू किशिमोतो का स्थान लेंगे। किशिमोतो अब मूल कंपनी में नई जिम्मेदारी संभालेंगे। कंपनी के अनुसार हिरानो के पास वैश्विक बाजारों में वितरण एवं विपणन के क्षेत्र में दो दशक से अधिक का अनुभव है। उन्होंने इसुजु के लिए विभिन्न भूमिकाओं में काम करते हुए अलग-अलग बाजारों में संचालन का नेतृत्व किया है।

### अशोक लेलैंड बैटरी पैक विनिर्माण में करेगी 500 करोड़ का निवेश

**नयी दिल्ली।** हिंदुजा समूह की वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता कंपनी अशोक लेलैंड ने बुधवार को चेन्नई के पास एक नयी बैटरी पैक विनिर्माण सुविधा में 500 करोड़ रुपये तक के निवेश की घोषणा की। अशोक लेलैंड ने बयान में कहा कि कंपनी ने चेन्नई के पास पिल्लैपक्कम में नई बैटरी पैक विनिर्माण सुविधा के लिए भूमि पूजन समारोह आयोजित किया। कंपनी ने बताया कि इस परियोजना पर 400-500 करोड़ रुपये का निवेश होगा। यह सितंबर, 2025 में हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत हिंदुजा समूह के निवेश का हिस्सा है।

### सेल ने पहले 11 महीने की बिक्री का बनाया नया रिकॉर्ड

**नयी दिल्ली।** सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक और महारत्न कंपनी भारतीय इस्पात प्राधिकरण (सेल) ने चालू वित्त वर्ष के पहले 11 महीने में बिक्री का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कंपनी की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल-फरवरी के दौरान उसने 1.82 करोड़ टन इस्पात की बिक्री की जो किसी भी वित्त वर्ष के पहले 11 महीने में सबसे अधिक है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि से 14 प्रतिशत ज्यादा है।

### मेटा प्लेटफॉर्म्स करेगी 'मोल्टबुक' का अधिग्रहण

**लॉस एंजिलिस (अमेरिका)।** मेटा प्लेटफॉर्म्स ने 'मोल्टबुक' का अधिग्रहण करने की योजना की जानकारी दी है। मोल्टबुक एक ऐसा सामाजिक नेटवर्क है जिसे विशेष रूप से कृत्रिम मेधा एजेंट के लिए बनाया गया है, जहां वे संदेश प्रकाशित कर सकते हैं और एक-दूसरे के साथ बातचीत कर सकते हैं।

# घरेलू प्राकृतिक संसाधनों के प्रोत्साहन की जरूरत: वेदांता

नयी दिल्ली, एजेंसी

- प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है भारत की भूगर्भीय संरचना

वेदांता लिमिटेड के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा है कि देश की ऊर्जा और खनिज सुरक्षा को मजबूत करने के लिए घरेलू प्राकृतिक संसाधनों की क्षमता का पूर्ण उपयोग करने की जरूरत है।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित होने और भारत के ऊर्जा आयात पर असर पड़ने के बीच उन्होंने यह बात कही। अग्रवाल ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा है कि वैश्विक संघर्ष का सीधा असर उन देशों पर पड़ता है जो आयात पर निर्भर हैं। इसलिए भारत को विदेशी संसाधनों पर निर्भरता कम कर घरेलू उत्पादन को बढ़ाकर आत्मनिर्भरता हासिल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि भारत उस युद्ध के प्रतिकूल प्रभाव झेल रहा है, जिससे उसका कोई संबंध नहीं है। अग्रवाल ने कहा कि भारत अपनी जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। देश लगभग 90 प्रतिशत तेल, 95 प्रतिशत तांबा और 99.5 प्रतिशत सोना आयात करता है जबकि भारत की भूगर्भीय संरचना प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। खनिज, धातु एवं तेल उद्योग में चार दशकों से अधिक के अनुभव का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यदि इन संसाधनों का कुशलता से विकास किया जाए तो आयात निर्भरता कम हो सकती है। साथ ही रोजगार, उद्योग एवं निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा।

# डिजिटल लुटेरा: यूपीआई सुरक्षा को चकमा दे रहे साइबर ठग

## साइबर खुफिया कंपनी क्लाउडसेक ने रिपोर्ट में किया दावा-टेलीग्राम पर सक्रिय हैं 20 ग्रुप

नयी दिल्ली, एजेंसी

ऑनलाइन ठग नई प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) अनुप्रयोगों की सुरक्षा प्रणाली को चकमा देकर वित्तीय लेनदेन को अंजाम दे रहे हैं। साइबर खुफिया कंपनी क्लाउडसेक की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। कंपनी ने संदेश भेजने से जुड़े मंच टेलीग्राम पर कम से कम 20 सक्रिय समूहों की पहचान की है। प्रत्येक समूह में 100 से अधिक सदस्य हैं जहां 'डिजिटल लुटेरा' नामक टूलकिट पर चर्चा कर उसे शेयर और उसका उपयोग भी किया जा रहा है।

क्लाउडसेक के अनुसंधानकर्ता (खतरा) शोभित मिश्रा ने कहा कि यह केवल यूपीआई से जुड़ा एक और हानिकारक सॉफ्टवेयर नहीं है। डिजिटल लुटेरा उपकरण प्रणाली पर भरोसे की संरचना पर हमला करता है। जब संचालन तंत्र ही प्रभावित हो जाता है तो 'सिम-बाइंडिंग' और हस्ताक्षर जांच जैसी पारंपरिक सुरक्षा व्यवस्थाएं भरोसेमंद नहीं रहतीं। यदि इसे नहीं रोका गया तो यह डिजिटल भुगतान प्रणाली में बड़े पैमाने पर खातों पर पकड़ बनाने की घटनाओं को बढ़ावा दे सकता है।

'सिम बाइंडिंग' एक ऐसी सुरक्षा प्रौद्योगिकी है जो व्हाट्सऐप, टेलीग्राम जैसे मैसेजिंग ऐप को केवल उसी रजिस्टर्ड सिम कार्ड से चलाने की अनुमति देती है जो फोन में लगा हो। क्लाउडसेक ने बताया कि उसने ऐसे ही एक समूह के विश्लेषण में पाया कि केवल दो दिन में करीब 25 से 30 लाख रुपये के लेनदेन किए गए। इससे पता चलता है कि धोखाधड़ी

का यह तरीका कितनी तेजी से फैल रहा है और कितने लोगों को प्रभावित कर रहा है। इस संबंध में नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला है। 'सिम-बाइंडिंग' को इस बात का प्रमाण माना जाता रहा है कि कोई बैंक खाता किसी विशेष उपकरण से सुरक्षित रूप से जुड़ा हुआ है। यूपीआई अनुप्रयोग लेनदेन से पहले उस फोन नंबर के सिम का सत्यापन करते हैं जिसके साथ खाता मोबाइल फोन में पंजीकृत होता है। क्लाउडसेक ने बताया कि यह हमला आमतौर पर तब शुरू होता है जब उपयोगकर्ता अनजाने में एक हानिकारक एपीके फोन में डाल लेते हैं, जो किसी सामान्य सूचना (जैसे यातायात चालान या शादी के निमंत्रण) के रूप में दिखाई देती है।

एक बार इसके फोन में आ जाने पर यह हानिकारक सॉफ्टवेयर पीड़ित के फोन में संदेश पढ़ने की अनुमति प्राप्त कर लेता है। 'डिजिटल लुटेरा' टूलकिट स्थापित होने के बाद हमलावर अपने उपकरण पर एक विशेष एंड्रॉयड ढांचे के उपकरण का उपयोग कर प्रणाली स्तर की पहचान एवं संदेशों के हेरफेर करते हैं। इसके बाद बैंक के लिए भेजे जाने वाले पंजीकरण संदेशों को बीच में ही पकड़ लिया जाता है और 'वन टाइम पासवर्ड' चुपचाप हमलावरों द्वारा नियंत्रित टेलीग्राम ग्रुप पर भेज दिए जाते हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि फोन के संदेश अभिलेख में 'भेजा गया' जैसे नकली संदेश भी जोड़ दिए जाते हैं ताकि सब कुछ सामान्य दिखाई दे।

इसका परिणाम यह होता है कि पीड़ित का यूपीआई खाता किसी दूसरे उपकरण पर पंजीकृत और नियंत्रित किया जा सकता है जबकि असली सिम कार्ड पीड़ित के फोन में ही रहता है। साइबर खुफिया कंपनी ने कहा कि एंड्रॉयड उपकरण में इस प्रकार की हेरफेर के बाद यूपीआई अनुप्रयोग को यह विश्वास हो जाता है कि सत्यापन के लिए भेजे गए संदेश वास्तव में उसी फोन से भेजे गए हैं।

# कच्चा तेल उछलने से फिसला बाजार, सेंसेक्स 1,342 अंक टूटा, 5.14 लाख करोड़ डूबे

## निफ्टी भी 24000 से नीचे आया, विदेशी निवेशकों की निकासी और बैंकों के शेयरों की बिकवाली से बना दबाव

मुंबई, एजेंसी

- बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, ट्रेंट, भारती एयरटेल और कोटक महिंद्रा बैंक में रही गिरावट
- सेंसेक्स मंगलवार को 639.82 अंक चढ़कर 78,205.98 अंक पर बंद हुआ था और निफ्टी भी 233.55 अंक बढ़कर 24,261.60 अंक पर रहा था

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच कच्चे तेल के दाम में तेजी से शेयर बाजारों में बुधवार को बड़ी गिरावट आई। बीएसई सेंसेक्स ने 1,342 अंक का गोता लगाया और एनएसई निफ्टी फिसलकर 24,000 अंक के नीचे आ गया। यह गिरावट एक दिन की बढ़त के बाद आई है। इसके चलते निवेशकों की पूंजी में बुधवार को 5.14 लाख करोड़ रुपये की कमी आई

कारोबारियों ने कहा कि इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी और प्रमुख बैंकों के शेयरों में बिकवाली दबाव से भी बाजार नुकसान में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,342.27 अंक यानी 1.72 प्रतिशत लुढ़क कर 76,863.71 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसमें 1,446.72 अंक तक की गिरावट आई थी।

बीएसई में सूचीबद्ध 2,380 शेयरों में गिरावट आई जबकि 1,881 शेयर लाभ में रहे। वहीं 153 शेयर के भाव अपरिवर्तित रहे। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 394.75 अंक यानी 1.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,866.85 अंक पर बंद हुआ। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बनी हुई है और उतार-चढ़ाव भी बढ़ा है, जिससे निवेशकों का भरोसा कमजोर बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की आपूर्ति में प्रभावित होने की आशंका, बढ़ती मुद्रास्फीति और आर्थिक वृद्धि पर इसके संभावित प्रभाव को लेकर चिंताएं निवेशकों को सतर्क बनाए हुए हैं। इसके अलावा, विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा लगातार बिकवाली और रुपये में कमजोर रुख ने जोखिम लेने की प्रवृत्ति को और कम कर दिया है।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में बजाज फाइनेंस में सबसे ज्यादा 5.01 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, ट्रेंट, भारती एयरटेल और कोटक महिंद्रा बैंक प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ केवल दो शेयर सन फार्मा और एनटीपीसी लाभ में रहे।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि. के शोध प्रमुख (संपत्ति प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा किपिछले सत्र में उछाल के बाद बाजार में फिर से गिरावट शुरू हो गई है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार निकासी और बैंक, वित्तीय सेवाओं और वाहन शेयरों में बिकवाली के चलते मानक सूचकांक पर दबाव रहा।

मझोली कंपनियों से संबंधित बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक में 1.55 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप 0.61 प्रतिशत के नुकसान में रहा। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि आने वाले समय में, बाजार में सतर्क रुख अपनाये जाने संभावना है।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 5.76 प्रतिशत बढ़कर 92.86 डॉलर प्रति बैरल हो गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 4,672.64 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 6,333.26 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। एशिया के अन्य बाजारों में, जापान का निक्की, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट सकारात्मक दायरे में बंद हुए। जबकि हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिका बाजार मंगलवार को स्थिर रुख के साथ बंद हुए थे।

# सिंगापुर एयरलाइंस की सेल किराया 5,800 रुपये से शुरू

नयी दिल्ली, एजेंसी

सिंगापुर एयरलाइंस की सहायक कंपनी स्कूट ने ''मार्च थीमैटिक सेल'' की घोषणा की है जो 15 मार्च तक चलेगी। ऑफर के तहत भारत से सिंगापुर के लिए इकोनॉमी क्लास का एक तरफ का किराया मात्र 5,800 रुपये से शुरू होता है। सिंगापुर से आगे एशिया-पैसिफिक और अन्य लोकप्रिय शहरों के लिए भी कनेक्टिंग उड़ानें उपलब्ध हैं। ऑफर के तहत हर गंतव्य के लिए अलग-अलग अंतराल होंगे जो 01 अप्रैल से 16 दिसंबर के बीच हैं।

किफायती विमान सेवा कंपनी स्कूट एयर ने बताया कि चेन्नई से सिंगापुर का किराया 5,800 रुपये से शुरू हो रहा है।

तिरुचिरापल्ली से फुकेट का किराया 8,500 रुपये से, तिरुवनंतपुरम से सिडनी का 15,000 रुपये से और विशाखापत्तनम से बैंकॉक का 7,900 रुपये से शुरू होगा। अमृतसर से सेबू का टिकट 11,500 रुपये से और कोयंबटूर से ना त्रांग का 10,500 रुपये से मिलेगा।

अमृतसर और चेन्नई से यात्रा करने वाले यात्री अब स्कूट के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों में 'स्कूटप्लस' का बेहतर अनुभव भी ले सकते हैं। इसके लिए टिकट मात्र 12,900 से शुरू हो रहा है। 'स्कूटप्लस' के अंतर्गत यात्रियों को कई अतिरिक्त सुविधाएं मिलती हैं, जिनमें प्राथमिकता के आधार पर चेक-इन और बोर्डिंग, ज्यादा लेगरूम वाली आरामदायक सीटें, 15 किलोग्राम केबिन बैगेज और 30 किलोग्राम चेक-इन बैगेज की अनुमति शामिल है। अमृतसर से जाने वाले यात्रियों को ऑफर का लाभ 27 अप्रैल से 04 जून और बाद में 06 जुलाई से 24 अक्टूबर तक की यात्रा पर मिलेगा।

### मलेशिया एयरलाइंस की भारतीयों के लिए विशेष पेशकश

**नयी दिल्ली।** मलेशिया एयरलाइंस ने भारत के यात्रियों के लिए विशेष किराये का घोषणा की है। एयरलाइंस की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि ऑफर के तहत 10 मार्च से 23 मार्च तक बुकिंग करायी जा सकती है। यह बुकिंग 18 दिसंबर 2026 तक की यात्रा के लिए होगी। ऑफर के तहत इकोनॉमी क्लास का रिटर्न किराया 20,599 रुपये से शुरू होगा। यात्री मलेशिया एयरलाइंस के नेटवर्क पर कुआलालंपुर, सिंगापुर, ऑकलैंड, सिडनी और अन्य गंतव्यों के लिए टिकट बुक करा सकेंगे।

# एआईएफ के लिए नियामक मंजूरी प्रक्रिया में तेजी लाने को रुपरेखा बना रहा सेबी: पांडेय

मुंबई, एजेंसी

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने बुधवार को कहा कि वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) के लिए एक नए नियामकीय ढांचे पर विचार किया जा रहा है। इससे एआईएफ योजनाओं की पेशकश में तेजी आ सकती है। प्रस्तावित 'लॉज एंड लॉन्च' मॉडल के तहत कुछ एआईएफ योजनाओं को मर्चेंट बैंकर द्वारा जारी जांच-परख प्रमाणपत्रों के आधार पर पेश किया जा सकेगा, जिससे नियामक मंजूरी में लगने वाला समय कम होगा। पांडेय ने आईवीसीए कॉन्क्लेव-2026 में कहा कि इस ढांचे का उद्देश्य कारोबार को सुगम बनाना, एआईएफ पेशकश में तेजी लाना और निजी पूंजी के तेजी से जुटाने में सहायता करना है।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित प्रणाली के तहत, कुछ विशिष्ट एआईएफ योजनाएं जांच-परख प्रमाणन के लिए मर्चेंट बैंकर पर निर्भर हो सकती हैं, जबकि केवल मान्यता प्राप्त निवेशकों के लिए योजनाओं को लाकर, एआईएफ प्रबंधक खुलासा संबंधी जांच-परख सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होगा। नियामक ने कहा कि वह इस प्रस्ताव पर उद्योग जगत से परामर्श करेगा।

भारत में एआईएफ उद्योग का हाल के वर्षों में तेजी से विस्तार हुआ है। देश में अब 1,700 से अधिक पंजीकृत एआईएफ हैं, जिनकी कुल प्रतिबद्धताएं लगभग 15.74 लाख करोड़ रुपये और निवेश लगभग 6.45 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह दिसंबर, 2025 तक पिछले पांच वर्षों में लगभग 30 प्रतिशत की संचयी सालाना वृद्धि है। साथ ही, सेबी प्रमुख ने उद्योग के लिए प्रमुख चुनौतियों के रूप में 'गलत बिक्री' और 'उपयुक्त उत्पाद' का जिक्र किया।

# एफएसीटी को मिल जल्दी सकता है 'मिनी रत्न' का दर्जा

कोच्चि (केरल), एजेंसी। आजादी से पहले गठित देश की प्रमुख उर्वरक आपूर्तिकर्ता कंपनी, उर्वरक और रसायन त्रावणकोर (एफएसीटी) को जल्द 'मिनी रत्न' का दर्जा मिल सकता है।

कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि 66 साल पहले सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी (सीपीएसयू) बनी एफएसीटी को मिनी रत्न का दर्जा मिलने में सिर्फ 'प्रक्रियात्मक जरूरतें' बाकी रह गई हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी के वित्तीय पुनर्गठन (फाइनेंशियल रिस्ट्रक्चरिंग) का काम भी प्रगति पर है, जिसके पूरा होते ही से उसे यह दर्जा मिलने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा।

# भर्ती के समय अंग्रेजी दक्षता के आकलन से बढ़ती है कार्यक्षमता: रिपोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी

भारत में 98 प्रतिशत मानव संसाधन (एचआर) प्रमुखों का मानना है कि यदि भर्ती के दौरान अंग्रेजी कौशल का बेहतर आकलन किया जाए, तो संगठन अधिक कुशल होंगे। एजुकेशनल टेस्टिंग सर्विसेज (ईटीएस) की टीओईआईसी ग्लोबल इंग्लिश स्किल्स रिपोर्ट यह भी कहती है कि कृत्रिम मेधा (एआई) खराब अंग्रेजी दक्षता की भरपाई नहीं कर सकता। टोफेल और जीआरई जैसी परीक्षाएं आयोजित करने वाली प्रिंसटन स्थित संस्था ईटीएस ने यह रिपोर्ट भारत में 87 शीर्ष एचआर अधिकारियों के सर्वेक्षण के आधार पर तैयार की है। यह शोध 17 देशों के 1,325 एचआर अधिकारियों पर किए गए व्यापक सर्वेक्षण का हिस्सा है, जिसमें ब्राजील, चीन, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, भारत, जापान, मेक्सिको, मोरोक्को, सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया, स्पेन, ताइवान, थाइलैंड, तुर्किये, संयुक्त अरब अमीरात और वियतनाम शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में ज्यादातर नियोक्ताओं का मानना है कि पांच साल पहले की तुलना में अब अंग्रेजी दक्षता अधिक महत्वपूर्ण हो गई है, हालांकि इसके मूल्यांकन की गुणवत्ता और लागत जैसी बाधाएं अब भी बनी हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकांश एचआर प्रमुखों का मानना है कि एआई खराब अंग्रेजी दक्षता का विकल्प नहीं हो सकता, जिससे विश्वसनीय मूल्यांकन की जरूरत और बढ़ जाती है। भारत में 94 प्रतिशत एचआर प्रमुखों का कहना है कि बढ़ते वैश्विक सहयोग ने अंग्रेजी की आवश्यकता को बढ़ा दिया है, जबकि 84 प्रतिशत का मानना है कि अंग्रेजी की कमी प्रतिस्पर्धा में पिछड़ने का कारण बनती है।

# युवा उद्यमी योजना : जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर बनने का मौका

जानकारी

युवा अब जॉब सीकर नहीं जॉब क्रिएटर बनकर देश के विकास में सक्रिय सहभागिता करना चाहता है। युवा अब उद्यमी बनना चाहता है। युवाओं की इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने युवाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान शुरू किया है। इस योजना का उद्देश्य ऐसे युवाओं की मदद करना है जो पूंजी के अभाव में अपना व्यवसाय शुरू नहीं कर पा रहे हैं। यदि जानते हैं इस योजना से जुड़ी सभी जरूरी बातें-

**योजना की मुख्य विशेषताएं:** इसके तहत 21 से 40 वर्ष तक के युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए बिना गारंटी और ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाता है। अगले दस वर्षों में लगभग 10 लाख युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ना है। इसके तहत हर वर्ष करीब एक लाख युवाओं को इस योजना का लाभ देने की योजना बनाई गई है।

**दो चरणों में मिलेगी वित्तीय सहायता:** योजना को दो चरणों में लागू किया गया है। पहले चरण में अधिकतम 5 लाख रुपये की परियोजना के लिए करीब 4.5 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाता है। खास बात यह है कि ऋण चुकाने की प्रक्रिया में शुरुआती छह महीने तक राहत दी जाती है।

यदि लाभार्थी पहले चरण का ऋण समय पर चुका देता है, तो दूसरे चरण में उसे 10 लाख रुपये तक का ऋण मिल सकता है। इस चरण में ब्याज पर 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी का प्रावधान भी है।

### किसे मिलेगा योजना का लाभ

1-आवेदक उत्तर प्रदेश का स्थायी निवासी होना चाहिए।
2- उम्र 21 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए।
3-कम से कम आठवीं कक्षा पास होना आवश्यक है।
4-कोई स्किल सर्टिफिकेट, डिप्लोमा या डिग्री होना चाहिए।

इसके अलावा योजना में लाभार्थी को अपनी श्रेणी के अनुसार कुछ अंशदान भी करना होता है। सामान्य वर्ग के लिए 15 प्रतिशत, ओबीसी के लिए 12.5 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति-जनजाति और दिव्यांग वर्ग के लिए 10 प्रतिशत योगदान तय किया गया है।

### कैसे और कहां करें आवेदन

सीएम युवा उद्यमी योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन आधिकारिक पोर्टल msme.cmyuva.org.in पर किया जा सकता है।

**वेबसाइट पर जाएं:** उत्तर प्रदेश (CMYUVA) के आधिकारिक उद्यमी पोर्टल पर जाएं।

**पंजीकरण:** पंजीकरण/लॉग इन पर क्लिक करें और आधार नंबर दर्ज करके पासवर्ड बनाएं।

**फॉर्म भरें:** व्यक्तिगत, शैक्षणिक और व्यावसायिक जानकारी (जैसे परियोजना रिपोर्ट) सही-सही भरें।

**दस्तावेज अपलोड करें:** आधार, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो), 8वीं पास मार्कशीट, पैन कार्ड, फोटो, और बैंक पासबुक की स्कैन की गई प्रतियां अपलोड करें।

**सबमिट और ट्रैकिंग:** फॉर्म को 'फाइनल सबमिट' करें और आवेदन संख्या यानी एप्लीकेशन नम्बर को भविष्य के लिए सुरक्षित रखें।

**प्रशिक्षण और मार्गदर्शन भी देगी सरकार:** सरकार इस योजना के तहत केवल वित्तीय सहायता ही नहीं देती, बल्कि व्यवसाय शुरू करने और उसे सफल बनाने के लिए प्रशिक्षण और मार्गदर्शन की व्यवस्था भी करती है। अधिक जानकारी के लिए अपने जिले के जिला उद्योग केंद्र से संपर्क करें।

### भारत में गूगल क्रोम में मिलेंगी अंतर्निहित एआई सुविधाएं

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** गूगल ने भारत में उपयोगकर्ताओं के लिए 'गूगल क्रोम' में अंतर्निहित कृत्रिम मेधा (एआई) सुविधाओं को जोड़ने की बुधवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि इससे इंटरनेट पर खोज का अनुभव उपयोगकर्ताओं के लिए अधिक सहज, सुरक्षित एवं उपयोगी बनेगा। ये 50 से अधिक भाषाओं में उपलब्ध होंगी जिनमें हिंदी, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, तेलुगु और तमिल जैसी भारतीय भाषाएं भी शामिल हैं।गूगल आज क्रोम की कई नवीनतम कृत्रिम मेधा सुविधाओं (जिनमें क्रोम में जेमिनी भी शामिल है) को भारत के उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराने की घोषणा करता है। इसमें कहा गया कि ये सुविधाएं कंपनी के नवीनतम जेमिनी 3.1 मॉडल पर आधारित हैं।

# राजकोषीय घाटे के मानकों का पालन करें राज्य : नीति आयोग

नयी दिल्ली, एजेंसी

सरकारी शोध संस्थान नीति आयोग ने बुधवार को राज्यों से राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम के तहत राजकोषीय घाटे से संबंधित मानकों का पालन करने का आग्रह किया। इसके लिए व्यय प्रबंधन में अनुशासन, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) आधार बढ़ाने और कर क्षमता बढ़ाने को कहा गया है। नीति आयोग की ''राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक (एफएचआई) 2026'' रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन राज्यों का राजस्व घाटा बढ़ रहा है उन्हें अपने राजस्व व्यय को टिकाऊ राजस्व वृद्धि के अनुरूप रखना चाहिए। वित्त वर्ष 2023-24 के आंकड़ों पर आधारित इस रिपोर्ट के मुताबिक, राजकोषीय स्थिति के आधार पर शीर्ष 10 राज्यों में ओडिशा, गोवा, झारखंड, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और मध्य प्रदेश शामिल हैं।

वहीं बिहार, कर्नाटक एवं तेलंगाना ने मामूली सुधार दर्ज किया जबकि पंजाब, पश्चिम बंगाल एवं केरल इस सूचकांक में निचले स्थान पर रहे हैं। पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों में अरुणाचल प्रदेश शीर्ष पर रहा। इसके बाद उत्तराखंड, त्रिपुरा, मेघालय, असम और मिजोरम का स्थान रहा। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों तरह के आर्थिक झटके आते हैं, इसलिए मजबूत राजकोषीय स्थिति बनाए रखना जरूरी है।

## वर्ल्ड ब्रीफ

### स्विट्जरलैंड : बस में लगाई आग, छह की मौत, तीन गंभीर

**जिनेवा।** स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न के पश्चिम में स्थित एक शहर में बस में आग लग जाने से छह लोगों की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। फ्राइबर्ग क्षेत्र के पुलिस प्रवक्ता फ्रेडरिक पापो ने बताया कि बर्न से लगभग 25 किलोमीटर पश्चिम में स्थित केर्जर्स शहर में मंगलवार शाम हुई यह घटना जानबूझकर किया गया कृत्य हो सकती है। यह क्षेत्रीय परिवहन बस पोस्टबस द्वारा संचालित की जाती है जो राष्ट्रीय डाक सेवा से संबद्ध है। मीडिया में प्रसारित घटनास्थल की तस्वीरों में बस आग की लपटों से घिरी नजर आ रही है। क्षेत्रीय सरकार ने कहा, मौके पर पहुंचे बचाव दलों ने पाया कि वाहन आग की लपटों में घिरा हुआ था। हेलीकॉप्टर दलों ने तीन गंभीर घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

### अमेरिका : पत्नी के हत्यारोपी भारतीय पर 10 लाख डॉलर इनाम

**न्यूयॉर्क।** अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने पत्नी की हत्या के आरोपी भारतीय नागरिक के बारे में सूचना देने वाले को 10 लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम देने की घोषणा की है। उस पर पहले 2.5 लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम घोषित था। भद्रेशकुमार चेतनभाई पटेल (35) पर आरोप है कि उसने 12 अप्रैल 2015 को मैरीलैंड के हैनोवर में चाकू से कई बार वार कर अपनी पत्नी पलक पटेल (21) की हत्या कर दी। यह वारदात उस दुकान में हुई जहां दोनों काम करते थे। जांचकर्ताओं का मानना है कि पटेल ने देर रात दुकान के पिछले कमरे में अपनी पत्नी पर कई बार चाकू से वार किया और फिर पीछे के दरवाजे से भाग गया। भद्रेश एफबीआई की 10 सर्वाधिक वांछित अपराधियों की सूची में शामिल है।

### सूडान : स्कूल पर ड्रोन हमले में 17 की मौत अधिकतर छात्राएं

**काहिरा।** दक्षिणी सूडान के एक माध्यमिक विद्यालय और एक स्वास्थ्य केंद्र पर बुधवार को एक विस्फोटक से भरे ड्रोन हमले में 17 से ज्यादा लोग मारे गए। मरने वालों में अधिकतर स्कूली छात्राएं थीं। अस्पताल के एक अधिकारी और एक चिकित्सा समूह ने यह जानकारी दी। गांव के सबसे नजदीक स्थित प्रमुख चिकित्सा सुविधा केंद्र दुइम अस्पताल के निदेशक डॉ. मूसा अल-मजेरी के अनुसार, हमले में 10 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं जिन्हें अस्पतालों में भर्ती कराकर चिकित्सीय सुविधा दी जा रही है। अभी यह साफ नहीं किया गया है कि हमला किसने किया। अधिकारियों के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है।

## नेपाल: आरएसपी को पीआर श्रेणी में भी सर्वाधिक वोट

**काठमांडू।** नेपाल में आनुपातिक प्रतिनिधित्व श्रेणी (पीआर) के तहत मतों की गिनती बुधवार को समाप्त हो गई, जिसमें राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) को सबसे अधिक मत मिले। निर्वाचन आयोग की बुधवार को इस संबंध में आंकड़े साझा किए गए।

नेपाल की प्रतिनिधि सभा में 275 सीट हैं। इनमें से 165 सदस्य प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली और 110 सदस्य आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के माध्यम से चुने जाते हैं। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने कहा, मतगणना पूरी हो चुकी है। हालांकि, अंतिम परिणाम अभी प्रकाशित नहीं किए गए हैं क्योंकि आंकड़े दर्ज किए जाने का काम अभी जारी है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, कुल 1,07,85,876 मतों

- एक करोड़ से ज्यादा वोटों में से पार्टी को मिले 50% से ज्यादा

की गिनती हुई। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को 51,57,130 वोट मिले, जबकि नेपाली कांग्रेस को 17,55,872 मत प्राप्त हुए। सीपीएन (यूएमएल) को 14,52,758 मत जबकि नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को 8,09,577 मत मिले। श्रम संस्कृति पार्टी को 3,85,741 मत और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी को 3,30,268 मत मिले। नेपाल में पांच मार्च को हुए प्रत्यक्ष मतदान में आरएसपी ने 165 में से 125 सीट जीतकर इतिहास रच दिया। नेपाली कांग्रेस ने 18, सीपीएन (यूएमएल) ने नौ, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी ने सात, श्रम संस्कृति पार्टी ने तीन, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने एक और निर्दलीय ने एक सीट जीती।

## सफेद फॉस्फोरस का युद्ध में प्रयोग

ईरान और अमेरिका-इजराइल युद्ध के बीच इजराइल की ओर से लेबनान में सफेद फॉस्फोरस के इस्तेमाल दुनिया भर में युद्धों में बढ़ती क्रूरता को लेकर फिर नई चिंता पैदा की है। अंतर्राष्ट्रीय नियमों की अनदेखी कर युद्धों में क्रूरता दिखाने के मामले नए नहीं हैं। इसी युद्ध में ईरान के मिनाब शहर में बच्चियों के एक स्कूल पर मिसाइल हमला भी ऐसी ही क्रूरता का एक उदाहरण है, जिसमें पांच से 12 साल की 165 बच्चियों की मौत हो गई थी। अतीत में भी सैन्य संघर्षों के दौरान कई बार क्रूरता की हदें पार करके मानवता को शर्मसार किया गया है। विडंबना यह है कि क्रूरता को रोकने और इसके लिए जिम्मेदार देशों की जवाबदेही तय करने वाली अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का प्रभाव भी हाल के वर्षों में काफी कम हुआ है। इन परिस्थितियों ने दुनिया के सामने एक नए तरह का खतरा पैदा किया है।

## युद्धों में बढ़ती क्रूरता

### सफेद फॉस्फोरस का प्रयोग

- सफेद फॉस्फोरस का प्रयोग नागरिक आबादी वाले क्षेत्रों में 'कन्वेंशन ऑन सर्टेन कन्वेंशनल वेपन्स' के प्रोटोकॉल के तहत कड़ाई से नियंत्रित है।
- इसका प्रयोग पहले भी कई और सैन्य संघर्षों में हुआ है और दुनिया के मानवाधिकार संगठनों ने समय-समय पर इस पर गंभीर चिंता जताई है।
- सफेद फॉस्फोरस रासायनिक पदार्थ है जो ऑक्सीजन के संपर्क में आने पर स्वत: जल उठता है और बहुत उच्च तापमान पैदा करता है।
- इसके संपर्क में आने पर गहरे घाव हो सकते हैं, आंतरिक अंगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसका धुआं फेफड़ों-आंखों के लिए खतरनाक।

### क्रूरता के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय ढांचा

- जिनेवा कन्वेंशन युद्ध के दौरान घायलों, बीमारों, युद्धबंदियों और नागरिकों की सुरक्षा के लिए बुनियादी नियम निर्धारित करता है।
- अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय नरसंहार, युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए जवाबदेही तय करता है।
- रासायनिक हथियार कन्वेंशन युद्ध में उन हथियारों के उपयोग को प्रतिबंधित करते हैं जो अनावश्यक पीड़ा का कारण बनते हैं।
- रोम स्टैच्यूट संधि युद्ध अपराधों को परिभाषित करती है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर न्याय सुनिश्चित करने का आधार प्रदान करती है।
- संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय जैसी संस्थाएं काम करती हैं, दोषियों पर युद्ध अपराध का मुकदमा चलाती हैं।

### अमानवीय

महिलाओं-बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा को युद्ध की रणनीति के रूप में इस्तेमाल करना। सार्वजनिक रूप से हत्या करना और प्राचीन स्मारकों, पुस्तकालयों, धार्मिक स्थलों को नष्ट करना।

### युद्ध में नए प्रयोग

- सीरिया, यूक्रेन, गाजा में अस्पतालों स्कूलों पर हवाई हमले जो नागरिकों के लिए अंतिम शरणस्थली थे।
- सीरिया में सरीन गैस का इस्तेमाल या घनी आबादी वाले क्षेत्रों में क्लस्टर बम, सफेद फॉस्फोरस का प्रयोग।
- भोजन, पानी, दवाइयों की आपूर्ति काट देना ताकि भुखमरी को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा सके।

### दुनिया में ऐतिहासिक नरसंहार

- द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी ने लाखों यहूदियों और अल्पसंख्यकों का कत्लेआम किया, जो क्रूरता का सबसे वीभत्स उदाहरण माना जाता है।
- जापान की सेना ने 1937 में चीनी नागरिकों के साथ अत्यधिक बर्बरता के साथ सामूहिक हत्याएं की थीं जो नानजिंग के नरसंहार के नाम से मशहूर है।
- वर्ष 1994 में हुआ रवांडा नरसंहार जिसमें मात्र 100 दिनों के भीतर 8 लाख लोगों की नृशंस हत्या की गई, पड़ोसियों ने ही एक-दूसरे पर हमला किया।

# एलपीजी : कमी न होने के दावों के बीच देश भर में हाहाकार

## सिलेंडर के लिए कहीं लंबी कतारें तो कहीं ब्लैक के आरोप, विपक्ष ने लगाए सरकार पर गुमराह करने के आरोप

**नई दिल्ली, एजेंसी**

केंद्र सरकार की ओर से घरेलू गैस (एलपीजी) और पेट्रोलियम पदार्थों की कोई कमी न होने के लगातार दावों के बीच देश भर में हाहाकार मचा हुआ है। एलपीजी संकट के कारण एक तरफ होटल और रेस्टोरेंट उद्योग ठप होने के कगार पर पहुंच गया है तो दूसरी तरफ घरेलू सिलेंडरों के लिए गैस एजेंसियों पर लंबी कतारें लग रही हैं। लोग घरेलू गैस की ब्लैक के भी आरोप लगा रहे हैं।

भारतीय राष्ट्रीय रेस्तरां एसोसिएशन ने कहा है कि दिल्ली में नियमित एलपीजी आपूर्ति न होने से कुछ रेस्टोरेंट पाइप से होने वाली रसोई गैस आपूर्ति और इंडक्शन कुकिंग जैसे विकल्प अपना रहे हैं। कई रेस्तरां ऐसे व्यंजन को बढ़ावा दे रहे हैं जिनमें कम गैस खपत होती है। कोलकाता और पश्चिम बंगाल के कई शहरों में बुधवार को रसोई गैस एजेंसियों के कार्यालयों और ऑटो के लिए एलपीजी गैस भरवाने वाले केंद्रों पर लंबी कतारें नजर आईं। रांची समेत झारखंड के भी कई जिलों में यही हाल है। गैस एजेंसियों के ऑफिस में सिलेंडर की बुकिंग के लिए लोगों की भीड़ लगी हुई है। यहां सुबह से ही लंबी कतारें लग गई थीं। गैस सिलेंडर को लेकर एजेंसी और उपभोक्ताओं के बीच नोकझोंक भी हो रही है।

केरल में कई शहरों में होटलों को बंद कर दिया गया है। कर्नाटक सरकार ने बुधवार को एलपीजी वितरकों और डीलरों को कालाबाजारी या उपभोक्ताओं को 'ब्लैकमेल' करने के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी। दरअसल, सरकार को शिकायतें मिली हैं कि कुछ एलपीजी डीलर डिलीवरी में देरी करके हालात का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में भी खाद्य सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले ने सभी ऑयल कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें निर्देश दिए कि राज्य में एलपीजी संकट न होने दिया जाए।

प्रयागराज में एक गैस एजेंसी के बाहर बुधवार को सिलेंडर रिफिल कराने वालों की कतार।

### देश में एकाएक कई गुना बढ़ी बिजली के चूल्हों और केतलियों की बिक्री

**नई दिल्ली।** रसोई गैस के संकट के बीच देश में बिजली के चूल्हों (इंडक्शन) और इलेक्ट्रिक केतली की बिक्री में भारी उछाल आया है। टाटा समूह की कंपनी क्रोमा ने पिछले कुछ दिनों में चूल्हों की मांग में तीन गुना वृद्धि दर्ज की है, जबकि 'पिजन' ब्रांड बनाने वाली कंपनी स्टोवक्राफ्ट लिमिटेड की औसत साप्ताहिक ऑनलाइन बिक्री चार गुना बढ़ गई है। इन्फिनिटी रिटेल लिमिटेड (क्रोमा) के सीईओ और एमडी शिवाशीष रॉय ने कहा, पिछले कुछ दिन में बिजली के चूल्हों की मांग में अचानक तेजी आई है जो लगभग तीन गुना बढ़ गई है ग्राहक एक बार में कई चूल्हे खरीद रहे हैं। इलेक्ट्रिक केतली की मांग भी लगभग दोगुनी हो गई है। अमेजन इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि दो दिन में इंडक्शन चूल्हों की बिक्री 30 गुना बढ़ गई है, जबकि चावल पकाने वाला कुकर और इलेक्ट्रिक प्रेशर कुकर की बिक्री में चार गुना उछाल आया है। एयर फ्रायर और इलेक्ट्रिक केतली की बिक्री भी दोगुनी हो गई है।

रांची में बच्चे के साथ सिलेंडर लेने आई महिला।

### चेन्नई में होटलों-रेस्तरां ने छुट्टी घोषित की

**चेन्नई।** चेन्नई और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में संचालित होटलों और रेस्तरां के एक वर्ग ने वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति न होने के कारण बुधवार को छुट्टी घोषित कर दी। सुबह-सुबह चाय-कॉफी के लिए पहुंचे ग्राहक होटलों के बंद होने पर निराश हो गए। शहर के एक लोकप्रिय होटल में बुधवार को लगे नोटिस में लिखा था, एलपीजी आपूर्ति न होने के कारण 11 मार्च 2026 को छुट्टी घोषित की गई है। वहां कॉफी पीने आए एक निवासी ने तियागराया नगर स्थित होटल में छुट्टी घोषित होने के बाद कहा, अगर वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति की यही स्थिति रही तो घरेलू एलपीजी आपूर्ति पर भी इसका असर पड़ सकता है।

### पुडुचेरी के होटलों में शुरू हुआ लकड़ी का चूल्हा

**पुडुचेरी।** एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध नहीं होने के कारण पुडुचेरी में होटलों के बंद होने का खतरा पैदा हो गया है क्योंकि इस पर्यटन केंद्र में वैकल्पिक कदम हालात से निपटने में मददगार नहीं हो सकते। होटल्स एसोसिएशन के एक प्रवक्ता ने कहा कि अब असहाय स्थिति हो गई है। अधिकतर होटल ने या तो लकड़ी जलाकर खाना बनाना शुरू कर दिया है या कामकाज के घंटे कम कर दिए हैं और कुछ होटल इलेक्ट्रिक कुकर का इस्तेमाल कर रहे हैं।

## रसोई गैस संकट पर संसद में चर्चा हो, प्रधानमंत्री जवाब दें: खरगे

**नई दिल्ली।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया युद्ध और देश में रसोई गैस के कथित संकट को लेकर संसद में चर्चा कराई जानी चाहिए तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदन में इस पर जवाब दें। उन्होंने यह भी कहा कि देश को सच जानने का अधिकार है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी सरकार के नकली सूत्र आधारित आश्वासन उसकी पूर्ण अक्षमता को उजागर करते हैं। पश्चिम एशिया में युद्ध के बारे में पूर्वानुमान था। फिर भी सरकार ने भारत की ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित करने के लिए कुछ नहीं किया। अब संकट गहराता जा रहा है और आम लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि ईंधन की कमी से कृषि और उर्वरक आपूर्ति प्रभावित होने से सबसे पहले किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है, रसोई गैस सिलेंडर का सीमित वितरण, गैस भरवाने के लिए लंबी कतारें, वाणिज्यिक सिलेंडर की भारी कमी और घरेलू सिलेंडर के लिए 25 दिन तक की प्रतीक्षा की स्थिति पैदा हो गई है।

### ममता ने कहा- योजना बनाए बगैर केंद्र ने लगाए प्रतिबंध

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार को ऊर्जा आपूर्ति में मौजूदा व्यवधानों के मद्देनजर पाबंदी लगाने से पहले देश में एलपीजी, तेल और गैस के पर्याप्त भंडार सुनिश्चित करने चाहिए थे। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार को पहले एलपीजी, तेल और गैस के पर्याप्त भंडार सुनिश्चित करने चाहिए थे। उन्होंने स्थिति से निपटने के लिए उचित योजना बनाए बिना प्रतिबंध लगा दिए हैं। केंद्र ऊर्जा संकट को सुलझाने के बजाय राजनीति पर अधिक ध्यान दे रहा है।

### एक करोड़ लोगों के बेरोजगार होने का खतरा : केजरीवाल

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पूरे देश में एलपीजी गैस की भारी किल्लत है और इस वजह से एक करोड़ से ज्यादा लोगों के बेरोजगार होने का खतरा है। केजरीवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश बहुत गंभीर संकट से गुजर रहा है। पूरे देश में एलपीजी गैस की भारी किल्लत हो गई है। हमारे देश में एलपीजी के उत्पादन में 50 फीसदी की कमी आ गई है। देश में एलपीजी का 60 फीसदी आयात होता है। इसमें 90 फीसदी एलपीजी स्टेट ऑफ हॉर्मुज से आती है जो भारत के लिए बंद कर दिया गया है। इस संकट का सबसे बड़ा खामियाजा रेस्टोरेंटों, होटलों को भुगतना पड़ रहा है।

# विपक्ष अब ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए देगा नोटिस

## लोकसभा के 120, राज्यसभा के 60 सदस्यों ने किए हस्ताक्षर, पक्षपात और भेदभाव का लगाया आरोप

**नई दिल्ली, एजेंसी**

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के बाद मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पक्षपात और भेदभाव करने सहित कई आरोपों को लेकर पद से हटाने का प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस के लिए विपक्ष ने आवश्यक हस्ताक्षर एकत्र किए हैं और अगले एक-दो दिन में संसद के दोनों सदनों में इसे पेश करने की तैयारी है।

एक वरिष्ठ सांसद ने बताया कि हस्ताक्षर एकत्र करने का काम पूरा कर लिया गया है और नोटिस बृहस्पतिवार को दिए जाने की संभावना है। विपक्ष के एक अन्य वरिष्ठ नेता ने कहा कि नोटिस बृहस्पतिवार या

- इंडिया गठबंधन में शामिल न होने के बावजूद आप ने भी किए हस्ताक्षर

शुक्रवार को दोनों सदनों में दिया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि बुधवार शाम तक लगभग 120 सांसदों ने लोकसभा में दिए जाने वाले नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं और लगभग 60 सांसदों ने उच्च सदन में दिए जाने वाले नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। नियमों के मुताबिक, लोकसभा में कम से कम 100 सदस्यों के हस्ताक्षर वाला नोटिस और राज्यसभा में कम से कम 50 सदस्यों के हस्ताक्षर नोटिस देना होता है।

सूत्रों ने बताया कि नोटिस पर 'इंडिया' गठबंधन के सभी घटक दलों के सदस्यों ने हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी के सांसदों ने भी नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं, जबकि वह अब आधिकारिक तौर पर इस गठबंधन का हिस्सा नहीं है।

### किसी सीईसी को हटाने के लिए पहली बार प्रस्ताव

यह पहली बार है जब मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पद से हटाने के लिए कोई नोटिस दिया जा रहा है। विपक्षी दलों ने कई मौकों पर सीईसी पर सत्तारूढ़ भाजपा की मदद करने का आरोप लगाया है। विपक्ष एसआईआर की कवायद को लेकर पिछले कुछ महीनों से उन पर लगातार निशाना साधता रहा है। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर का उद्देश्य भाजपा की मदद करना है। सीईसी को पद से हटाने का नोटिस संसद के किसी भी सदन में दिया जा सकता है और इसे अवश्य ही विशेष बहुमत से पारित किया जाना चाहिए, जो सदन की कुल सदस्यता का बहुमत और उपस्थित एवं मतदान में हिस्सा लेने वाले सदस्यों का दो-तिहाई बहुमत होना चाहिए।

## अमेरिका में 300 अरब डॉलर की पहली रिफाइनरी में साझेदार होगी रिलायंस

**वाशिंगटन।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है उनके देश में पचास साल बाद बनने वाली 300 अरब डॉलर की पहली तेल रिफाइनरी में भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज समूह साझेदार होगी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पेज ट्रुथ सोशल पर यह जानकारी दी है।

उन्होंने कहा, इस ज़बरदस्त निवेश के लिए भारत में हमारे साझेदार और उनकी सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी, रिलायंस को धन्यवाद। ट्रंप ने कहा, अमेरिका असली ऊर्जा प्रभुत्व की ओर लौट रहा है, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग, ब्राउन्सविले, टेक्सास में 50 साल में पहली नई अमरीकी तेल रिफाइनरी खोल रही है। यह एक ऐतिहासिक 300 अरब डॉलर की डील है, अमरीकी इतिहास की सबसे बड़ी, अमेरिकी लोगों, ऊर्जा और दक्षिण टेक्सास के लोगों के लिए एक बड़ी जीत।

- ट्रंप ने कहा- अमेरिका फर्स्ट के एजेंडे के तहत ऐतिहासिक डील

उन्होंने कहा, यह हमारे अमेरिका फर्स्ट एजेंडा, परमिट को आसान बनाने और कर कम करने की वजह से है, हमारे देश में अरबों डॉलर की डील वापस आ रही हैं। उन्होंने कहा कि ब्राउन्सविले पोर्ट पर एक नई रिफाइनरी, अमरीकी बाजार को बढ़ावा देगी।

### कैसा रहेगा आपका आज का दिन

**मेष** आज आपके काम अपेक्षाकृत तीव्र गति से पूर्ण होंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। बच्चों की प्रगति से उत्साहित रहेंगे।

**वृष** आज स्वास्थ्य कुछ नरम-गरम सा हो सकता है। सफलता प्राप्त करने हेतु शॉर्टकट अपना सकते हैं। कुछ लोग आपकी आलोचना करेंगे।

**मिथुन** आज आप काफी नए विचारों के प्रभाव में रहेंगे। विवाह संबंधी चर्चाएं कर सकते हैं। बैंकिंग से जुड़े लोगों को प्रमोशन मिल सकता है।

**कर्क** आज आपके काम की गुणवत्ता बढ़ेगी। नई विधाओं को सीखने का प्रयास करें। पुराने लंबित मामलों में जीत मिल सकती है।

**सिंह** आज कारोबार में बड़ा लाभ अर्जित कर सकते हैं। अधिकारों में वृद्धि होगी। भविष्य को लेकर योजना बना सकते हैं।

**कन्या** आज लेखन व मीडिया से जुड़े कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक तनाव में कमी आएगी। काम की बारीकियों में ध्यान देंगे।

**तुला** आज व्यर्थ की गतिविधियों में समय बर्बाद न करें। आलस्य के कारण काम बिगड़ सकते हैं। शुगर के रोगी अपने खानपान पर ध्यान दें।

**वृश्चिक** आज आपका स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा। अपनी मेहनत और क्षमताओं पर विश्वास रखें। प्रेम विवाह को पारिवारिक सहमति मिल सकती है।

**धनु** आज आपकी आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। संतान की प्रगति से उत्साहित रहेंगे। आपके ऊपर काम का अत्यधिक दबाव रहेगा।

**मकर** आज उधार लेन-देन से आपको बचना चाहिए। किसी से अधिक बहस न करें। अटका हुआ धन आपको मिल सकता है।

**कुंभ** आज कार्यक्षेत्र में आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहने वाली हैं। किसी समस्या का समाधान मिलेगा। दूसरों पर निर्भर न रहे।

**मीन** आज नए व्यवसाय पर धन निवेश कर सकते हैं। अपने कर्म पर विश्वास रखें। आय और व्यय में संतुलन रहेगा।

### आज का पंचांग

-पं. मनोज कुमार द्विवेदी

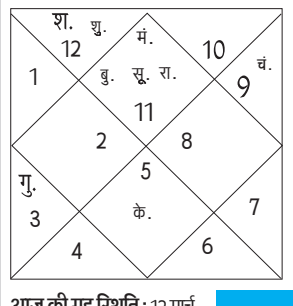


**आज की ग्रह स्थिति :** 12 मार्च, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष, नवमी पूर्ण रात्रि तक।

**दिशाशूल**- दक्षिण, **ऋतु**- वसंत। **चन्द्रबल**-मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन। **ताराबल**-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती। **नक्षत्र**- मूल 13 मार्च 00.43 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

### सुडोकू - 85 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 5 | 9 | 3 | 7 | 4 | 8 | 2 | 6 |
| 4 | 2 | 8 | 9 | 6 | 5 | 1 | 3 | 7 |
| 6 | 3 | 7 | 2 | 8 | 1 | 4 | 9 | 5 |
| 7 | 8 | 3 | 1 | 9 | 6 | 5 | 4 | 2 |
| 2 | 9 | 4 | 8 | 5 | 7 | 6 | 1 | 3 |
| 5 | 1 | 6 | 4 | 2 | 3 | 9 | 7 | 8 |
| 3 | 4 | 2 | 5 | 1 | 8 | 7 | 6 | 9 |
| 8 | 7 | 1 | 6 | 3 | 9 | 2 | 5 | 4 |
| 9 | 6 | 5 | 7 | 4 | 2 | 3 | 8 | 1 |

### सुडोकू -86

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 4 | | | | 2 | | |
| 1 | | | 8 | | 5 | | 3 | |
| | 9 | | | 3 | 4 | | | |
| | 2 | | 9 | | | 6 | | |
| 6 | | 3 | | | | | | 4 |
| | | | | 6 | 1 | | 2 | |
| | | | 7 | | | | | 6 |
| | 4 | | 1 | | 6 | | | |
| | | 6 | | | | 9 | | |

# उत्तर कोरिया ने किया क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण

**प्योंगयांग, एजेंसी**

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने देश के नए युद्धपोत से किए गए क्रूज मिसाइल परीक्षण का निरीक्षण किया। यह परीक्षण ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया से 11 दिन का संयुक्त सैन्य अभ्यास 'फ्रीडम शील्ड' शुरू किया है।

उत्तर कोरिया इस सैन्य अभ्यास का कड़ा विरोध कर रहा है। सरकारी मीडिया के अनुसार, मिसाइलों का प्रक्षेपण नए 5,000 टन वर्ग के ''चोए ह्योन'' विध्वंसक युद्धपोत से नाम्पो तट के पास किया गया, जहां जहाज के प्रदर्शन परीक्षण चल रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मिसाइलें करीब 2 घंटे 50 मिनट तक तय मार्ग पर उड़ती रहीं और कोरियाई प्रायद्वीप के पश्चिमी तट के पास पीले सागर के ऊपर से गुजरते हुए अपने निर्धारित लक्ष्यों को भेद दिया। समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार, किम जोंग उन ने अपनी किशोर बेटी के साथ एक

- अमेरिका-दक्षिण कोरिया संयुक्त सैन्य अभ्यास पर नाराजगी

गुप्त स्थान से वीडियो लिंक के जरिए इस परीक्षण को देखा।

क्रूज मिसाइलें पीले सागर के ऊपर निर्धारित उड़ान मार्ग से गुजरते हुए अपने तय लक्ष्यों पर सफलतापूर्वक पहुंचीं। एजेंसी के मुताबिक, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने कहा कि देश की युद्ध प्रतिरोध क्षमता के विभिन्न घटकों को अब लगातार और तेज गति से एक अत्याधुनिक परिचालन प्रणाली में शामिल किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि देश की परमाणु ताकत अब बहुआयामी संचालन के नए चरण में प्रवेश कर चुकी है।

## बाल से 10 गुना पतला, स्टील से 10 गुना मजबूत फाइबर

**बीजिंग।** चीन ने घरेलू स्तर पर विकसित और बेहद शक्तिशाली टी1200 कार्बन फाइबर बना लिया है। इसका अंतरिक्ष और मानव रोबोट क्षेत्र में इस्तेमाल किया जाएगा।

- चीन ने बेहद शक्तिशाली कार्बन फाइबर पेश किया

इस फाइबर का व्यास मानव बाल के दसवें हिस्से से भी कम है, फिर भी इसकी मजबूती स्टील की तुलना में 10 गुना अधिक है और इसका घनत्व स्टील के घनत्व का एक-चौथाई है। हाई-टेक उद्योगों में इसे अपनाने की गति तेज होने की उम्मीद है। इसके निर्माता 'चीन नेशनल बिल्डिंग मटेरियल ग्रुप कंपनी लिमिटेड' के अनुसार, कंपनी इस केबल के सौ टन की वार्षिक उत्पादन की क्षमता हासिल कर ली है। इसके साथ ही चीन इस स्तर के फाइबर का इतने बड़े पैमाने पर उत्पादन करने वाला पहला देश बन गया है।

**ऐतिहासिक फैसला** वर्ष 2013 में चौथी मंजिल से गिरकर घायल हुए थे 32 वर्षीय हर्ष, कोमा में हैं 12 साल से

# देश में पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति

**नई दिल्ली, एजेंसी**

सुप्रीम कोर्ट ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु (पैसिव युथनेसिया) की पहली बार स्वीकृति देते हुए 32 वर्षीय उस व्यक्ति की कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली हटाने की बुधवार को अनुमति दे दी जो 12 साल से अधिक समय से कोमा में है। निष्क्रिय इच्छामृत्यु का अर्थ है कि नाजुक स्थिति वाले किसी मरीज को जीवित रखने वाली चिकित्सा सहायता को रोकने की अनुमति देना ताकि उसकी स्वाभाविक मौत हो सके।

### एम्स को निर्देश, मृत्यु की गरिमा बरकरार रहे

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को राणा को उपशामक देखभाल इकाई में भर्ती करने का निर्देश दिया ताकि चिकित्सकीय उपचार बंद किया जा सके। पीठ ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि उपचार एक सुनियोजित तरीके से बंद किया जाए ताकि गरिमा बनी रहे। निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति देने वाला यह आदेश 2023 में संशोधित किए गए 2018 के उस फैसले के अनुरूप है जिसमें गरिमा के साथ मृत्यु के मौलिक अधिकार को मान्यता दी गई थी।

इस फैसले के साथ ही कोर्ट ने केंद्र सरकार से निष्क्रिय इच्छामृत्यु पर एक व्यापक कानून बनाने पर विचार करने का आग्रह किया ताकि इससे उन मामलों में स्पष्टता मिलेगी जो बेहद व्यावहारिक और भावनात्मक रूप से संवेदनशील हैं। कोर्ट ने कहा कि कानून के अभाव के कारण, उसे हस्तक्षेप करने और दिशानिर्देश देने के लिए विवश होना पड़ा क्योंकि यह संस्थागत वरीयता का मामला नहीं बल्कि संवैधानिक आवश्यकता का मामला है, ताकि मौलिक अधिकारों की शुचिता, विशेष रूप से गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार की रक्षा की जा सके। गाजियाबाद निवासी हर्ष राणा 2013 में एक इमारत की चौथी मंजिल से गिरने के कारण सिर में चोट लगने से घायल हो गए थे और तभी से कोमा में हैं। दुर्घटना के वक्त हर्ष राणा पंजाब विश्वविद्यालय के छात्र थे।

मुझे फीफा ईरान की राष्ट्रीय टीम को अमेरिका आने और लगभग तीन महीने में शुरू होने वाले विश्व कप में खेलने की अनुमति देगा, भले ही दोनों देशों के बीच युद्ध जारी हो। विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा। ऐसे में ईरान को रोकना गलत होगा। – जियानी इन्फेंटिनो


# स्टेडियम

कानपुर नगर, गुरुवार, 12 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com


## हाईलाइट

### 2025 बीसीबी चुनावों की जांच के लिए कमेटी बनाई गई

**ढाका,एजेंसी :** नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल (एनएससी) ने बुधवार को बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड के 2025 के चुनाव में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों के आरोपों की जांच के लिए पांच सदस्यों वाली एक इंडिपेंडेंट जांच कमेटी बनाई। एनएससी ने एक ऑफिशियल नोटिफिकेशन के जरिए इस फैसले की घोषणा तमीम इकबाल द्वारा पिछले साल के बीसीबी चुनावों की जांच के लिए एक रिक्वेस्ट करने के कुछ दिनों बाद की, जिसमें दावा किया गया था कि राजधानी के 76 में से 50 क्लबों ने जांच की मांग का समर्थन किया था। र सालेह अकरम सम्राट हैं। कमेटी शिकायतों से जुड़े डॉक्यूमेंट और सबूत इकट्ठा करेगी और चुनाव प्रक्रिया में शामिल संबंधित लोगों और ऑर्गनाइज़ेशन से बयान लेगी। यह जांच करेगी कि क्या काउंसलर नॉमिनेशन प्रक्रिया बीसीबी संविधान और लागू कानूनों और नियमों के अनुसार की गई थी।

### देवेंद्र फडणवीस ने सूर्यकुमार- शिवम दुबे को सम्मानित किया

**मुंबई, एजेंसी :** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप में भारत के रिकॉर्ड तीसरे टाइटल जीतने के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर शिवम दुबे को सम्मानित किया। मुंबई क्रिकेट संघ के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक भी इस मौके पर मौजूद थे, जब मुंबई की इस जोड़ी को टाइटल जीतने वाले कैंपेन में उनके शानदार योगदान के लिए सम्मानित किया गया। भारत ने गत रविवार को अहमदाबाद में फ़ाइनल में न्यूज़ीलैंड को 96 रन से हराकर तीसरी बार खिताब जीता था। शिवम दुबे के लिए मुंबई पहुंचना एक दिलचस्प घटना रही। हवाई यात्रा उपलब्ध न होने के कारण शिवम थ्री टियर एसी से सफर कर मुंबई पहुंचे।

### ईरान की महिला फुटबॉल टीम की दो और सदस्यों को शरण

**गोल्ड कोस्ट (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी :** ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री टोनी बर्क ने बुधवार को कहा कि ईरान की महिला फुटबॉल टीम की दो और सदस्यों को ऑस्ट्रेलिया में शरण दी गई है। बर्क ने कैनबरा में पत्रकारों को बताया कि ईरान की पांच खिलाड़ियों को पहले ही मानवीय आधार पर वीजा दिया गया था। अब इन महिला सदस्यों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। उन्होंने कहा कि टीम की जिन नयी दो सदस्यों को शरण दी गई है उनमें एक खिलाड़ी और एक सहयोगी स्टाफ की सदस्य है। इन दोनों ने उनकी टीम के अन्य सदस्यों को हवाई अड्डा ले जाने से पहले ही शरण मांगी थी। टीम के बाकी सदस्य सिडनी से ईरान जाने वाली उड़ान में मंगलवार देर रात सवार हुए। इस बीच टीम के होटल में काफी गहमागहमी रही। यहां बता दें कि ट्रंप नें कुछ दिन पहले आस्ट्रेलिया से इरान की इच्छुक महिला खिलाड़ियों को शरण देने के लिए कहा था।

# पहले 20 मैचों के लिए आईपीएल 2026 का कार्यक्रम घोषित, रिकॉर्ड 84 मैच होंगे

## चैम्पियन आरसीबी व एसआरएच के बीच उद्घाटन मुकाबला

**मुंबई, एजेंसी**

आईसीसी टी20 विश्व कप में तीसरी खिताबी जीत की खुमारी अभी टीम इंडिया के साथ-साथ भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के सिर चढ़ी हुई है, तभी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने दुनिया की सर्वाधिक लोकप्रिय क्रिकेट लीग यानी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का बुखार चढ़ा दिया। इस क्रम में आईपीएल के पहले 20 मैचों की घोषणा कर दी गई है। तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव के बाद पूरा कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। कुल 84 मैच खेले जायेंगे।

शुरुआती 20 मैचों के शेड्यूल पर गौर करें तो मौजूदा चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की टीम 28 मार्च को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ पहले मैच से सीजन की शुरुआत करेगी। हालांकि, आरसीबी के सभी घरेलू मैचों के लिए विशेषज्ञ समिति से मंजूरी मिलना जरूरी है।आईपीएल 2025 के पंजाब किंग्स का पहला मैच 31 मार्च को मुल्लांपुर में गुजरात टाइटंस के खिलाफ होगा। पांच बार का पूर्व चैम्पियन मुंबई इंडियंस 29 मार्च, रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स से भिड़ेगा।

उल्लेखनीय है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण खिलाड़ियों की यात्रा के इंतजामों को लेकर बनी चिंताओं के बीच फिलहाल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के पहले चरण का कार्यक्रम घोषित किया है। पिछले सत्र में स्टेडियम में हुई भगदड़ को ध्यान में रखते हुए यह समिति 13 मार्च को बैठक में टूर्नामेंट की तैयारियों का आकलन करेगी। पूरे टूर्नामेंट का कार्यक्रम तब घोषित किया जाएगा जब तीन राज्यों तमिलनाडु, असम और पश्चिम बंगाल में होने वाले चुनावों की तारीख घोषित हो जाएंगी। बीसीसीआई के अधिकारियों के दिमाग में राज्य चुनावों के अलावा पश्चिम एशिया में बढ़ता संघर्ष भी सबसे अहम होगा। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष का असर अंतर्राष्ट्रीय हवाई यात्रा पर पड़ा है जिससे प्रमुख हवाई अड्डों जैसे दोहा और दुबई में संचालन पर भारी प्रतिबंध लगने से कई उड़ानें प्रभावित हुई हैं। इसी कारण दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीम के कुछ खिलाड़ी टी20 विश्व कप समाप्त होने के एक सप्ताह बाद भी अपने देश नहीं लौट पाए हैं। अब यह देखना बाकी है कि इन दोनों देशों के खिलाड़ी आईपीएल टीमों से समय पर जुड़ पाते हैं या नहीं।

### पहले 20 मैचों का शेड्यूल

28 मार्च : रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर बनाम सनराइजर्स हैदराबाद (बेंगलुरु)।

29 मार्च : मुंबई इंडियंस बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स (मुंबई)।

30 मार्च : राजस्थान रॉयल्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स (गुवाहाटी)।

31 मार्च (मंगलवार) : पंजाब किंग्स बनाम गुजरात टाइटंस (मुल्लांपुर)।

1 अप्रैल : लखनऊ सुपर जाएंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स (लखनऊ)।

2 अप्रैल (गुरुवार) : कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद (कोलकाता)।

3 अप्रैल (शुक्रवार) : चेन्नई सुपर किंग्स बनाम पंजाब किंग्स (चेन्नई)।

4 अप्रैल (शनिवार) : दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस (दिल्ली)।

4 अप्रैल : गुजरात टाइटंस बनाम राजस्थान रॉयल्स (अहमदाबाद)।

5 अप्रैल : सनराइजर्स हैदराबाद बनाम लखनऊ सुपर जाएंट्स (हैदराबाद)।

5 अप्रैल : रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर बनाम चेन्नई सुपर किंग्स (बेंगलुरु)।

6 अप्रैल : कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम पंजाब किंग्स (कोलकाता)।

7 अप्रैल : राजस्थान रॉयल्स बनाम मुंबई इंडियंस (गुवाहाटी)।

8 अप्रैल (बुधवार) : दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात टाइटंस (दिल्ली)।

9 अप्रैल : कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम लखनऊ सुपर जाएंट्स (कोलकाता)।

10 अप्रैल : राजस्थान रॉयल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (गुवाहाटी)।

11 अप्रैल : पंजाब किंग्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद (मुल्लांपुर)।

11 अप्रैल : चेन्नई सुपर किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स (चेन्नई)।

12 अप्रैल : लखनऊ सुपर जाएंट्स बनाम गुजरात टाइटंस (लखनऊ)

12 अप्रैल (रविवार) : मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (मुंबई)।

# अभिषेक, किशन बल्लेबाजी में पहले दो स्थान पर पहुंचे

**टी-20 रैंकिंग**

- **अफगानिस्तान के राशिद खान 753 अंकों के साथ विश्व के नंबर एक गेंदबाज बने**

**दुबई, एजेंसी**

अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से क्रिकेट प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करने वाले ईशान किशन ने टी20 विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर बुधवार को जारी की गई खेल के छोटे प्रारूप की अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है और वह शीर्ष पर काबिज अभिषेक शर्मा से केवल चार अंक पीछे हैं।

टी20 विश्व कप के फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ अर्धशतक लगाने वाले अभिषेक दुनिया के पहले नंबर के बल्लेबाज बने हुए हैं। उनके साथी बाएं हाथ के बल्लेबाज किशन टूर्नामेंट में 317 रन बनाने के बाद दो पायदान ऊपर दूसरे स्थान पर आ गए हैं। अब वह अभिषेक के सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी बन गए हैं। किशन (871 अंक) ने अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की और अब वह अभिषेक (875 अंक) से सिर्फ चार रेटिंग अंक पीछे हैं। न्यूजीलैंड के टिम सीफर्ट (चार पायदान ऊपर छठे स्थान पर) और इंग्लैंड के जैकब बेथेल (17 पायदान ऊपर 16वें स्थान पर) ने भी टी20 विश्व कप में कुछ शानदार पारियों के दम पर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन (सात पायदान की छलांग से 20वें स्थान पर) को भी फायदा हुआ जिन्होंने सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 33 गेंदों में शतक बनाकर पुरुष टी20 विश्व कप में अब तक के सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड तोड़ा। वहीं भारतीय सलामी बल्लेबाज और विकेटकीपर संजू सैमसन (18 पायदान की छलांग से 22वें स्थान पर) और शिवम दुबे (चार पायदान ऊपर 27वें स्थान पर) ने भी टूर्नामेंट में शानदार पारियों की बदौलत बल्लेबाजी रैंकिंग में काफी सुधार किया। गेंदबाजों की रैंकिंग में हालांकि बदलाव आया है। टी20 विश्व कप में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पहले स्थान से हट गए हैं और उनकी जगह अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बन गए हैं। चक्रवर्ती के 740 रेटिंग अंक है और वह राशिद (753) के बाद दूसरे स्थान पर हैं> विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद जिन अन्य गेंदबाजों की रैंकिंग में सुधार हुआ है उनमें आदिल रशीद (एक पायदान ऊपर चौथे स्थान पर), जसप्रीत बुमराह (एक पायदान ऊपर छठे स्थान पर) और अक्षर पटेल (छह पायदान ऊपर 17वें स्थान पर) शामिल हैं। टी20 में ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी मुकाबला काफी कड़ा है। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा और भारत के स्टार खिलाड़ी हार्दिक पंड्या ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की और वे पहले दो स्थान पर काबिज हैं।

# बायर्न म्यूनिख और एटलेटिको मैड्रिड की बड़ी जीत, लिवरपूल हारा, बार्सिलोना ने ड्रॉ खेला

**पेरिस, एजेंसी**

बायर्न म्यूनिख और एटलेटिको मैड्रिड ने बड़ी जीत हासिल करके चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए लेकिन लिवरपूल और बार्सिलोना को अब भी कड़ी मेहनत करनी होगी। बायर्न म्यूनिख ने अटलांटा को 6-1 से करारी शिकस्त दी, जबकि टीम के शीर्ष गोल स्कोरर हैरी केन इस मैच में नहीं खेल रहे थे। इस सत्र में अब तक 47 गोल करने वाले केन इस मैच में खेलने के लिए फिट नहीं थे। उनकी अनुपस्थिति में माइकल ओलिस ने दो गोल किए।

सर्ज ग्नाब्री, निकोलस जैक्सन, जोसिप स्टैनिसिक और जमाल मुसियाला ने एक-एक गोल किया। दूसरी तरफ एटलेटिको मैड्रिड ने टॉटनहम को 5-2 से पराजित किया। टॉटनहम के कोच इगोर ट्यूडर ने पहले नंबर के गोलकीपर गुगिलएल्मो विकारियो को बाहर रखने का फैसला किया जो टीम को भारी पड़ा क्योंकि एटलेटिको ने 15 मिनट के भीतर ही 3-0 की बढ़त बना ली थी। लिवरपूल को गैलाटासराय ने 1-0 से हराया। उसे अब अगले सप्ताह एनफील्ड में होने वाले दूसरे चरण के मैच में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। बार्सिलोना की टीम भी जूझती हुई नजर आईं। उसने खेल के अंतिम क्षणों में लामिन यामल के पेनल्टी पर किए गोल की मदद से न्यूकैसल के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला।

# यानिक सिनर क्वार्टर फाइनल में

**इंडियन वेल्स,एजेंसी:** दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर ने उभरते ब्राजीलियाई स्टार जोआओ फोन्सेका की कड़ी चुनौती पर काबू पाते हुए रोमांचक मुकाबले में 7-6(6), 7-6(4) से जीत के साथ बीएनपी परीबा ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। सिनर ने शुरूआती सेट के टाई-ब्रेक में तीन सेट प्वाइंट बचाए और बाद में दूसरे सेट में 5-2 पर मैच बंद करने में नाकाम रहने के बाद वापसी की।

# केर की हैट्रिक, न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे का किया सूपड़ा साफ

**डुनेडिन, एजेंसी**

अमेलिया केर (80 रन /पांच विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड की महिला टीम ने बुधवार को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में जिम्बाब्वे को 200 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप किया। प्लेयर ऑफ द मैच अमेलिया केर ने हैट्रिक बनाई। केर ने यूनिवर्सिटी ओवल में जबरदस्त ऑल-राउंड प्रदर्शन किया, उन्होंने 80 रन बनाए जिससे न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 303/6 का बड़ा स्कोर बनाया। केर के अलावा मैडी ग्रीन ने 73 गेंदों में (94), ब्रूक हॉलीडे ने (40) रनों का योगदान दिया। जिम्बाब्वे के लिए क्रिस्टाबेल चैटोंजवा ने 48 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि टेंडाई मकुशा, एडेल जिमुनु और प्रेशियस मारेंज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अमेलिया केर ने फिर गेंदबाजी करते हुए हैट्रिक लगाकर जिम्बाब्वे के पांच विकेट झटके। पिछले मैच में उन्होंने शानदार सात विकेट लिए थे। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को 27.1 ओवर में 103 रनों पर समेट कर 200 रनों से यह मुकाबला अपने नाम किया। न्यूजीलैंड के लिए अमेलिया केर ने 3.1 ओवर में 22 रन देकर पांच विकेट लिये। रोजमेरी मैयर को दो विकेट मिले। जेस केर और ब्री इलिंग ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। कुल मिलाकर, केर महिला एकदिवसीय इतिहास में हैट्रिक लेने वाली 14वीं गेंदबाज बन गईं। इससे पहले इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की चार्ली डीन ने 2024 में दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ ऐसा किया था, और दक्षिण अफ्रीका की क्लो ट्रायोन ने 2025 में श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ यह कारनामा किया था।

# ओसाका को परास्त कर आर्यना सबालेंका क्वार्टरफाइनल में

**कैलिफ़ोर्निया, एजेंसी**

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने नाओमी ओसाका को हराकर इंडियन वेल्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। 27 साल की बेलारुस की सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान की ओसाका को 80 मिनट चले मुकाबले में 6-2, 6-4 से हरा कर टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। जुलाई 2023 में बेटी शाई के जन्म के बाद 14 महीनों के बाद वापसी कर रही ओसाका ने मैच की शुरुआत एक कॉन्फिडेंट ओपनिंग सर्विस गेम से की। हालांकि, सबालेंका ने जल्द ही अपनी रिदम पकड़ ली और 28 साल की जापानी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर 2-1 की बढ़त बना ली। बेलारूसी खिलाड़ी ने कई दमदार बैकहैंड मारकर अपनी पकड़ मजबूत की और 5-2 की बढ़त बना ली, फिर एक ऐस के साथ आराम से सेट जीत लिया। ओसाका और सबालेंका दोनों ने दूसरे सेट की शुरुआत में सर्विस बनाए रखी, फिर सबालेंका ने 4-2 से कंट्रोल हासिल किया और फिर एक अहम ब्रेक के साथ मैच जीत लिया। मैच के बाद सबालेंका ने कहा कि यह पागलपन है, इतने सालों में हमने सिर्फ एक बार खेला। मुझे पूरा यकीन है कि हम और भी कई मैच खेलेंगे। वह शानदार टेनिस खेलकर वापस आ रही है। मैं नतीसे से बहुत खुश हूं। पिछली बार से बहुत बेहतर। मुझे खुशी है कि मैंने आज उन पर इतना प्रेशर डाला, कि मैं कोर्ट में वैरायटी लेकर आई। मेरी सर्विस ने अच्छा काम किया। रिटर्न पर मैंने सच में बहुत अच्छा टेनिस खेला। ऑस्ट्रेलिया की टालिया गिब्सन ने इटली की दुनिया की नंबर सात जैस्मीन पाओलिनी को 7-5, 2-6, 6-1 से हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की,। 21 साल की गिब्सन, जो दुनिया में 112वें नंबर पर हैं और अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 मेन ड्रॉ खेल रही हैं, 11 साल में टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर भी बनीं।

**मन की बात** | भारतीय कप्तान ने कई खिलाड़ियों के साथ इमोशनल बातचीत के बारे में भी चर्चा की

# टीम भावना ने पर्दे के पीछे निभाई अहम भूमिका : सूर्यकुमार

**नई दिल्ली, एजेंसी**

- **कई खिलाड़ियों की कहानियां काफी प्रेरणा देने वाली रहीं**

आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के विजयी अभियान को आकार देने में मदद करने वाली निजी बातचीत और पलों पर बात करते हुए, भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि विश्वास, भरोसा और मजबूत टीम भावना ने पर्दे के पीछे अहम भूमिका निभाई। सूर्य ने टीम के कई खिलाड़ियों, जिनमें ईशान किशन और संजू सैमसन शामिल हैं, के साथ इमोशनल बातचीत के बारे में बात की, और बताया कि कैसे निजी भूमिकाओं से ऊपर टीम को प्राथमिकता देने की उनकी इच्छा ने भारत के सफल वर्ल्ड कप सफर को तय किया। हमारी वर्ल्ड कप टीम के कुछ खिलाड़ियों की कहानियाँ बहुत प्रेरणा देने वाली और इमोशनल रही हैं। अगर आप सिराज की बात करें, तो मैंने उन्हें टूर्नामेंट से कुछ दिन पहले फ़ोन किया था। वह अपने दोस्तों के साथ बैठे थे, कैप पहने हुए थे और खाना खा रहे थे। मैंने उनसे कहा कि हर्षित राणा घायल हैं, आपको टीम में शामिल होना होगा। उन्होंने कहा कि सूर्य भाई, क्या आप मज़ाक कर रहे हैं? यह उनका पहला रिएक्शन था। फिर मैंने हमारी सिलेक्शन मीटिंग से ठीक पहले इशान किशन को कॉल किया। मैंने उनसे कहा कि छोटू, क्या तुम हमें वर्ल्ड कप जिताने में मदद करोगे। उन्होंने कहा कि सूर्य भैया, बस मुझ पर भरोसा करो और मुझ पर भरोसा रखो। जिस तरह से इशान ने अपनी बात पर अमल किया है, वह एक प्यारी कहानी है।

संजू सैमसन ने टूर्नामेंट शुरू नहीं किया था। वह बीच में आए और एक बात कही कि तुम बस मुझे बताओ कि मैं टीम के लिए क्या कर सकता हूं। यही सबसे बड़ा आशीर्वाद है। स्काई ने जियोस्टार पर कहा कि ऐसे खिलाड़ी, नंबर 1 से 15 तक, हर किसी की एक अलग कहानी होती है। और जसप्रीत बुमराह, मैंने उन्हें नेशनल ट्रेजर कहा है। वह हर दिन यही काम करते हैं। बुमराह जानते हैं कि वह इस फील्ड में बेस्ट हैं। लेकिन फिर भी, वह किसी भी तरह की लापरवाही को अंदर नहीं आने देते। मुझे लगता है कि इससे उनका कैरेक्टर दिखता है। उन्होंने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वर्ल्ड कप जीतने के इमोशनल महत्व के बारे में भी बात की, वही जगह जहां से उनके इंटरनेशनल करियर की शुरुआत हुई थी। उन्होंने कहा किअहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टी20 वर्ल्ड कप जीतना बहुत खास एहसास है। इंटरनेशनल क्रिकेट में मेरा सफर 2021 में यहीं से शुरू हुआ था। जैसे ही यह शुरू हुआ, वहां से बहुत मज़ा आया। फिर 2026 में यहां आना और भारत के लिए एक लीडर के तौर पर टी20 वर्ल्ड कप जीतना बहुत खास एहसास है। उसी स्टेडियम में होना अच्छा लगता है जिसके बारे में इतने सारे लोग बात कर रहे थे। यहां जीतना पूरी टीम के लिए बहुत खास था।

### जिन्हें मौका नहीं मिलता, उनकी फिक्र होती है

भारतीय कप्तान ने वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम की कप्तानी करने की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक पर भी ज़ोर दिया– पूरे टूर्नामेंट के दौरान प्लेइंग इलेवन के बाहर के खिलाड़ियों को मोटिवेटेड और मेंटली तैयार रखना। इस टी20 वर्ल्ड कप कैंपेन में, मेरे लिए सबसे मुश्किल काम उन प्लेयर्स को संभालना था जिन्हें प्लेइंग इलेवन में खेलने के ज़्यादा मौके नहीं मिलते। जिन्हें मौके नहीं मिलते, या बहुत कम मिलते हैं, मुझे हमेशा लगता था कि मुझे उनके साथ ज़्यादा समय बिताना चाहिए। जो खेलते रहते हैं वे ऑटोपायलट मोड में होते हैं। उन्हें पता होता है कि क्या करना है। लेकिन जो कभी भी खेल सकते हैं लेकिन हर गेम में नहीं खेल पाते, उनके लिए स्विच ऑन और स्विच ऑफ करना मुश्किल होता है। इसलिए उनके साथ समय बिताना और लगातार बातें करना बहुत जरूरी था।

# बाबर पाकिस्तान की राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप से हटे

**कराची, एजेंसी।** पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने 26 मार्च से शुरू होने वाली पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से पहले अपनी बल्लेबाजी की तकनीकी खामियों को दूर करने के लिए राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया है। टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश के खिलाफ उसकी सरजमीं पर होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला की टीम से बाहर किए गए बाबर का नाम पेशावर में चल रही राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप के लिए लाहौर व्हाइट्स टीम में शामिल किया गया था।

वह घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेंगे और इसके बजाय अपनी बल्लेबाजी पर कुछ कोच के साथ काम कर रहे हैं।

# अफगानिस्तान-श्रीलंका के बीच सीरीज स्थगित

**काबुल, एजेंसी**

- **सैन्य विवाद के कारण फैसला लिया गया**
- **दोनों टीमों के बीच सीरीज 13 मार्च से शुरू होनी थी**

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों ने मंगलवार को कन्फ़र्म किया कि उन्होंने मिडिल ईस्ट में अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच चल रहे सैन्य विवाद की वजह से श्रीलंका के ख़िलाफ़ अपनी आने वाली सीरीज़, जो यूनाइटेड अरब अमीरात में होनी थी, स्थगित कर दी है। दोनों टीमों को 13 से 25 मार्च तक तीन वनडे और इतने ही टी20 खेलने थे। एसीबी के चीफ़ एग्ज़ीक्यूटिव नसीब खान ने मंगलवार को क्रिकबज़ को बताया कि हां श्रीलंका के ख़िलाफ़ व्हाइट-बॉल सीरीज़ स्थगित कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि फ्लाइट्स, लॉजिस्टिक्स और इलाके की स्थिति को लेकर कुछ दिक्कतें थीं। हमने इन मैचों को श्रीलंका में कराने के लिए दूसरा ऑप्शन भी देखा और श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के लगातार संपर्क में रहे। हालांकि, उस समय यूएई से श्रीलंका के लिए कोई फ्लाइट उपलब्ध नहीं थी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, इतने कम समय में प्रोडक्शन, होटल, ग्राउंड बुकिंग और सिक्योरिटी का इंतज़ाम करना काफी मुश्किल था। इसलिए, हमने आखिरकार इसे टालने का फैसला किया।

उन्होंने आगे कहा कि यह (सीरीज़) इस साल के आखिरी क्वार्टर में खेली जाएगी। इस टी20 सीरीज से उम्मीद थी कि यह सबसे छोटे फॉर्मेट में इब्राहिम ज़दरान की कप्तानी के दौर की शुरुआत होगी, क्योंकि उन्हें हाल ही में राशिद खान की जगह टी20 कप्तान बनाया गया था।